THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 27 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.12 2083 मंगलवार, 28 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❋ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं'

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे।

पीएम मोदी ने बंगालवासियों के नाम लिखा पत्र

'भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए'

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यवासियों के नाम एक पत्र और एक ऑडियो संदेश जारी किया है। बता दें कि, राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा और इसके नतीजे 4 मई को जारी होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में क्या लिखा

पश्चिम बंगाल के पूरे चुनाव अभियान के दौरान मुझे अपने परिवारजनों का जो अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने एक नई ऊर्जा से भर दिया है। यहां की युवाशक्ति हो या नारीशक्ति, हमारे किसान भाई-बहन हों, श्रमिक या फिर कारोबारी, सभी 'विकसित बंगाल' के लिए संकल्पित हैं। मैंने इस पत्र में उनके प्रति अपनी

सभी विकसित बंगाल के लिए संकल्पित

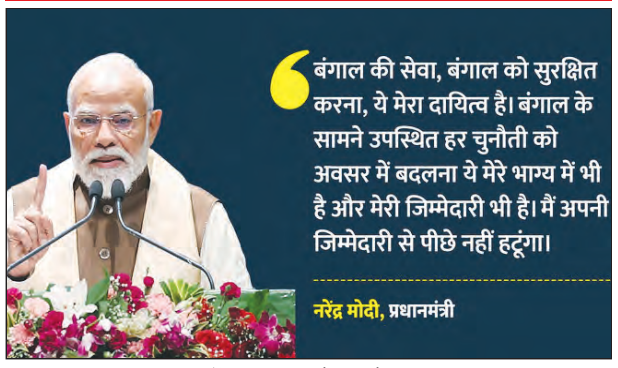

भावनाएं व्यक्त की हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यवासियों के नाम एक ऑडियो संदेश भी जारी किया है, जो हिंदी और बंगाली भाषा में अलग-अलग जारी किया गया है।

पश्चिम बंगाल के मेरे परिवारजनो, लोकतंत्र के महोत्सव में बीजेपी की विजय का ध्वज फहराने का सुनहरा अवसर आपके सामने है। मुझे विश्वास है कि 29 अप्रैल को आप मतदान का नया रिकॉर्ड बनाएंगे। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर मैंने ऑडियो संदेश के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं।

मतदान की अपील और विकसित बंगाल की गारंटी :

पीएम मोदी ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान ने इतिहास रचा है। उन्होंने बंगाल के लोगों से 29 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने का आह्वान किया। यह लोकतंत्र के मंदिर में विजय की ध्वज फहराने का बेहतरीन अवसर है। उन्होंने सभी के मिलकर बंगाल को विकसित बनाने की बात कही, जिसे उन्होंने 'मोदी की गारंटी' बताया।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान डाले गए हैं, जिसमें रिकॉर्ड 92.15 प्रतिशत वोटिंग हुई है। वहीं दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। जबकि विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को जारी किए जाएंगे।

'बंगाल में सत्ता परिवर्तन तय'

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल का चुनावी रण अब अपने चरम पर है और दूसरे चरण की वोटिंग से पहले सियासी पारा उफान पर पहुंच गया है। प्रचार के आखिरी दिन राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने जनता को लुभाने के लिए वादों की बौछार कर दी है। कोई भाषा को मुद्दा बता रहा है, तो कई भाषा के अपमान को मुद्दा बना रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैरकपुर में चुनावी रैली के दौरान एक बार फिर गारंटी वाला मास्टरस्ट्रोक खेलकर मुकाबले को और तेज कर दिया है। पीएम ने पांच बड़ी गारंटियों का एलान करते हुए साफ संदेश दिया कि सत्ता परिवर्तन अब दूर नहीं है।

रोजगार, भर्ती, वेतन और गांवों में काम जैसे मुद्दों को हथियार बनाकर पीएम मोदी ने दूसरे चरण के चुनावी मैदान में सीधी टक्कर का बिगुल फूंक दिया है। ऐसे में पूरे देश को इंतजार केवल चार मई का है, जब ये पता चलेगा कि आखिर जनता ने किस पार्टी के चुनावी वादों को स्वीकार किया है और किसे बाहर का रास्ता दिखाया है।

न्याय की उम्मीद खत्म : केजरीवाल

❋ उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले
❋ शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा।' उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है।

पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है। उन्होंने कहा, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस

मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं। केजरीवाल उन पर हितों के टकराव का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता की कोर्ट में उन्हीं को हटाने की याचिका लगाई। केजरीवाल ने खुद इस केस की पैरवी की। 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्णकांता ने यह याचिका खारिज कर दी।

केजरीवाल के वीडियो मैसेज के 4 पॉइंट्स...

> मुझे एक झूठे केस में फंसाया गया और जेल भेज दिया गया। एक चुनी हुई सरकार को गलत तरीके से गिरा दिया गया।

बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर होंगे दिनेश त्रिवेदी

> एमईए ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पूर्व मंत्री और भाजपा वरिष्ठ नेता दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने आधिकारिक जानकारी साझा की। दिनेश त्रिवेदी उच्चायुक्त प्रणय वर्मा की जगह ले सकते हैं। वहीं प्रणय वर्मा को यूरोपीयन यूनियन में भारत का राजदूत बनाकर ब्रसेल्स भेजा जा रहा है। सरकार के इस फैसले को भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ढाका में एक अनुभवी राजनेता को भेजने का नई दिल्ली का यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब दोनों पक्ष उन द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि दोनों देशों के बीच मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान काफी तनाव आ गया था। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि त्रिवेदी जल्द ही यह जिम्मेदारी संभाल लेंगे। वह प्रणय वर्मा की जगह लेंगे, जिन्हें बेल्जियम और यूरोपीय संघ (ईयू) में नई दिल्ली का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। यूपीए सरकार के दौर में दिनेश त्रिवेदी ने रेल मंत्री के अलावा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी निभाई। वर्ष 2012 में रेल बजट में यात्री किराया बढ़ाने के प्रस्ताव पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

ईरान ने 17 भारतीय चालक दल वाले टैंकर को बनाया निशाना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में समुद्र के रास्ते व्यापार करना लगातार खतरनाक होता जा रहा है। भारत सरकार ने बताया ईरान ने भारतीय चालक दल वाले एक रासायनिक टैंकर को अपना निशाना बनाया। ओमान की समुद्री सीमा के पास हुई इस फायरिंग की घटना ने सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि, भारत सरकार पूरे हालात पर करीब से नजर बनाए हुए है और देशवासियों को खाद और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर भी बड़ा भरोसा दिया है।

पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को इस घटना की पूरी जानकारी दी। ईरानी तटरक्षक बल ने 25 अप्रैल को ओमान के आउटर

सरकार ने बताया ओमान तट पर क्या हुआ, एलपीजी पर भी दिया अपडेट

पोर्ट सीमा में एक टोगो-ध्वज वाले टैंकर 'एमटी सिरोन' पर गोलियां चलाईं। इस टैंकर पर कई भारतीय नाविक सवार थे। मंत्रालय के अधिकारी मनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि यह गोलीबारी सिर्फ चेतावनी के तौर पर की गई थी। राहत की बात यह है कि जहाज पर सवार सभी 17 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। यह घटना उस समय हुई जब यह जहाज अन्य जहाजों के साथ वहां से गुजर रहा था। डीजी शिपिंग नियंत्रण कक्ष अब तक 7,780 कॉल का जवाब दे चुका है और फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। 22 अप्रैल को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर हमला किया था, जो गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह आ रहा था। यह हमला तब हुआ जब ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, उनके द्वारा अनिश्चितकालीन युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटे बीते थे। ईरान के आईआरजीसी-एन ने एमएससी-फ्रांसेस्का और एपामिनोडास नामक दो जहाजों पर हमला कर उन्हें कब्जे में लिया था। 18 अप्रैल को भी ईरान ने इसी रास्ते में दो भारतीय जहाजों पर हमला किया था, जिस पर भारत ने कड़ा विरोध जताया था।

कर्नाटक हाई कोर्ट की पुलिस को फटकार

जस्टिस नागप्रसन्ना बोले-गायों के पीछे नहीं, असली अपराधियों को पकड़ें

बेंगलूरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण मामले में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। न्यायालय ने कहा है कि पुलिस को छोटे-मोटे मामलों में उलझे रहने के बजाय वास्तविक और गंभीर अपराधों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह टिप्पणी एक ऐसे मामले की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें दो साल पहले दो गायों के लापता होने के आरोप में एक परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्न की एकल पीठ ने इस बात पर हैरानी जताई कि पुलिस ने दो साल पहले लापता हुई दो गायों के मामले में एक आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। न्यायमूर्ति नागप्रसन्न ने राज्य के वकील से कहा, गाय की जांच छोड़िए। वास्तविक अपराधों के पीछे जाइए। आपने यह मामला क्यों दर्ज किया? इस आरोप पर कि दो साल पहले दो गायें लापता हो गई थीं, आपने मामला दर्ज कर लिया। न्यायाधीश ने आगे कहा कि जब गंभीर अपराधों की शिकायतें दर्ज करने की बात आती है तो पुलिस उतनी सक्रियता नहीं दिखाती। उन्होंने टिप्पणी की, वास्तविक अपराधों को आप दर्ज नहीं करते। वास्तविक अपराध दर्ज कराने के लिए उन्हें पुलिस स्टेशन के दरवाजे को सौ बार खटखटाना पड़ता है। दो गायें दो साल पहले लापता हो गईं और एक मामला दर्ज हो गया। यह मामला एक परिवार द्वारा दायर उस याचिका पर सुना जा रहा था, जिसमें उन पर पिछले महीने दर्ज की गई आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। यह मामला 2024 में दो गायों के लापता होने से संबंधित था।

न्यायालय ने देखा कि पुलिस द्वारा दर्ज किया गया यह मामला कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग था और न्यायालय ने पुलिस जांच पर अंतरिम रोक लगा दी। न्यायालय ने कहा, 2024 में दो गायें लापता हो जाती हैं। पूरा परिवार 2026 में दर्ज किए गए अपराध के जाल में फंस जाता है क्योंकि गायों का पता नहीं चला था। यदि इसकी अनुमति दी जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग होगा। इसलिए, आगे की जांच पर अंतरिम रोक का आदेश दिया जाएगा। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने स्पष्ट रूप से कहा कि पुलिस वास्तविक अपराधों को दर्ज नहीं करती, जबकि दो साल पहले लापता हुई गायों के मामले में कार्रवाई करती है।

अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। याचिकाकर्ताओं ने बुलडोजर एक्शन पर तुरंत रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन सीजेआई ने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति इससे प्रभावित है तो उसे पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए।

यह मामला गुरुग्राम में चल रही अतिक्रमण विरोधी मुहिम से जुड़ा है। हाल के दिनों में प्रशासन ने डीएलएफ फेज-1, गोल्फ कोर्स रोड, साउथ सिटी और अन्य पॉश इलाकों में अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई शुरू की थी। रैंप, गार्ड रूम, बाउंड्री वॉल और सड़कों पर बने अवैध अतिक्रमण हटाए जा रहे थे। यह कार्रवाई पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बाद तेज हुई थी, जिसमें स्टिल्ट प्लस चार मंजिला निर्माण नीति पर रोक लगाई गई थी।

लद्दाख में अब होंगे सात जिले, लेह और कारगिल के अलावा क्षेत्रों को मिलेगी नई पहचान

लद्दाख, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र शासित राज्य लद्दाख में अब दो के बजाय कुल सात जिले होंगे। लद्दाख के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने एक एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक दिन। मैंने लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन की अधिसूचना को मंजूरी दे दी है, जिससे लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएं और उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। इन पांच नए जिलों (नुब्रा, शाम, चांगथांग, जास्कर और द्रास) के गठन के साथ अब लद्दाख में मौजूदा दो जिलों के बजाय कुल सात जिले होंगे। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अगले सप्ताह यहां के दौरे के दौरान उनके साथ सीधी, निर्णय-स्तर की वार्ता का आह्वान किया है और क्षेत्र के लंबित मुद्दों के समाधान के लिए 22 मई के लिए निर्धारित उप-समिति की बैठक को अपर्याप्त बताया है।

टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला

> भाजपा पर लाठी-डंडे चलाने और गुंडागर्दी का आरोप, सांसद-ड्राइवर को आई चोटें

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हिंसा और गुंडागर्दी के गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसद मिताली बाग ने भी फेसबुक लाइव के दौरान दावा किया कि अरामबाग में उनके चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर हमला किया गया।

फेसबुक लाइव वीडियो में मिताली बाग ने कहा कि प्रचार के दौरान उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि हमले में लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया और इसके पीछे भाजपा कार्यकर्ताओं का हाथ बताया जा रहा है। इस घटना में सांसद और उनके ड्राइवर को चोटें आई हैं।

सांसद की कार में तोड़फोड़ का आरोप :

टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया

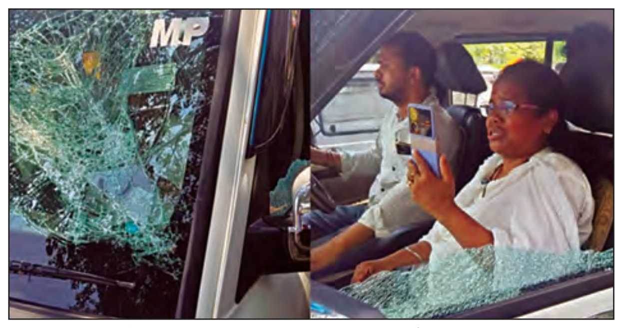

कि पार्टी की सांसद मिताली बाग की कार पर हमला किया गया। टीएमसी का कहना है कि मिताली बाग पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी की रैली में शामिल होने के लिए जा रही थीं, तभी उनके काफिले को निशाना बनाया गया। पार्टी के अनुसार इस हमले में उनकी कार को नुकसान पहुंचा और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बताया गया कि गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए और उसे नुकसान पहुंचाया गया। पार्टी ने इसे एक निर्वाचित प्रतिनिधि, खासकर अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाली महिला सांसद पर कायरतापूर्ण हमला बताया। पार्टी का दावा है कि उसके सांसद पर हमला किया गया और उनकी गाड़ी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया।

टीएमसी ने अपने बयान में कहा कि भाजपा चुनावी हार के डर से हिंसा का रास्ता अपना रही है। पार्टी के मुताबिक, राजनीतिक रणनीति के बजाय भाजपा 'हिंसा, डराने-धमकाने और गुंडागर्दी' पर उतर आई है। तृणमूल कांग्रेस ने यह भी कहा कि अगर बिना सत्ता के भाजपा इस तरह के कदम उठा सकती है, तो सत्ता मिलने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है।

ममता बनर्जी ने किया जीत का दावा

मां माटी मानुष की लहर अब सिर्फ वक्त का इंतजार

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मां, माटी, मानुष की जीत अब भविष्यवाणी नहीं, बल्कि सिर्फ समय की बात है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित पदयात्राओं और जनसभाओं में आम लोगों का जबरदस्त उत्साह, स्नेह और भावनात्मक समर्थन देखकर वह बेहद प्रभावित हुई हैं। उन्होंने लिखा कि यह रिश्ता वर्षों से हर चुनौती के समय जनता के साथ खड़े रहने से बना है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सदियों से सौहार्द, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र धरती पर उन विभाजनकारी और विनाशकारी ताकतों के लिए जगह नहीं, जो बंगाल को उसके अधिकारों से वंचित रखना चाहती हैं। ऐसी ताकतें बंगाल की विरासत को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की लालसा में जनता के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को बंगाल की जागरूक और एकजुट जनता लोकतांत्रिक जवाब देगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार के विकास कार्य राज्य के हर कोने तक पहुंचे हैं और कोई भी दुर्भावनापूर्ण ताकत इस रफ्तार को रोक नहीं सकती।

इसरो की एसटीईएम बैकग्राउंड वाले नागरिकों को स्पेस में भेजने की योजना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरिक्ष की ऊंचाईयों को छूने का सपना अब आम नागरिकों का भी पूरा होगा। मानवयुक्त गगनयान मिशन के शुरूआती कुछ चरणों को पूरा करने के बाद इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) भारत के अंतरिक्ष यात्री कैडर को पहली बार आम नागरिकों के लिए खोल सकता है।

इसरो की योजना है कि गगनयान मिशन के शुरूआती चरण पूरे होने के बाद यात्री कैडर को खोला जाए। इस पर विस्तृत चर्चा हो रही है। यानी आने वाले कुछ सालों में फाइटर पायलट ही नहीं, बल्कि साइंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े नागरिकों को अंतरिक्ष में जाने का मौका दिया जा सकता है। एक सूत्र ने बताया कि, जहां पहले बैच के सभी अंतरिक्ष यात्री भारतीय वायुसेना के टेस्ट पायलट है, वहीं दूसरे बैच में इसरो विविधता पर फोकस कर रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में सोमवार को एक नए युग की शुरूआत हुई। दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो व्यापार, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाला है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण समझौते को आधिकारिक रूप दिया गया। यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था और निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजार में एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मानी जा रही है।

वर्तमान में न्यूजीलैंड द्वारा भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाता था। नए समझौते के तहत यह शुल्क खत्म हो जाएगा, जिससे भारतीय कपड़ा और परिधान, चमड़ा उद्योग, टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन (सिरेमिक्स), कालीन और वाहन तथा उनके पुर्जों के निर्यात को भारी बढ़ावा मिलेगा। इसके एवज में, भारत ने भी न्यूजीलैंड से आने वाले 95 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ में छूट दी है या उसे कम कर दिया है।

विदेशी निवेश और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा :

व्यापार सुगमता के साथ-साथ इस एफटीए का एक प्रमुख स्तंभ विदेशी निवेश है। समझौते के तहत, न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह निवेश यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) द्वारा भारत के साथ किए गए समझौते में प्रस्तावित 100 अरब डॉलर के निवेश ढांचे की तर्ज पर ही है। वहीं, एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के तहत, भारत ने अपने संवेदनशील घरेलू कृषि और डेयरी सेक्टर को इस एफटीए के दायरे से पूरी तरह बाहर रखा है। दूध, क्रीम, मट्ठा, दही और पनीर जैसे सभी डेयरी उत्पादों के साथ-साथ अन्य कृषि उत्पादों पर आयात छूट नहीं दी गई है।

रक्षा मंत्री बिश्केक में एससीओ की बैठक में लेंगे भाग

> वैश्विक शांति और सुरक्षा पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विश्व में व्याप्त सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वह आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के देश के दृढ़ रुख को भी स्पष्ट करेंगे।

रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- किर्गिस्तान के बिश्केक के लिए रवाना हो रहा हूं। कल होने वाली शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। विश्व में व्याप्त सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति

के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करने के साथ-साथ आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति भारत के शून्य सहिष्णुता के रुख को भी स्पष्ट करूंगा। बिश्केक में अन्य एससीओ के सदस्य देशों के समकक्षों और भारतीय समुदाय के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करूंगा। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंच है, जो सदस्य देशों के रक्षा नेताओं को क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों, आतंकवाद विरोधी रणनीतियों और सैन्य सहयोग पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाता है।

आप के 7 सांसदों को बीजेपी में विलय की मंजूरी

राज्यसभा में भाजपा सांसद 106 से बढ़कर 113 हुए

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद राज्यसभा में आप की संख्या घटकर 3 रह गई है, जबकि बीजेपी सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है।

जो सात सांसद बीजेपी में शामिल हुए हैं, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इन सांसदों को बीजेपी के सदस्यों के रूप में दिखाया गया है। आप ने रविवार को सभापति के समक्ष याचिका दायर कर इन सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। सांसद संजय सिंह ने भी सभापति को लेटर लिखकर इन सांसदों को अयोग्य घोषित करने की अपील की थी। सिंह ने कहा था कि इन सदस्यों का पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन है।

3 सांसदों ने नितिन नवीन से मिलकर भाजपा जॉइन की

आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार को बीजेपी जॉइन कर ली थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा सभापति को आवेदन देकर खुद को बीजेपी सांसद के रूप में मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है।

राघव ने कहा-मैं राइट मैन इन रॉन्ग पार्टी

राघव ने कहा था कि पिछले कुछ सालों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आप से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। राजनीति में आने से पहले, मैं एक प्रैक्टिसिंग चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) था। इस मंच पर मेरे साथ अलग-अलग क्षेत्रों के लोग थे।

स्वाति मालीवाल बोलीं- केजरीवाल महिला विरोधी हैं

स्वाति मालीवाल ने कहा था कि उन्होंने 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया, हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन बाद में उनके साथ पार्टी में दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर में उनके साथ मारपीट कराई गई और एफआईआर वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया।

अभी हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई : संजय सिंह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दी। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा, 'भाजपा ने अशोक मित्तल पर छापे पड़वाए थे। भाजपा ने कहा था कि वे बहुत भ्रष्ट हैं। आज अशोक मित्तल भाजपा में चले गए हैं। संजय सिंह ने कहा, 'सातों सांसदों ने जो विलय का पत्र दिया है, चेयरमैन ने उसका संज्ञान लिया है। मैंने उन्हें पत्र लिखा है कि संविधान की 10वीं अनुसूचि के मुताबिक इनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि वे इस पर फैसला देंगे। अभी तक चेयरमैन साहब की ओर से हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई है।' बता दें कि राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की स्थिति कमजोर हो गई है। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सातों सांसदों को अब भाजपा सदस्य के रूप में सूचीबद्ध कर दिया गया है, जिससे राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन सभी सांसदों ने शुक्रवार को सभापति को पत्र देकर स्वयं को भाजपा का हिस्सा मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

केजरीवाल के समर्थन में आतिशी

जब न्याय की उम्मीद टूट जाए तो सत्याग्रह ही एकमात्र रास्ता

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को लिखे पत्र का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अरविंद केजरीवाल के वीडियो को शेयर किया है, जिसमें वे जस्टिस स्वर्णकांता को लिखे पत्र के बारे में बता रहे हैं।

आतिशी ने लिखा जब एक आम इंसान को लगता है कि उसको न्याय ही नहीं मिलेगा तो उसके पास क्या विकल्प बचता है? तब वह सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलने का फैसला करता है। वही रास्ता जो गांधी जी ने सिखाया था। आज बात सिर्फ अरविंद केजरीवाल की नहीं, बल्कि यह हर उस नागरिक की भावना है जिसकी न्याय की उम्मीद टूट रही है। आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को पत्र लिखकर कहा है कि वे दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले से संबंधित कार्यवाही में न तो स्वयं उनके समक्ष उपस्थित होंगे और न ही कानूनी वकील के माध्यम से उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायाधीश से न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं है और वे महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग का अनुसरण करेंगे।

अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि यह निर्णय उन्होंने अपनी 'अंतरात्मा की आवाज' सुनने के बाद लिया है और उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी भी आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने का अपना अधिकार सुरक्षित रखेंगे।

मंगलूरू ब्लास्ट : मंदिर में रखने से पहले ही फट गया था कुकर बम

साढ़े तीन साल बाद आतंकी शारिक को 10 साल की सजा

बंगलूरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगलूरू में 2022 के चर्चित मंगलूरू कुकर विस्फोट कांड के आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मंगलुरु कुकर विस्फोट मामले में आतंकी आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। शारिक ने अदालत के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

पुलिस की भूमिका पर क्या बोले गृह मंत्री?

वहीं राज्य के गृह मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस ने कानून के तहत अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाई है। जरूरी सबूत इकट्ठा कर कोर्ट में पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'हमें न्यायपूर्ण फैसला मिलने की उम्मीद है, बाकी हमें इंतजार करना चाहिए।' उन्होंने यह भी साफ किया कि इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी अलग बात है, लेकिन असली महत्व कानूनी प्रक्रिया का है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 19 नवंबर 2022 का है, जब मंगलूरू में एक ऑटो रिक्शा के अंदर कुकर बम धमाका हुआ था। इस धमाके में मुख्य आरोपी मोहम्मद शारिक खुद ही गंभीर रूप से झुलस गया था, क्योंकि बम समय से पहले फट गया था। जांच एजेंसी एनआईए के मुताबिक, वह इस बम को कहीं लगाने ले जा रहा था, लेकिन टाइमर में गड़बड़ी के कारण विस्फोट हो गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि शारिक कथित तौर पर कादरी मंजुनाथ मंदिर में बम लगाने जा रहा था, तभी बीच रास्ते में ही बम फट गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

'सजा के डर से राजनीतिक नौटंकी कर रहे आप नेता'

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की जस्टिस स्वर्णमाला के खिलाफ टिप्पणी पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सजा के डर से केजरीवाल राजनीतिक नौटंकी कर रहे हैं, लेकिन भारतीय लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता है। वीरेंद्र सचदेवा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, अरविंद केजरीवाल ने जो पत्र लिखा है उसकी हम निंदा करते हैं। जिस तरह से उन्होंने न्यायाधीश को पत्र लिखा है, न्यायालय पर टिप्पणी की है, यह दुखद है। राजनीति में इस तरह के आचरण की जगह नहीं होती है। अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में आरोपी हैं। उच्च न्यायालय ने उनकी अपील को अस्वीकार कर दिया था।

'चंद भ्रष्ट लोगों के हाथ में सिमटी पार्टी'

राघव बोले-आप का अंदरूनी माहौल जहरीला

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजनीति में अपनी नई पारी की शुरुआत करते हुए राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने के फैसले पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया है।

सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर अपने निर्णय के पीछे की वजह बताई। राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी बदलने की घोषणा के बाद पिछले तीन दिनों से उन्हें बड़ी संख्या में संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और बधाई संदेश भेज रहे हैं, जबकि कुछ लोग यह जानना चाहते हैं कि उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़कर यह फैसला क्यों लिया।

> कुछ लोग मेरे फैसले के पीछे का कारण जानना चाहते हैं... राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टड अकाउंटेंट था... एक राजनीतिक दल के संस्थापक सदस्य के तौर पर मैंने पार्टी को खून-पसीने से सींचा... लेकिन अब इस पार्टी का माहौल जहरीला हो चुका है। काम करने और संसद में बोलने से रोका जाता है। आज ये पार्टी चंद भ्रष्ट लोगों के हाथों में फंस कर रह गई है।
>
> *राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा (आप से बगावत के कारण पर बोले)*

मैं अपने करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया

उन्होंने कहा कि दोस्तों राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट था, मेरे सामने एक बेहतरीन करियर था, मैं उस करियर को छोड़कर राजनीति में आया। अपने करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया। और एक राजनीतिक पार्टी का संस्थापक सदस्य बना।

अब यह पार्टी पुरानी वाली पार्टी नहीं रह गई है

मैंने अपने युवा जीवन के 15 साल दिए, अपने खून, पसीना से बहुत मेहनत से इस पार्टी को सींचा। लेकिन आज ये पार्टी पार्टी वो पुरानी वाली पार्टी नहीं रही। इस पार्टी में आज एक टॉक्सिक कार्य का माहौल है, आपको काम करने से रोका जाता है। संसद में बोलने से रोका जाता है। और आज ये राजनीतिक पार्टी चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों को हाथ में फंस कर रह गई है।

राघव ने बताए अपने तीन विकल्प

राघव ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों से मैं यह महसूस कर रहा था, 'शायद एक सही आदमी, गलत पार्टी में है', और इसी के चलते मेरे पास तीन विकल्प थे, पहला विकल्प कि मैं राजनीति ही छोड़ दूं। दूसरा विकल्प कि मैं इसी पार्टी में रहूं और चीजें ठीक करने की कोशिश करूं, जो की हुआ नहीं। और तीसरा विकल्प कि मैं अपनी ऊर्जा और अनुभव लेकर सकारात्मक राजनीति करूं, एक और प्लेटफॉर्म के साथ, एक और राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़कर सकारात्मक राजनीति करूं।

सात लोग गलत नहीं हो सकते

इसलिए केवल मैंने नहीं छह और सांसदों ने यह फैसला लिए कि हम अपने इस राजनीतिक पार्टी से रिश्ता तोड़ दें। एक आदमी गलत हो सकता है, दो आदमी भी गलत हो सकते हैं लेकिन सात लोग गलत नहीं हो सकते। और वो अनगीनत पढ़े-लिखे लोग, जो इस पार्टी के सपने के साथ जुड़ें थे, वो तमाम लोग इस पार्टी को छोड़कर चले गए, क्या वो सारे गलत हो सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आप ऐसे समझिए, आप में से जितने ऑफिस जाने वाले लोग हैं, अगर आपका कार्यस्थल टॉक्सिक जगह बन जाए, तो आप कितना काम कर पाएंगे। अगर आपको वहां काम करने से रोका जाए, आपकी मेहनत को दबाया जाए, आपको चुप कराया जाए, तो आप क्या करेंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे कॉरिडोर पर बड़ा हादसा

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

कलोल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के कलोल में सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे कॉरिडोर पर सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति की जान बची है। हादसा पंचमहल जिले में कलोल के पास से गुजरने वाले कॉरिडोर में हुआ। इस रास्ते को ट्रायल रन के लिए खोला गया है। इसी दौरान यह बड़ा हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि कार बेहद तेज रफ्तार में थी और हाईवे का डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ जा गिरी। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार तेज गति से जा रही कार के ड्राइवर का कंट्रोल अचानक खो गया और कार डिवाइडर फांदकर हाईवे के दूसरी तरफ जा गिरी।

हादसा इतना भयानक था कि कार में सवार पांच लोगों में से चार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति बच गया। इस हादसे के सभी पीड़ित वडोदरा के रहने वाले हैं। खिंजी परिवार के सदस्य राजस्थान से लौट रहे थे, तभी कलोल के पास रास्ते में उनकी मौत हो गई। मरने वालों में 55 साल के साजिद इकबाल खिंजी, 50 साल के इलियास इकबाल खिंजी, 48 साल के इशाक इकबाल खिंजी और 35 साल के रेहान अजगर खिंजी शामिल हैं। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से वडोदरा में दुख की लहर दौड़ गई है। एक्सीडेंट की खबर मिलते ही आस-पास के लोग और पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की गई। एडमिनिस्ट्रेशन भी मौके पर पहुंचा।

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के बैंक खाते पर लगी रोक हटेगी

> अदालत ने एनसीबी की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती के बैंक खातों को अनफ्रीज करने का आदेश दिया है। यह फैसला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रक्रियागत आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण आया है। दरअसल, एनसीबी ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले की जांच के तहत इन खातों को जब्त किया था।

अभियोजन पक्ष ने क्या तर्क दिया?

रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक का प्रतिनिधित्व वकील अयाज खान ने किया। उन्होंने तर्क दिया कि एनसीबी ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 की धारा 68एफ (संपत्तियों की जब्ती या फ्रीजिंग के लिए) के तहत अनिवार्य प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का पालन करने में विफल रही। अभियोजन पक्ष ने चक्रवर्ती के कथित बयानों का हवाला देते हुए आवेदन का विरोध किया और कहा कि ये इस बात का सबूत हैं कि वह ड्रग तस्करों के संपर्क में रहने वाले एक ड्रग सिंडिकेट की सक्रिय सदस्य थीं। अभियोजन पक्ष का तर्क था कि जांच अधिकारी द्वारा खाते को फ्रीज करना एक आवश्यक कार्रवाई थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

हालांकि, बचाव पक्ष की दलील में योग्यता पाते हुए विशेष एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश यूसी देशमुख ने शनिवार को कहा कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ (2) के तहत, संपत्ति को फ्रीज या जब्त करने का कोई भी आदेश 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा पुष्टि किया जाना चाहिए। यदि ऐसी कोई पुष्टि नहीं की जाती है, तो आदेश कानूनी रूप से अमान्य हो जाता है। अदालत ने बताया कि प्रतिवादी (एनसीबी) इस बात से इनकार नहीं करता कि अनिवार्य प्रावधान का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने आगे कहा कि इसलिए उच्च न्यायालय के फैसले और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए आवेदन को स्वीकार किए जाने योग्य है। इसके बाद विशेष अदालत ने बैंक खातों को तत्काल डीफ्रीज करने का निर्देश दिया। दोनों के खातें को आरबीआई के नियमों और विनियमों के अनुसार उनका संचालन करने की अनुमति दी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से एनसीबी बॉलीवुड और टेलीविजन उद्योग में कथित तौर पर ड्रग्स के इस्तेमाल की जांच कर रही है।

चिकन पुलाव के बाद तरबूज खाना बना काल

मुंबई में एक ही परिवार में चार की मौत-कारण की जांच जारी

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के दक्षिण क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध फूड पॉइजनिंग से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्यों ने डिनर के बाद तरबूज खाया था, जिसके कुछ ही समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

कौन-कौन हुए शिकार?

इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में अब्दुल्ला (40), उनकी पत्नी नसरीन (35) और उनकी दो बेटियां जैनब (13) व आयशा (16) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि 25 अप्रैल को यह परिवार मुंबई के जे.जे. मार्ग स्थित अपने घर पर पारिवारिक कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा था, जिसके बाद यह दुखद घटना सामने आई।

कैसे बिगड़ी तबीयत?

जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में आए मेहमानों ने पहले चिकन पुलाव खाया और बाद में वापस चले गए। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने तरबूज खाया। कुछ ही समय में सभी को उल्टी और चक्कर आने लगे, जिसके बाद उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जे.जे. अस्पताल में रेफर किया गया, जहां रविवार रात सभी की मौत हो गई।

हिंदुस्तान भी बर्बादी के रास्ते पर : विजय वडेट्टीवार

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित हिल्टन होटल में आयोजित हाई-प्रोफाइल व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। इस बीच कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का बयान भी चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका की नीतियों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

> जैसी करनी, वैसी भरनी... ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अपना दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की, इसलिए ऐसा होना ही था। चूंकि हिंदुस्तान में लोग सड़कों पर नहीं उतर रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब कुछ ठीक है।
>
> *विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस नेता*

'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे' वडेट्टीवार का विवादित बयान

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल में दुनिया पर दबदबा बनाने की कोशिश की, जिससे कई देशों के साथ तनाव बढ़ा और इसका असर अमेरिका पर भी पड़ा। उन्होंने कहा कि ईरान से कोई सीधा विवाद नहीं था, लेकिन इस्राइल का समर्थन और आक्रामक नीतियों के कारण हालात बिगड़े। उनके मुताबिक, ट्रंप की नीतियों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया। वडेट्टीवार ने आगे कहा कि भारत में भी लोगों के मन में असंतोष है। भले ही लोग खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर यह भावना बन रही है कि देश सही दिशा में नहीं जा रहा।

व्हाइट हाउस डिनर में फायरिंग मामला

गौरतलब है कि शनिवार रात करीब 8:34 बजे डिनर कार्यक्रम के दौरान अचानक हलचल मच गई। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कार्यक्रम में मौजूद थे और वेइजिया जियांग व मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन से बातचीत कर रहे थे। खतरे का संकेत मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। सीक्रेट सर्विस ने फौरन कार्रवाई करते हुए ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

घटना के कुछ घंटों बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी कि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया से वॉशिंगटन आया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह हथियार के साथ कार्यक्रम में घुसने की कोशिश कर रहा था और उसका निशाना बड़े सरकारी अधिकारी थे, लेकिन समय रहते सुरक्षा एजेंसियों ने उसकी साजिश को नाकाम कर दिया।

एनआईए ने संभाला लश्कर कमांडरों की गिरफ्तारी का मामला

पांचों आतंकी कोर्ट में पेश

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लश्कर-ए-ताइबा के शीर्ष कमांडरों अबू हुरैरा और खुबैब की गिरफ्तारी से जुड़े मामले को अपने हाथ में ले लिया है।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि दोनों आतंकी लंबे समय से वांछित थे और कई गतिविधियों में शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए पांचों आतंकियों को कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू स्थित एनआईए अदालत में पेश किया गया। जांच एजेंसियां अब इनसे पूछताछ कर नेटवर्क, फंडिंग और अन्य सहयोगियों के बारे में अहम जानकारी जुटाने में लगी हैं।

मेरी गाड़ी में एसी नहीं चलता, चंबल की चमड़ी थोड़ी मोटी है : सिंधिया

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गर्मी से बचने का नुस्खा बताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक जनसभा को संबोधित कर रहे हैं और बता रहे हैं कि उन्हें गर्मी कैसे नहीं लगती है। ज्योतिरादित्य सिंधिया वायरल वीडियो में कहते हैं कि मेरी गाड़ी में ना ऐसी चलती है ना मैं एसी वाले वातावरण में रहता हूं। सिंधिया ने कहा कि मैं ढाई-ढाई घंटे तक गर्मी में खड़ा रहता हूं और पसीना टपकता है, जितना अधिक पसीना टपकता है, उतना मुझे मजा आता है।

सिंधिया ने जेब से निकाली प्याज...

सिंधिया ने कहा है कि लोग पूछते हैं कि मई जून की गर्मी और 51 डिग्री के तापमान में भी कैसे रह लेता हूं? तो मैंने उनसे कहा कि यह चंबल की चमड़ी है, थोड़ी मोटी होती है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मैं थोड़ा जवान दिखता हूं पर मेरी आत्मा थोड़ी बूढ़ी है। इतना कहने के बाद वह अपनी जेब से एक प्याज निकालते हैं और कहते हैं कि जेब में अपने प्याज रखो और निकाल पड़ो, कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में आयुर्वेद आगे बढ़ रहा है लेकिन हमें पुरानी चीजों को नहीं भूलना चाहिए। सिंधिया ने कहा कि गर्मी लगे तो सिर पर पट्टा डालो और पॉकेट में प्याज रखो, निकाल पड़ो। इसी दौरान रैली में एक शख्स अपनी जेब से प्याज निकलता है। इस पर सिंधिया कहते हैं कि यह देखो दादा की जेब में भी प्याज है। जनसभा को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि हमें हमेशा जमीन से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपका और हमारा रिश्ता ऐसा ही है और यह आशीर्वाद और प्यार बना रहे।

सु वि चा र — झूठे व्यक्ति की ऊँची आवाज सच्चे व्यक्ति को चुप करवा देती है, लेकिन सच्चे व्यक्ति का मौन झूठे व्यक्ति की नींव तक हिला देता है!

'स्पंदन' ऑल वुमन फर्स्ट रिस्पॉन्डर सिस्टम शुरू

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके हैदराबाद महानगर में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने एक नई पहल की शुरूआत की है। शहर की महिलाओं को त्वरित और प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा तैयार किया गया स्पंदन- ऑल वुमन फर्स्ट रिस्पॉन्डर सिस्टम सोमवार को औपचारिक रूप से शुरू किया गया। बंजारा हिल्स स्थित टीजी आईसीसीसी परिसर में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्पंदन टीमों को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने स्पंदन का पोस्टर भी जारी किया।

यह प्रणाली इस विचार पर आधारित है कि संकट में फंसी महिलाएं अपनी समस्या महिला पुलिसकर्मियों के सामने अधिक सहजता और निर्भयता से रख सकती हैं। डायल-100 और 112 सेवाओं को और मजबूत बनाते हुए तैयार की गई ये स्पंदन टीमें पीड़ितों को तत्काल सहायता के साथ मानसिक संबल भी प्रदान करेंगी। महिला या बाल सुरक्षा से संबंधित कोई भी आपात कॉल मिलने पर कंट्रोल रूम से संबंधित जोन की स्पंदन टीम को तुरंत सूचना भेजी जाएगी। टीम कुछ ही मिनटों में विशेष वाहन से मौके पर पहुंचेगी और स्थिति का आकलन कर पीड़ित को सुरक्षित करेगी। आवश्यकता पड़ने पर घायल को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया जाएगा।

घटना स्थल पर आरोपी मौजूद होने पर उसे तुरंत हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंपा जाएगा। साथ ही पीड़ितों को कानूनी अधिकारों की जानकारी देकर उनका मनोबल बढ़ाया जाएगा और जरूरत के अनुसार 'भरोसा' व 'सखी' केंद्रों के साथ समन्वय किया जाएगा। आपातकालीन कॉल न होने पर ये टीमें भीड़भाड़ वाले इलाकों और शिक्षण संस्थानों में महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएंगी।

हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के सात जोनों में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए कुल 14 स्पंदन टीमों का गठन किया गया है, जिनमें प्रत्येक दो डिवीजन पर एक टीम तैनात रहेगी। इन टीमों की खास बात यह है कि ड्राइवर सहित सभी सदस्य महिलाएं हैं। प्रत्येक टीम में एक महिला पुलिस ड्राइवर, एक सिविल महिला कांस्टेबल और एक एआर महिला कांस्टेबल शामिल हैं। ये टीमें दो शिफ्टों में कार्य करेंगी- सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 12 बजे तक।

सभी टीमें महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की डीसीपी के पर्यवेक्षण में काम करेंगी। इस परियोजना के तहत 56 महिला कर्मियों को कानूनी प्रावधानों, संचार कौशल, आत्मरक्षा, प्राथमिक उपचार और सीपीआर का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही 28 महिला कर्मियों को विशेष ड्राइविंग प्रशिक्षण देकर लाइसेंस भी जारी किए गए हैं।

प्रत्येक टीम को दिए गए विशेष पेट्रोलिंग वाहनों में रिफ्लेक्टिव जैकेट, ड्रैगन लाइट, आपात चिकित्सा किट, वीएचएफ वायरलेस सेट, टैबलेट और डिजिटल कैमरों जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर राज्य की मंत्री दनसरी अनसूया सीतक्का, राज्यसभा सदस्य वें नरेंद्र रेड्डी, अनिल कुमार यादव, डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास, तफसीर इकबाल, ज्वाइंट सीपी डी. जोएल डेविस, एन. श्वेता, महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी डॉ. लावण्या समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हैदराबाद सिटी पुलिस ने कहा कि 'स्पंदन' प्रणाली के माध्यम से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

क्षेत्रीय कार्यशाला आज

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय भूजल बोर्ड के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा मंगलवार को हैदराबाद में भूजल ड्रिलिंग आंकड़ों के मानकीकरण और ड्रिलिंग को राष्ट्रीय जल-भूवैज्ञानिक संपत्ति के रूप में स्थापित करने विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य भूजल विकास, ड्रिलिंग कार्यों और जल संसाधन प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पक्षों को एक मंच पर लाकर ड्रिलिंग आंकड़ों के मानकीकरण और उनके दीर्घकालिक महत्व पर विचार-विमर्श करना है।

राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम की धमकी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोमवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर उस समय हड़कंप मच गया जब अधिकारियों को एक ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ता तुरंत मौके पर पहुंचा और पूरे हवाई अड्डे की गहन जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा आधिकारिक ईमेल पर धमकी भेजी गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि हवाई अड्डे के सामान में बम रखा गया है और किसी भी समय विस्फोट हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई विस्तृत जांच के बाद कहीं भी कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। इसके बाद इसे अफवाह और शरारतपूर्ण कृत्य माना गया।

गांधी भवन में संगठनात्मक नियुक्तियों पर विशेष बैठकें

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं की नियुक्ति तथा मंडल समितियों के गठन को लेकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के आधार पर विशेष बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने की। बैठकों में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और राष्ट्रीय सचिव व सह प्रभारी सचिन सावंत भी उपस्थित रहे। नेताओं ने विभिन्न संसदीय क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा मंडल समितियों के गठन को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर आगामी चुनावों के लिए पार्टी को तैयार किया जा रहा है।

27 हजार शिक्षकों को टीईटी पास करना बाकी, दो विशेष परीक्षाओं का प्रस्ताव

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के लगभग 27,000 सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) पास करना अभी भी अनिवार्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष दो विशेष टीईटी परीक्षाएं आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। ये विशेष परीक्षाएं केवल सेवारत शिक्षकों के लिए होंगी और जून में निर्धारित सामान्य टीईटी परीक्षा के अतिरिक्त आयोजित की जाएंगी। विभाग ने इसके लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है। जून 2026 की टीईटी परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है और पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। यह परीक्षा 15 से 30 जून के बीच आयोजित की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, पांच वर्ष से अधिक सेवा वाले सभी शिक्षकों को दो वर्षों के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य है, अन्यथा उनकी सेवा पर असर पड़ सकता है। वहीं पांच वर्ष से कम सेवा वाले शिक्षकों के लिए पदोन्नति हेतु टीईटी अनिवार्य है।

राज्य में कुल लगभग 1.02 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से करीब 57,000 की नियुक्ति बिना टीईटी योग्यता के हुई थी। इनमें से अब तक लगभग 30,000 शिक्षक परीक्षा पास कर चुके हैं, जबकि करीब 27,000 शिक्षकों को अभी भी परीक्षा उत्तीर्ण करनी बाकी है। शिक्षक संघों ने इस नियम को लेकर चिंता जताई है और छूट की मांग की है। उन्होंने सरकार और केंद्र के समक्ष मांग रखते हुए नियमों में ढील देने का आग्रह किया है, साथ ही कुछ संगठनों ने प्रदर्शन भी किए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक योग्यता मानकों में किसी तरह की छूट देने का निर्णय नहीं लिया है।

साथ ही शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि टीईटी परीक्षा ऑफलाइन नहीं बल्कि केवल कंप्यूटर आधारित (ऑनलाइन) मोड में ही आयोजित की जाएगी। टीईटी परीक्षा में दो पेपर होते हैं–पेपर-1 कक्षा 1 से 5 तक के लिए और पेपर-2 कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों की पात्रता के लिए आयोजित किया जाता है।

खाद, कीटनाशक व बीज विक्रेताओं का बंद सफल

समस्याओं के समाधान की मांग

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय संगठनों के आह्वान पर तेलंगाना में खाद, कीटनाशक और बीज विक्रेताओं द्वारा सोमवार को आयोजित एक दिवसीय पूर्ण बंद सफल रहा।

यह बंद राज्य अध्यक्ष नागुरला वेंकटेश्वरलु के नेतृत्व में आयोजित किया गया। हैदराबाद एग्रीकल्चर इनपुट्स मर्चेंट्स एसोसिएशन के नेतृत्व में आयोजित इस बंद में राज्य के सभी जिलों, मंडलों और गांवों के विक्रेताओं ने स्वेच्छा से भाग लेकर अपना समर्थन जताया। इस दौरान खाद, कीटनाशक और बीज की सभी दुकानें पूरी तरह बंद रहीं।

विक्रेताओं ने अपनी प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए सरकार से त्वरित समाधान की मांग की। इनमें एफओएल से संबंधित समस्याएं, संबद्ध उत्पादों का मुद्दा, विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि, एचटी बीटी कपास, समाप्त अवधि वाले भंडार, नमूना संग्रह की प्रक्रिया तथा नए कानूनों में कठोर दंड जैसे विषय शामिल हैं। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बंद को समर्थन देने वाले किसानों और आम लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में और बड़े आंदोलन किए जाएंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष सिद्दी नागराजु, सचिव ए. चंद्रशेखर रेड्डी और कोषाध्यक्ष कापर्ति अशोक ने इस संबंध में संयुक्त रूप से जानकारी दी।

चलती बस में लगी आग

मेदक, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह मसाइपेट के पास एनएच-44 पर एक निजी ट्रैवल बस के इंजन में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई, जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस के अनुसार, बस को कुछ मरम्मत कार्य के लिए मेदक शहर लाया गया था। सोमवार सुबह चालक और सफाईकर्मी बस को हैदराबाद की ओर ले जा रहे थे, तभी अचानक तकनीकी खराबी के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, हालांकि चालक और सफाईकर्मी समय रहते बस से सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ओयू परिसर में 19 वर्षीय छात्र ने आत्मदाह का प्रयास किया, हालत गंभीर

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में सोमवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में एक 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने कथित तौर पर आत्मदाह कर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, खनन इंजीनियरिंग के छात्र विनेश ने विश्वविद्यालय परिसर में रेणुका येल्लम्मा मंदिर के पास खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही ओयू पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से झुलसे छात्र को तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, छात्र 70 प्रतिशत से अधिक जल चुका है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस को प्रारंभिक जांच में संदेह है कि यह कदम निजी संबंधों से जुड़ी समस्या के कारण उठाया गया हो सकता है। मौके से मिले कथित सुसाइड नोट में असफल प्रेम संबंध और भावनात्मक तनाव का उल्लेख है। नोट में छात्र ने लिखा है कि वह एक लड़की से प्रेम करता था, लेकिन उसके किसी अन्य व्यक्ति से संबंध बन जाने के बाद वह मानसिक रूप से टूट गया। उसने अपने माता-पिता से माफी भी मांगी है। छात्र की पहचान महबूबाबाद जिले के गोविंदपुर निवासी के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेलंगाना में 'बाल पंचायत' पहल शुरू

बच्चों को मिलेगा अपनी बात रखने का मंच

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के महिला सुरक्षा विंग ने राज्य में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने और सुरक्षा जागरूकता के लिए 'बाल पंचायत' पहल की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक चलाया जाएगा और महिला सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकें, समाधान सुझा सकें और अपने गांव के विकास में योगदान दे सकें। इसके जरिए बच्चों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। यह कार्यक्रम फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ गांवों में शुरू किया गया है।

इन गांवों में बाल पंचायत बनाई जाएगी, जहां बच्चे नियमित बैठक कर स्थानीय मुद्दों पर बात करेंगे और सुधार के लिए मिलकर काम करेंगे। बाल पंचायत के सदस्यों का चयन गांव के प्रधान और स्कूल के प्रधानाचार्य की मदद से किया जाएगा, जिसमें लड़के और लड़कियों दोनों को शामिल किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, इस पहल का मकसद ऐसे गांव बनाना है, जहां हर बच्चा सुरक्षित, खुश और अपनी बात रखने में सक्षम हो।

खम्मम में पिता और बेटी की संदिग्ध मौत

पत्नी और छोटी बेटी अस्पताल में भर्ती

खम्मम, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के बुरहानपुरम इलाके में एक व्यक्ति और उसकी बेटी अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए, जबकि पत्नी और एक अन्य बेटी बेहोशी की हालत में मिलीं। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, मृतक कनातला रामू (29) जिले के नेलाकोंडापल्ली मंडल के अनंतनगर निवासी थे और एक स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में पत्रकार के रूप में कार्यरत थे। वे अपनी पत्नी राम्या और दो बेटियों दिव्या नैनी (5) और दीक्षिता के साथ बुरहानपुरम में रह रहे थे। जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से परिवार के संपर्क में कठिनाई आ रही थी। रविवार रात जब राम्या के भाई ने घर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला और घर से दुर्गंध आने लगी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो एक कमरे में पलंग के नीचे रामू और उनकी बड़ी बेटी दिव्या नैनी मृत अवस्था में मिले। पत्नी राम्या और छोटी बेटी दीक्षिता बेहोशी की हालत में पाई गईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को आशंका है कि मौतें लगभग तीन दिन पुरानी हो सकती हैं क्योंकि शव सड़ने की स्थिति में थे। छोटी बेटी दीक्षिता के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे मामले में संदेह और गहरा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं से घटना की पड़ताल की जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, LIZA DAS, Legally Wedded Spouse of NK TUKUNA DAS, R/O: SCHOOL SAHI, BELAGOAN, BELAGAON, BHATAKU-MARADA, BELLAGAM, PURUSOTTAM-PUR, GANJAM, ODISHA - 761003,, have changed my name from LIZA DAS To LIZA KUMARI PANDA vide Affidavit dt.25-04-2026 AT Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गृह मंत्रालय भारत सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)

स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?

स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

- क्या स्व-गणना अनिवार्य है?
  नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा
- क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?
  यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है
- क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?
  हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है
- क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?
  हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है
- SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?
  सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा
- यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?
  पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है
- क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?
  हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा
- क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?
  नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है
- क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?
  हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

CBC 19108/13/0043/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

तीनों के सिर में मारी थी गोलियां

रिपोर्ट में ट्रिपल हत्याकांड की रूह कंपा देने वाली हकीकत

बुलंदशहर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बुलंदशहर के खुर्जा कोतवाली इलाके में हुए ट्रिपल मर्डर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने हत्याकांड की रूह कंपा देने वाली हकीकत बयां की है। हमलावरों ने मनीष, अमरदीप और आकाश की हत्या बेरहमी से की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, मृतक मनीष को कुल चार गोलियां लगी थीं। हमलावरों ने उसके सिर को निशाना बनाते हुए दो गोलियां सिर में उतारीं, जबकि एक गोली हाथ और एक जांघ पर लगी थी।

इतना ही नहीं, मनीष की छाती पर लाठी-डंडों से प्रहार के निशान भी मिले हैं, जो संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। वहीं, अमरदीप के शरीर से तीन गोलियां बरामद हुई हैं, जिनमें से दो उसके सिर में और एक छाती पर लगी थी। तीसरे मृतक आकाश की मौत का कारण भी सिर में लगी दो गोलियां बनीं। विशेषज्ञों का मानना है कि गोलियां बेहद करीब से मारी गई हैं, जिससे तीनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

चेहरे पर केक लगाने को लेकर विवाद, तीन की हत्या

बुलंदशहर के खुर्जा में जन्मदिन की पार्टी में चेहरे पर केक लगाने का विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और पूर्व भाजपा सभासद के दो भाइयों अमरदीप व मनीष और भतीजे आकाश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुलंदशहर के खुर्जा में जिम के अंदर सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों जिम संचालक रूपेश सैनी, मयंक सैनी व नरेश सैनी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। पूर्व भाजपा सभासद संजय सैनी ने बताया कि उनके चाचा सरूप सैनी का बेटा अमरदीप (35) सुभाष मार्ग स्थित आरजेएस फिटनेस जिम में जाता था। वहां उसकी दोस्ती जीतू सैनी से हो गई थी। जीतू का रविवार को जन्मदिन था, पर जिम में दोस्तों ने शनिवार रात को ही पार्टी रखी थी। इसमें 35-40 युवक मौजूद थे। करीब 11:30 बजे जीतू ने केक काटा। मस्ती-मजाक के दौरान केट कटने के बाद अमरदीप ने जीतू के चेहरे पर केक लगा दिया। इस पर जीतू और उसका दोस्त मयंक सैनी भड़क उठे। अमरदीप से बहस करने लगे। विवाद बढ़ा तो अमरदीप ने ताऊ के बेटे मनीष (32) व भतीजे आकाश (20) को फोन कर बुला लिया। इन दोनों का भी उनसे विवाद हुआ। मनीष ने झगड़े की सूचना बड़े भाई संजय सैनी को दी, तो उन्होंने वहां से निकलने के लिए कहा। संजय ने पुलिस को बताया कि कुछ देर बाद मयंक, उसका भाई रिंकू, जीतू, उसका भाई रवि सैनी, नरेश, भारत, मनीष, रुपेश, अनुज और सौरभ हथियारों के साथ जिम पहुंचे।

आरोप है कि इस दौरान जीतू व अन्य युवकों ने मनीष, अमरदीप व आकाश को पकड़ लिया और लाइसेंसी पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आकाश की पीठ पर गोली लगी। संजय घटनास्थल पर पहुंचे तो तीनों लहूलुहान पड़े थे और आरोपी फरार हो चुके थे। संजय की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कैलाश अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे 100 बेड वाले आधुनिक वृद्धाश्रम का उद्घाटन

वाराणसी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वाराणसी के रामनगर में निर्मित एक अत्याधुनिक वृद्धाश्रम का मंगलवार को उद्घाटन करेंगे। 100 बेड की क्षमता वाला यह वृद्धाश्रम बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक और सुविधापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस परियोजना का निर्माण एनसीएल द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत किया गया है। वाराणसी समाज कल्याण विभाग ने इसके संचालन का उत्तरदायित्व तारा संस्थान, उदयपुर को सौंपा है। उल्लेखनीय है कि तारा संस्थान पहले से ही प्रयागराज, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर (मुमुक्षु भवन) और उदयपुर में वृद्धाश्रमों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

एनडीए सरकार ने बिहार की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया : तेजस्वी

पटना, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार की एनडीए सरकार को निशाने पर लेते हुए सियासी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाओं के साथ एनडीए सरकार ने विश्वासघात किया है, सफेद झूठ बोलकर उनकी भावनाओं का दोहन कर करोड़ों महिलाओं के साथ दिनदहाड़े धोखेबाजी की है।

राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार का अंदेशा होते ही, चुनाव के दिन तक, बैंक खुलवाकर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए एनडीए सरकार ने महिलाओं और जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10 हजार रुपये भेजे। उन्हें लालच देकर, कड़ी चेतावनी और धमकी के साथ डरा कर कहा गया कि मतदान केंद्र में कैमरा लगा है; अगर अमुक पार्टी के अमुक निशान पर बटन नहीं दबाएंगे, तो आपके खाते में आए पैसे वसूलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रलोभन दिया गया कि चुनाव के बाद कहा गया कि छह महीने के अंदर शेष दूसरी किश्त को अविलंब महिलाओं के खाते में दो लाख रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने एक प्रेस बयान जारी कर आरोप लगाया कि छह महीने हो गए हैं और अब ये धोखेबाज़-दग़ाबाज़ नेता अपनी कुर्सी के खेल में लीन हैं। खजाना खाली है। वित्तीय स्थिति बदतर है। राजद नेता ने आगे कहा कि चुनाव के बाद पूर्व से इस योजना में पंजीकृत 18 लाख महिलाओं को न तो पहली किश्त के रुपये मिले और न ही 1 करोड़ 81 लाख जीविका दीदियों और महिलाओं को दूसरी किश्त मिली, जबकि चुनाव के समय वादा किया गया था कि इस योजना के तहत महिलाओं को दो लाख रुपये दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि केवल चुनावी लाभ लेने के लिए एनडीए ने बिहार की मातृशक्ति के साथ धोखेबाजी की है, उनके बाल-बच्चों के वर्तमान और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। युवाओं के सपनों का कत्ल किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों को जोखिम में डाल दिया है। बिहार में अराजक स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार जानती थी कि बिहार के पास सीमित संसाधन होने के बावजूद उधार लेकर चुनावों के अंतिम दिनों में वोट लूटने के लिए विभिन्न मदों में 41,000 करोड़ रुपए नगद बांटना आत्मघाती कदम है। लेकिन कुर्सी के लालची लोगों ने राज्यहित पर स्वार्थ को प्राथमिकता दी।

'मेरे साथ हमबिस्तर हो जाओ, बना देंगे उपाध्यक्ष'

भाजपा जिलाध्यक्ष पर महिला नेता ने जड़े गंभीर आरोप

महोबा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के महोबा जिले में भारतीय जनता पार्टी के संगठन में उस वक्त हलचल मच गई, जब पूर्व जिला मंत्री ने मौजूदा जिलाध्यक्ष पर पद का लालच देकर यौन शोषण का प्रयास करने का सनसनीखेज आरोप लगाया। इसको लेकर जिले की राजनीति से लेकर सत्ता के गलियारों तक हड़कंप मच गया है। महिला नेता के संगठन के पदाधिकारी पर ऐसा गंभीर आरोप लगने से पार्टी की जमकर किरकिरी हो रही है। ये आरोप लगाने से पहले दीपाली तिवारी भाजपा से इस्तीफा दे चुकी हैं।

भाजपा की पूर्व मंत्री दीपाली तिवारी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा पर सनसनीखेज आरोप लगाए। उन्होंने कहा- मैं लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रही हूं। मैंने जिलाध्यक्ष से खुद को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने की मांग की। इस पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि अगर वह उपाध्यक्ष बना दें तो बदले में क्या मिलेगा। इस पर दीपाली ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ न दे पाने की बात कही। जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा ने मुझसे कहा कि आप इशारों को समझिए। आपके पास मुझे देने के लिए बहुत कुछ है। मैंने कहा कि मैं ना इशारे में बात करती हूं और ना कोई इशारा समझती हूं। आप साफ और स्पष्ट शब्दों में अपनी बात कहिए।

'पंचायत चुनाव टिकट का भी दिया ऑफर'

दीपाली का दावा है कि जिलाध्यक्ष ने उनसे कहा कि एक बार मेरे साथ हम बिस्तर हो जाओ, तुमको जिला उपाध्यक्ष बना देंगे। जब उन्होंने मानने से इनकार किया तो जिलाध्यक्ष ने उनको जिला पंचायत चुनाव में पार्टी से टिकट दिलाने का ऑफर दिया। पूर्व भाजपा नेता की तरफ से लगाए गए सनसनीखेज आरोपों के बाद जिले भर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इस मामले को लेकर एनबीटी ऑनलाइन ने दीपाली तिवारी से बातचीत की। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा मामला था जिसको वह सार्वजनिक नहीं करना चाहती थीं। जब बात उनके परिवार, पति और बच्चों पर आ गई तो उन्हें उजागर करना पड़ा। दो-तीन दिन पहले उन्हें धमकी दी गई कि फेसबुक पर आना बंद कर दो नहीं तो तुम्हारे पति और परिवार को दुष्कर्म का केस लगवा जेल भिजवा देंगे।

जिलाध्यक्ष ने आरोपों को बताया निराधार

दूसरी ओर, अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों को जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा ने पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी लोगों को तो पद नहीं दिए जा सकते हैं। उनकी कॉल डिटेल चेक कर ली जाए। एसआईटी और अन्य जांच एजेंसियों से मामले की निष्पक्ष जांच करा ली जाए। वह केवल पार्टी हित में भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।

बंगाल में गरजे सीएम योगी : दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं, हिंदू त्योहारों पर पाबंदी

ममता पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले सियासी माहौल और गर्म हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुगली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर तीखे आरोप लगाए। सीएम योगी ने कहा कि बंगाल अब बदलाव चाहता है और टीएमसी की राजनीति तुष्टीकरण पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ को बढ़ावा दिया जा रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो चुकी है।

हिंदू त्योहारों पर रोक और तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप

योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में कहा 'बंगाल की डेमोक्रेसी को बदला जा रहा है। यहां जय श्री राम बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है, मां दुर्गा पूजा और मां दुर्गा पूजा विसर्जन की मूर्ति विसर्जन के शोभा यात्रा को प्रतिबंधित किया जाता है। लेकिन ममता दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं और इफ्तारी की दावत कराती हैं। कोई भी हिंदू पर्व-त्योहार होने पर कर्फ्यू रहता है, सरेआम हत्या होती है, लव और लैंड जिहाद की घटनाएं घटित हो रही हैं, लेकिन टीएमसी मौन है।' सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद टीएमसी में घबराहट है और अब जनता बदलाव के मूड में है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों के बाद बंगाल में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा।

ट्रक ने टेम्पो को मारी टक्कर, सड़क हादसे में 3 की मौत

जौनपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जौनपुर जिले में सोमवार सुबह एक बार फिर तेज रफ्तार ने कहर बरपा दिया, जहां मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के औद्योगिक इलाके सतहरिया के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने सवारियों से भरे टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर चीख-पुकार गूंज उठी। यह हादसा उस समय हुआ जब टेम्पो सतहरिया की तरफ से सवारियां लेकर मुंगराबादशाहपुर की ओर जा रहा था।

दो अफसरों की हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई

मुख्य आरोपी अजय प्रताप पर लगा रासुका

बदायूं, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बदायूं जिले के चर्चित दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अंकिता शर्मा की रिपोर्ट के आधार पर इस कार्रवाई को मंजूरी दी। बीते 12 मार्च को प्लांट के दो अफसरों की हत्या के इस मामले में पांच आरोपी इस समय जेल में है।

यह घटना 12 मार्च 2026 को हुई थी। अजय प्रताप सिंह ने मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी गांव स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के बायोगैस प्लांट में घुसकर दो वरिष्ठ अधिकारी सुधार गुप्ता और हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से अजय प्रताप सिंह घायल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में भी केस दर्ज किया है।

जांच में सामने आया कि यह वारदात एक आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा थी। इस मामले में मुनेंद्र विक्रम सिंह, धर्मेंद्र, अभय प्रताप सिंह उर्फ कल्लू और केशव उर्फ मिचकू सहित चार अन्य सह-आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें अवैध कब्जे और हिंसक घटनाएं शामिल हैं। प्रशासन ने उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों को समाज के लिए खतरा माना है।

कातिल बनी भीड़ : बाइक सवार को बिजली के पोल से बांधा, फिर पीट-पीटकर मार डाला

टक्कर लगने से हुई थी बच्चे की मौत; दो एफआईआर

कटिहार, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कटिहार के सुधानी थाना क्षेत्र के रहमानपुर गांव में भीड़ तंत्र का भयावह चेहरा सामने आया है। एक सड़क हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने कानून को हाथ में लेते हुए एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल की चपेट में आने से 15 वर्षीय मोहम्मद खुसरो की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर फैलते ही गांव में गुस्सा भड़क उठा और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

बाइक सवार को पकड़कर की गई पिटाई

जानकारी के अनुसार, भीड़ ने बाइक सवार मोहम्मद सकरुद्दीन को पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने उसे बिजली के पोल से बांध दिया और उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद मोहम्मद सकरुद्दीन की भी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

हादसे में मौत के बाद भीड़ ने ली जान

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना दोबारा न हो।

दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज

कटिहार एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि इस मामले में सुधानी थाना में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि हादसे में एक बच्चे की मौत हुई थी, जिसके बाद भीड़ ने आरोपी बाइक चालक की पिटाई कर हत्या कर दी।

जांच में जुटी पुलिस

एसपी के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और बारसोई अनुमंडल के डीएसपी खुद मौके पर कैंप कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

अखिलेश ने योगी सरकार पर साधा निशाना

प्रदेश में कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजीपुर में एक नाबालिग लड़की की मौत मामले पर कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब है और कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़िता के परिजनों को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाएगी। वहीं, महिलाओं को राजनीति में 33 फीसदी आरक्षण देने के मामले पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने का बिल तो संसद में कबका पास हो चुका है। सरकार को तत्काल इसे लागू कर देना चाहिए लेकिन मोदी सरकार खुद महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती है। गाजीपुर मामले पर यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा था कि सपा के लोग माहौल खराब करने के लिए गाजीपुर जा रहे हैं। वहां पर सपा के 15 लोगों को जाने की अनुमति दी गई थी पर 250 लोग पहुंच गए। वहीं, कांग्रेस का भी एक प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर जाएगा और मामले की रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेगा।

दरिंदगी के विरोध पर किशोरों ने की हत्या, फिर टांग दिया युवती का शव

प्रतापगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ के मानिकपुर इलाके में सामूहिक दुष्कर्म का विरोध करने पर 17 वर्षीय दो किशोरों ने युवती (18) की मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसे घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर बाग में ले गए और गले में फंदा लगाकर पेड़ से लटका दिया। मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है, दूसरे की तलाश जारी है। रविवार भोर करीब साढ़े चार बजे परिजनों ने युवती का शव आम के बाग में पेड़ पर लटके देखा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। नवाबगंज, कुंडा और मानिकपुर थाने की फोर्स के साथ एसपी दीपक भूकर मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए।

जांच-पड़ताल के दौरान पीड़ित परिजन एक पड़ोसी महिला पर भी वारदात में शामिल होने का आरोप लगा रहे थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की और दूसरे पहर उसे गांव से पकड़ लिया, जिसने पुलिस को बताया कि युवती से उसकी दोस्ती थी। शनिवार की रात में उसे घर से 450 मीटर दूर स्थित खेत की तरफ बुलाया था। साथ में दोस्त भी मौजूद था। पहले उसने दुष्कर्म किया। बाद में दोस्त के साथ भी संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। विरोध करने पर भी दुष्कर्म किया। युवती के शोर मचाने पर उसने दोस्त के साथ मिलकर उसे जमीन पर गिरा दिया। दोनों ने मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खेत में बने धार्मिक स्थल पर लगे झंडे से गला कसकर घसीटते हुए 50 मीटर घर की तरफ स्थित आम के बाग में ले गए और पेड़ पर फंदे से लटका कर भाग निकले।

शरीर पर चोट के निशान, विसरा सुरक्षित

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत युवती के शरीर पर जगह-जगह चोट और दांत व नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। रिपोर्ट में प्राथमिक रूप से सामूहिक दुष्कर्म की भी पुष्टि हुई है। आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित कर लिया गया है।

बाहर निकलने पर भाभी ने लगाई थी डांट

पुलिस के अनुसार, शनिवार की रात करीब 11 बजे युवती दोस्त से मिलने के लिए निकली। घर के बाहर बने शौचालय की तरफ बढ़ी। वहां पहले से मौजूद उसकी भाभी ने उसे डांटकर घर के अंदर भेज दिया। रात करीब 12 बजे वह मौका पाकर खेत की तरफ चली गई।

पिता के मोबाइल फोन से खुला राज

घटना के बाद पुलिस ने परिजनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए थे। पिता के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल से किशोर को चिह्नित कर लिया। युवती ने रात 9:15 से 10:47 बजे के बीच करीब दस बार फोन पर बात की थी। आरोपी किशोर को चिह्नित कर हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ की जा रही है। दोनों में नजदीकी संबंध था। किशोर के दोस्त की तलाश की जा रही है। पिता की तहरीर पर पहले अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी, अब नामजद होगी। दीपक भूकर, एसपी

रात के सन्नाटे को चीर नहीं पाई बेबस की चीख

युवती के साथ दरिंदगी की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। खेत में उठी पीड़िता की चीख रात के सन्नाटे को चीर नहीं पाई। मौत के चंगुल में फंसी बेबस युवती मदद की गुहार लगाती रही लेकिन कोई अपना नहीं दिखा। परिजनों ने बेटी की पढ़ाई को लेकर तरह-तरह के सपने संजोए थे। बहन को किसी बात की तकलीफ न हो, इसके लिए चारों भाई हर इच्छा को पूरा करते थे। इंटर की पढ़ाई के बाद बहन ने भाइयों से बीएससी में दाखिला कराने को कहा था। शनिवार को भाइयों ने पास के महाविद्यालय में प्रवेश दिलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन रविवार की भोर दरिंदगी का शिकार हो गई।

पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने पर मंत्री राजभर ने दिया बड़ा बयान

चुनाव को लेकर भी की टिप्पणी

सुल्तानपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के पंचायती राज मंत्री और सुल्तानपुर जिले के प्रभारी ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिले में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। समय पर चुनाव नहीं हो पाने के आसार पर उन्होंने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे या फिर पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद जिले में पहुंचे पंचायती राज मंत्री सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया से बात कर रहे थे। इसके बाद वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन व कांग्रेस और सपा के खिलाफ आयोजित रैली में हिस्सा लेंगे।

विपक्ष ने महिलाओं को आरक्षण देने में लगाया अड़ंगा

राजभर ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना परिसीमन करके महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की थी पर विपक्ष ने इसमें अड़ंगा लगा दिया। सपा-कांग्रेस की मंशा ही नहीं है कि देश की महिलाओं को अधिकार मिले। देश की आबादी जब 68 करोड़ थी तो उसके अनुसार लोकसभा में 545 सीटों का निर्धारण किया गया। 2011 को हुई जनगणना के अनुसार, सीटों की संख्या 815 होनी चाहिए पर विपक्ष ने सरकार का साथ नहीं दिया जिससे बिल लोकसभा में गिर गया। विपक्ष नहीं चाहता कि राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। कांग्रेस ने 30 साल से इस बिल को लटका कर रखा है अब जब मोदी सरकार इस पर कार्रवाई कर रही है तो विपक्ष अड़ंगा डाल रहा है।

गुटका बेचते-बेचते बना दाऊद का गुर्गा

सलीम की गिरफ्तारी से आईएसआई की कमाई पर चोट > भारत लाने की ताक में एजेंसियां

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को बीते दिनों तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया। ये गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क पर एक बड़े हमले के तौर पर है, जिसने पूरे ड्रग सिंडिकेट की नींव हिला दी है। करीब 5,000 करोड़ के नशे के साम्राज्य को चलाने वाला यह नेटवर्क न सिर्फ भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर जहर फैलाने का आरोप झेल रहा था। यह गिरफ्तारी भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम सिंडिकेट और उससे जुड़े आतंकी फंडिंग तंत्र पर करारा प्रहार मानी जा रही है, जिससे अब काले धन और नशे के साम्राज्य की जड़ें हिल गई हैं।

सूचना के अनुसार, लगभग 5,000 करोड़ रुपये के ड्रग कारोबार को चलाने वाले डोला को तुर्किये में एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया। यह कार्रवाई वहां की खुफिया एजेंसी और पुलिस ने मिलकर की। अब भारत सरकार उसे देश लाने की तैयारी में जुट गई है। बड़ी बात ये है कि ये गिरफ्तारी केवल ड्रग सिंडिकेट पर हमला नहीं, बल्कि आतंकी संगठन आईएसआई की फंडिंग तंत्र पर भी हमला है। कैसे आइए समझते हैं।

पहले समझिए भारत लाने की तैयारी कैसी?

बता दें कि गिरफ्तारी के बाद भारतीय एजेंसियां पहले उसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के जरिए भारत लाने की कोशिश करेंगी, क्योंकि डोला के पास यूएई पासपोर्ट बताया जा रहा है। भारत का तुर्किये के साथ प्रत्यर्पण समझौता नहीं है, इसलिए यह रास्ता अपनाया जा रहा है। डोला को इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर पकड़ा गया है, जो केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध पर जारी हुई थी। वह मुंबई पुलिस के कई ड्रग मामलों में वांछित था।

आतंकी संगठन के फंडिग पर बड़ा हमला

दूसरी ओर अधिकारियों के मुताबिक, डोला की गिरफ्तारी से ड्रग और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क को बड़ा नुकसान हुआ है। यह नेटवर्क भारत में मुंबई, गुजरात और दिल्ली तक फैला हुआ था। खुफिया सूत्रों का कहना है कि यह गिरोह नशे के कारोबार से कमाए पैसे का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों में भी करता था। इसी नेटवर्क के जरिए पैसे आतंकी संगठन (आईएसआई) और अन्य संगठनों तक पहुंचते थे।

पहले भी हो चुकी हैं गिरफ्तारियां

हालांकि ये पहली बार नहीं है, इससे पहले पिछले साल डोला के बेटे ताहिर डोला को यूएई में पकड़ा गया था और बाद में उसे भारत लाया गया। इसके अलावा उसके करीबी साथी सलीम शेख को भी दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि ड्रग नेटवर्क सिर्फ नशे का कारोबार नहीं है, बल्कि यह आतंकवाद की फंडिंग का बड़ा स्रोत भी है। पाकिस्तान और म्यांमार से चल रहे कई नेटवर्क आतंकवादी और उग्रवादी समूहों को पैसा पहुंचाते हैं।

डोला का बैकग्राउंड कैसे है?

गौरतलब है कि सलीम डोला का जन्म 1966 में मुंबई में हुआ था। वह बचपन से ही अंडरवर्ल्ड से जुड़ गया था और धीरे-धीरे ड्रग कारोबार में बड़ा नाम बन गया। वह पहले गुटखा और गांजा सप्लाई करता था, बाद में उसने सिंथेटिक ड्रग्स का बड़ा नेटवर्क खड़ा किया। कई बार गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह विदेश भाग गया और वहीं से अपना नेटवर्क चलाता रहा। ऐसे में अब भारतीय एजेंसियां उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क, ड्रग उत्पादन केंद्रों और विदेशी कनेक्शन की जानकारी जुटाने की कोशिश करेंगी। माना जा रहा है कि इससे पूरा अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट कमजोर हो सकता है। कुल मिलाकर, यह गिरफ्तारी भारत के खिलाफ चल रहे नशा और आतंकी फंडिंग नेटवर्क पर एक बड़ा प्रहार मानी जा रही है।

लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शेख अफरीदी ढेर

अज्ञात बंदूकधारियों ने खैबर पख्तूनख्वा में की हत्या

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शेख यूनुस अफरीदी मारा गया। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात बंदूकधारियों ने हाफिज सईद के खास को मार गिराया। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमलावरों ने शेख को एकदम करीब से कई गोलियां मारीं, जिससे उसके बचने की संभावना खत्म हो गई। शेख अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आंतकी संगठन का खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में एक अहम सदस्य था।

जांचकर्ताओं का मानना है कि यह घटना लक्षित हमले का परिणाम है। यह हत्या पाकिस्तान में पिछले कुछ महीनों में हाई-प्रोफाइल आतंकियों पर हुए इसी तरह के हमलों की कड़ी में एक और घटना है। पिछले महीने, पाकिस्तान के लाहौर में एक अज्ञात बंदूकधारी ने वांछित आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्यों में शामिल आमिर हमजा को एक टीवी स्टेशन के बाहर निशाना बनाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 67 वर्षीय हमजा इस हमले में बच गया था। इससे पहले, जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर के बड़े भाई मोहम्मद ताहिर अनवर की पाकिस्तान में कथित तौर पर रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी। अनवर जैश-ए-मोहम्मद में अहम भूमिका निभाते थे और संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे।

पिछले साल मार्च में, लश्कर-ए-तैयबा का एक शीर्ष आतंकी अबू कताल उर्फ कताल सिंधी भी पाकिस्तान के झेलम (सिंध) में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा मार गिराया गया था। वह 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी सहयोगी था। कताल पर 2024 में जम्मू-कश्मीर के रियासी हमले का मास्टरमाइंड होने का आरोप था, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई थी और 33 अन्य घायल हुए थे। ऐसी हत्याओं का यह पैटर्न 2023 से पाकिस्तान में लगातार देखने को मिल रहा है, जब सात महीनों के भीतर सात आतंकियों को खत्म किया गया था। वहीं, 2026 में ही लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों से जुड़े कम से कम 30 आतंकियों को लाहौर, कराची और अन्य क्षेत्रों में अज्ञात बंदूकधारियों ने निशाना बनाया है।

प्रो. गोबर्धन दास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले

नीति आयोग के नए सदस्य के बारे में की बात

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को प्रोफेसर गोबर्धन दास से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उनका व्यक्तिगत जीवन बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे कहा कि उनका समृद्ध कार्य और विद्वत्ता नीति निर्माण की संरचना को समृद्ध करेगी।

व्यक्तिगत जीवन बेहद प्रेरणादायक प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आज सुबह प्रो. गोबरधन दास जी से मुलाकात हुई। उनका व्यक्तिगत जीवन बेहद प्रेरणादायक है। उनके सामने आने वाले हर संघर्ष ने समाज की सेवा करने और उसे कष्टों से मुक्त करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। यह उनके जन स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा विज्ञान के क्षेत्र में किए गए योगदान में स्पष्ट रूप से झलकता है। उनका समृद्ध कार्य और विद्वत्ता हमारी नीति निर्माण संरचना को समृद्ध करेगी।' 25 अप्रैल को, नीति आयोग के नव नियुक्त सदस्य गोबरधन दास ने राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय पुनरुद्धार के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की थी। इसमें उन्होंने 2047 तक एक विकसित भारत के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया था।

हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का संकल्प

अपनी नियुक्ति के बाद आईएएनएस से बात करते हुए दास ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्होंने देश के प्रमुख नीतिगत विचार-मंथन संस्थान में उन्हें यह भूमिका सौंपी है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति न केवल उनके लिए बल्कि पूरे बंगाली समुदाय के लिए सम्मान की बात है और उन्होंने देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। दास के भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनके गृह राज्य पश्चिम बंगाल पर केंद्रित था। श्री अरबिंदो, रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चटर्जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और प्रसिद्ध वैज्ञानिक मेघनाद साहा जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों की विरासत का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल महान विचारकों और दूरदर्शी लोगों की भूमि है, जिसे अक्सर सोनार बांग्ला कहा जाता है।

डिप्रेशन में आए अधिवक्ता ने कार में खुद को गोली से उड़ाया

मौके से मिला सुसाइड नोट

नैनीताल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नैनीताल शहर के क्लेल्ट्रेट पार्किंग क्षेत्र में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक कार के अंदर अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी का शव संदिग्ध अवस्था में मिला।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अधिवक्ता ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि कार पार्किंग में खड़ी थी और गोली की आवाज पर लोगों ने देखा तो उस पर पड़ी। तब तक सिर पर गोली लग चुकी थी। पार्किंग संचालक ने इसकी सूचना अधिवक्ताओं व पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार के सीसे देखा तो अंदर अधिवक्ता का शव मिला। घटनास्थल से शव के हाथ मे पिस्टल व कार के आगे डेसबोड में एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि वह अपनी बीमारी से बहुत परेशान है।

अस्पतालों ने इलाज से क्यों किया इनकार?

सीजेआई सूर्यकांत ने पूछे सवाल, पीड़ित महिला वकील के पत्र पर लिया संज्ञान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में महिला अधिवक्ता पर कथित बर्बर हमले के मामले का सोमवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को कई सख्त निर्देश दिए। अदालत ने मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने का आदेश दिया और कहा कि जांच अधिकारी महिला अधिकारी हो तो बेहतर होगा, जो एसीपी या डीसीपी रैंक की हो।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग वाला पत्र मिला था, जिसके बाद स्वतः संज्ञान लिया गया।

आरोपी पति गिरफ्तार

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पीड़िता के पति, जो हमले का मुख्य आरोपी है, को 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी मनोज कुमार, जो सोनिया विहार का निवासी है, जिसे रविवार को खजूरी खास इलाके से पकड़ा गया। आरोप है कि उसने 22 अप्रैल को अपनी 38 वर्षीय पत्नी पर चाकू से हमला किया। पूछताछ में उसने पारिवारिक विवाद के चलते वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक गंभीर पहलू पर भी चिंता जताई। अदालत ने दिल्ली को निर्देश दिया कि यह जांच की जाए कि घायल महिला को तीन अलग-अलग अस्पतालों ने भर्ती करने से कथित रूप से इनकार क्यों किया। अदालत ने कहा कि अगर गंभीर हालत में किसी पीड़ित को समय पर इलाज नहीं मिलता है, तो यह बेहद चिंताजनक विषय है और इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

बच्चों के बारे में भी निर्देश

पीठ ने शिकायत में लगाए गए उस आरोप पर भी संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया कि पीड़िता के ससुराल पक्ष दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गया है और उनका पता नहीं चल पा रहा। अदालत ने पुलिस को दोनों बच्चों का तत्काल पता लगाने का निर्देश दिया।

स्टेटस रिपोर्ट मांगी

शीर्ष अदालत ने जांच अधिकारी को मामले की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश करने का आदेश दिया है। फिलहाल पुलिस घरेलू विवाद समेत सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

भ्रष्टाचार के घेरे में सस्पेंड हरचरण सिंह भुल्लर के 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

मनी लॉनड्रिंग की जांच तेज

चंडीगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके चंडीगढ़ स्थित आवास समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉनड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलओ), 2002 के तहत की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ईडी ने भुल्लर और उनसे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ चल रही जांच के सिलसिले में कुल 11 स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। इनमें चंडीगढ़ में 2, लुधियाना में 5, पटियाला में 2, नाभा में 1 और जालंधर में 1 स्थान शामिल हैं। यह छापेमारी आरोपियों, उनके सहयोगियों और संदिग्ध

बेनामीदारों से जुड़े ठिकानों पर की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस व्यापक कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाना, बेनामी संपत्तियों की पहचान करना और मनी लॉनड्रिंग से जुड़े ठोस सबूत इकट्ठा करना है। ईडी की टीमें दस्तावेजों, वित्तीय लेनदेन और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही हैं।

यह कार्रवाई केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और एसीबी, चंडीगढ़ द्वारा दर्ज मूल आपराधिक मामलों (प्रेडिकेट ऑफेंस) के आधार पर की जा रही है। इन मामलों में आरोप है कि एक आपराधिक केस को निपटाने के लिए बिचौलिए के जरिए अवैध रिश्वत की मांग की गई थी। इसके अलावा, जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के पास आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति हो सकती है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 17 के तहत यह तलाशी अभियान चलाया है, जिसके तहत आरोपी, उनके सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों के परिसरों की तलाशी ली जा सकती है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने पीएम मोदी को भेजा शादी का निमंत्रण पत्र

प्रधानमंत्री के जवाब ने भावुक कर दिया

बंगलूरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक युवक ने अपनी शादी का निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा। जिस पर प्रधानमंत्री ने जवाब देते हुए युवक को चिट्ठी लिखी और नवदंपति को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री के जवाब से युवक भावुक हो गया है और उसने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इसके बाद लोग प्रधानमंत्री के इस विनम्र व्यवहार की तारीफ कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला कर्नाटक के रायचूर जिले के कनिहाला गांव निवासी राजेश नायक ने बीती 13 अप्रैल को सविता के साथ शादी की। व्यक्तिगत इच्छा के चलते राजेश नायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी शादी में आमंत्रित करने का निर्णय लिया और डाक के जरिए निमंत्रण पत्र भेजा। 16 अप्रैल को राजेश नायक को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित पत्र हासिल हुआ। 16 अप्रैल को लिखे अपने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'श्री रमेश नायक जी, मुझे अपने विवाह में आमंत्रित करने के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद। जीवन के इस शुभ चरण में प्रवेश करते समय आप और सविता को उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।'

पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद के सफाए की डेडलाइन 2029

एलडब्ल्यूई मिटाने के बाद मुहिम मणिपुर से शुरू

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देश से वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को मिटाने का एलान कर चुकी है। इसके बाद उसने पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद की समस्या को जड़ से खत्म करने की ठानी है। सबसे बड़ी बात ये है कि इसके लिए पहला फोकस मणिपुर है, जो पिछले तीन साल से जातीय हिंसा उलझा हुआ है।

केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद के खात्मे के लिए 2029 की डेडलाइन तय की है। हिंदुस्तान टाइम्स ने इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के हवाले से ये रिपोर्ट दी है।

केंद्र की योजना ये है कि जो सुरक्षा बल अबतक नक्सल और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात थे, उन्हें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड जैसे उग्रवाद प्रभावित राज्यों में भेजा जाए। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को पूर्वोत्तर के राज्यों में तैनाती पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और अमरनाथ यात्रा के बाद शुरू होगी। बंगाल में 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान है और जुलाई-अगस्त में अमरनाथ यात्रा होनी है। वैसे इस बार बंगाल में मतदान के बाद भी चुनाव के बाद की हिंसा रोकने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी कुछ समय तक बनी रहने वाली है। मतलब, 2026 के मध्य से केंद्रीय सुरक्षा बलों की चुनिंदा यूनिट को पूर्वोत्तर के राज्यों में शिफ्ट किए जाने की संभावना है। उत्तर पूर्व के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में शुरू में सीआरपीएफ की कोबरा फोर्स की तैनाती की संभावना है, जो माओवाद की समस्या से निपटने के लिए बनी थी और इन्हें गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित किया गया है। जानकारी ये भी है कि वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों से भी जो केंद्रीय बल हटाए जाएंगे, वह अचानक से नहीं, बल्कि धीरे-धीरे हटाए जाएंगे। रिपोर्ट में मणिपुर के अधिकारियों ने नई एंटी-माइंस व्हीकल की पहली खेप पहुंच जाने की भी पुष्टि की है। इनका इस्तेमाल सभी तरह के संवेदनशील क्षेत्रों में किया जाएगा। भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में कुल 16 उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं। इनमें सबसे ज्यादा 8 उग्रवादी समूह मणिपुर में सक्रिय हैं, जो पिछले तीन वर्षों से जातीय हिंसा की चपेट में है।

भारतीय पासपोर्ट कैसे हासिल कर लेते हैं बांग्लादेशी घुसपैठिए?

भारत की इमेज को पहुंच सकता है नुकसान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब भारत में घुसपैठ करने वाला कोई भी बांग्लादेशी नागरिक यहां फर्जी डॉक्यूमेंट बनवाकर उसके जरिए नकली पासपोर्ट तक बनवा लेता है। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसियोंको इसे लेकर एक बड़ी मुहिम चलाने की जरूरत है, ताकी ऐसे घुसपैठियों को रोका जा सके।

विदेश मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि साल 2024 तक भारत में 9.26 करोड़ पासपोर्ट जारी हुए थे। 2026 तक लगभग 10 करोड़ लोगों के पास पासपोर्ट होने का आकलन है, यानी भारत की लगभग 6-7% आबादी के पास ही पासपोर्ट हैं। अब इनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों ने फर्जी कागजों के सहारे कितने पासपोर्ट हासिल किए हैं इसकी गहराई से जांच की जानी चाहिए।

भारतीय पासपोर्ट पर यूरोप में घुसपैठिए

पासपोर्ट एक ऐसा दस्तावेज है, जो विदेश में भारतीय होने की पहचान है। ऐसे में, अगर कोई घुसपैठिया फर्जी डॉक्युमेंट की मदद से भारत का पासपोर्ट हासिल कर लेता है, तो यह न सिर्फ एक गंभीर अपराध है, बल्कि इससे दूसरे देश में भारत की छवि भी प्रभावित होती है। मसलन, अगर कोई घुसपैठिया भारतीय पासपोर्ट पर 'ओवरस्टे' करता है या वहां किसी गंभीर अपराध को अंजाम देता है तो उसे भारतीय ही समझा जाएगा। इसके अलावा, दूसरे देशों में भारतीय नागरिकों को वीजा देने का कोटा तय है। यदि कोई बांग्लादेशी भारतीय पासपोर्ट पर यूरोप, अमेरिका घूम रहा है, तो वह उस देश में किसी भारतीय के वीजा कोटे में भी सेंध लगा रहा होता है।

पश्चिम बंगाल में गिरोह दशकों से सक्रिय

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से फर्जी डॉक्युमेंट के जरिए बांग्लादेशी घुसपैठिए भारतीय पासपोर्ट हासिल कर विदेश जाते हैं। 2018 से 2023 के बीच ऐसे 3,000 बांग्लादेशी घुसपैठिए भारतीय पासपोर्ट पर यूरोप पहुंच गए। बांग्लादेशियों को यूरोपीय देशों का वीजा आसानी से नहीं मिलता, इसलिए वे फर्जी रैकेट के जरिए जाली डॉक्युमेंट से भारतीय पासपोर्ट हासिल कर यूरोप की यात्रा करते हैं। बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में ऐसे गिरोह दशकों से सक्रिय रहे हैं। मालदा जिले में पासपोर्ट आवेदनों की संख्या असामान्य रूप से अधिक रही है। 2023 में सिर्फ मालदा में 14,000 पासपोर्ट बने थे। कुछ लोगों के सभी पहचान पत्र एक साथ बने। मतदाता पहचान पत्र, आधार, पैन कार्ड बनाने के तुरंत बाद उन्हें पासपोर्ट भी मिल गया।

बिना संरक्षण के कैसे चल रहा इकोसिस्टम

कोलकाता के मटियाबुर्ज और गार्डन रीच जैसे इलाकों में फर्जी प्रमाण पत्र आसानी से बन जाते हैं। इनके सहारे राशन कार्ड बनवाए गए, फिर इसी के आधार पर मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने से लेकर पासपोर्ट तक बनवा लिया गया। साल 1996 में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ए.के. भट्टाचार्य ने स्वयं 16,000 संदिग्ध पासपोर्ट आवेदनों की जांच की। फिर उन्होंने आवेदकों के स्थायी और वर्तमान पते पर चिट्ठी भेजी, तो वहां कोई नहीं मिला। ऐसे में सवाल है कि क्या बगैर राजनीतिक संरक्षण के यह इकोसिस्टम चल सकता है?

आते हैं, लेकिन लौटते ही नहीं

पश्चिम बंगाल में तो 1984 से ही बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारतीय पासपोर्ट बनवाने की खबरें आती रही हैं। मई, 1984 में एक राष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य की खुफिया शाखा को पता था कि फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता कलीमुद्दीन शम्स ने अपने रसूख से बांग्लादेश से आए अवैध बिहारी मुस्लिम घुसपैठियों को पासपोर्ट दिलवाकर उन्हें भारत में बसाया था। 1977-1984 के बीच पासपोर्ट अधिकारियों ने कलीमुद्दीन के हस्ताक्षर वाले 300 आवेदन खारिज कर दिए, क्योंकि शक था कि वे विदेशी नागरिक हो सकते हैं। मोहम्मद हाकिम और जू मोहम्मद अफगान नागरिक निकले। कलीमुद्दीन ने उन्हें भारतीय बताया था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 अप्रैल - 2026

अमेरिका खुद असुरक्षित

अमेरिका में आयोजित एक रात्रि-भोज कार्यक्रम के दौरान गोलीबारी की घटना ने विश्व की सबसे शक्तिशाली व्यवस्था की सुरक्षा पर ही गंभीर सवाल खडा कर दिया है। अमेरिका को आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया तंत्र और तकनीकी दक्षता के कारण दुनिया में नंबर वन माना जाता है, उसी देश के राष्ट्रपति के आसपास गोलीबारी होना न केवल चौंकाने वाला है बल्कि चिंताजनक भी है। यह घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी प्रहार है, जिस पर अमेरिका अब तक इतराता फिर रहा था। सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर ऐसी चूक कैसे संभव हुई? क्या यह केवल सुरक्षा व्यवस्था की तकनीकी विफलता थी या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है? अमेरिका लंबे समय से खुद को वैश्विक सुरक्षा का संरक्षक बताता रहा है। वह दुनिया के अनेक देशों को सुरक्षा देने का दावा करता है और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाता है। ऐसे में उसके अपने ही शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा में सेंध लगना उसकी विश्वसनीयता की जडों को हिला देता है। यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह व्हाइट हाउस के बेहद निकट घटित हुई। आमतौर पर इस क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सख्त और बहुस्तरीय मानी जाती है। इसके बावजूद एक व्यक्ति का हथियार के साथ उस क्षेत्र तक पहुंच जाना सुरक्षा एजेंसियों की तैयारी पर प्रश्न खड़े करता है। इससे यह संकेत मिलता है कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को भी समय-समय पर अपनी रणनीतियों की समीक्षा करते रहने की आवश्यकता है। इस घटना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। जिन देशों को अमेरिका सुरक्षा सहयोग और सैन्य सहायता प्रदान करता है, वे भी अब यह सोचने पर मजबूर होंगे कि यदि अमेरिका अपने शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है तो वह दूसरों की सुरक्षा का भरोसा किस आधार पर देता है। यह स्थिति अमेरिका की वैश्विक छवि के लिए चुनौतीपूर्ण है। घटना के बाद राष्ट्रपति की सुरक्षा टीम में बदलाव और कई अधिकारियों को हटाया जाना इस बात का संकेत है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। फिर भी केवल अधिकारियों को हटाना समाधान नहीं है। आवश्यक यह है कि सुरक्षा तंत्र की संरचना, कार्यप्रणाली और खुफिया समन्वय की व्यापक समीक्षा की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस संदर्भ में अमेरिका की विदेश नीति भी चर्चा के केंद्र में आ जाती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने अनेक अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में सक्रिय भूमिका निभाई है। कई देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। ऐसे माहौल में शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा और अधिक संवेदनशील विषय बन जाती है। इसलिए अमेरिका को अपनी आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ अपनी वैश्विक रणनीतियों का भी संतुलित पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि अमेरिका केवल शक्ति प्रदर्शन के बजाय जिम्मेदार नेतृत्व का परिचय दे। दुनिया को सुरक्षा का संदेश देने से पहले उसे अपने घर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना होगा। यदि वह वास्तव में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाना चाहता है, तो उसे यह साबित करना होगा कि उसकी सुरक्षा व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहतरीन है। यही कदम अमेरिका को एक सशक्त तथा भरोसेमंद राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

रस्सी जल गई पर बल नहीं गया !

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति में अरविंद केजरीवाल पिछले कुछ समय से महत्वपूर्ण चेहरा माने जा रहे थे । दिल्ली से राजनैतिक सफर की शुरुआत करने वाले अरविंद केजरीवाल ने बहुत कम समय में राजनैतिक गलियारों में अपना नाम अंकित करवाया तथा अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का भी दर्जा दिलवाया, परंतु दिल्ली में संपन्न हुए चुनाव में केजरीवाल को पराजय का सामना करना पड़ा था । पिछले काफी समय से अरविंद केजरीवाल को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा दिल्ली में हार से सभी लोग उनके राजनैतिक भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगता रहा हैं। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटके ऐसे लगे है जब उनके भविष्य के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे है। सबसे बद्दा झटका तब लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल समेत एएपी के 7 राज्यसभा सांसदों ने पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया है। उधर कोर्ट में उन पर शराब घोटाले का केस भी चल रहा है । पर कहते है न कि रस्सी जल जाती है पर बट नहीं जाता वैसे ही दिल्ली के पूर्व सीएम और आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल का बट नहीं जा रहा है ।आज भी वो प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे है । सोमवार को एक सभा में उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है।केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्च के दौरान दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे।

देखने वाली बात यह है कि सोशल मीडिया पर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो पंजाब के होशियारपुर का है। इस वीडियो में दिख रहा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो ना तो कोई मंत्री हैं ना कहीं के विधायक, फिर भी उनके काफिले में दर्जनों लक्जरी कार और कमांडो साथ हैं। खुद को आम आदमी बताने वाले केजरीवाल के इसी दोहरापन पर लोग उनसे नाराज हैं। विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे केजरीवाल के काफिले पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उनके काफिले का नजारा देखने वाला था। उनके काफिले में पचास से अधिक गाड़ियां शामिल थीं, जिनमें से दो-दो करोड़ रुपए की लैंड क्रूजर शामिल थीं। इसके अलावा 100 से अधिक पुलिस कमांडो उनके साथ थे। यही नहीं, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी शामिल थीं और वह कहते हैं कि शांति लेने के लिए वहां गए हैं। मैं पूछता हूं कि यह कैसी शांति है, जिसके लिए पंजाब के लोगों के खजाने से लाखों रुपए उड़ाए जा रहे हैं।केजरीवाल के काफिले पर तंज कसते हुए उनकी पूर्व सहयोगी स्वाति मालीवाल ने कहा कि सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज ख़ुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

पंजाब से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने तो कहा कि रस्सी जल गई पर बल नहीं गया... !! यह काफिला देश के प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि एक हारे हुए विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का है। आये है 10 दिन के लिए ध्यान लगाने, पर काफिला 10 किलोमीटर लम्बा ! दिल्ली में हारते ही शांति ढूंढने पंजाब आ गए? अगर ध्यान लगाना था तो वीआईपी काफिला क्यों? क्या यह आम आदमी की तपस्या है यां महाराजाओं की राजशाही?

सबसे ज्यादा पार्टी को बड़ा झटका दिया संदीप पाठक ने। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक़, बीजेपी में जाने की तो छोड़ ही दीजिए शायद ही किसी ने कल्पना की होगी संदीप पाठक आम आदमी पार्टी छोड़ देंगे।कहा जाता है कि संदीप पाठक आम आदमी पार्टी के दूसरे नेताओं की तुलना में भले ही सार्वजनिक मंचों पर कम दिखते रहे हों लेकिन साल 2016 में पार्टी में शामिल होने के बाद से ही कोर लीडरशिप में उनका असर बढ़ता ही गया।संदीप पाठक को आम आदमी पार्टी की चुनावी रणनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है। आम आदमी पार्टी पर क़रीबी नज़र रखने वालों का दावा है कि पार्टी को 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव जिताने का श्रेय भी संदीप पाठक को जाता है।संदीप पाठक की चुनावी रणनीति बनाने की काबिलियत की वजह से ही उन्हें 2022 में पार्टी की राजनीतिक मामलों की कमेटी का जनरल सेक्रेट्री बना दिया गया था।

पार्टी में इतनी मजबूत स्थिति के बावजूद उनका इसे छोड़कर चले जाना राजनीतिक पर्यवेक्षकों को हैरान कर गया।हालांकि आम आदमी पार्टी के कामकाज पर नज़दीकी नज़र रखने वालों का कहना है देर-सवेर ऐसा होना ही था।आम आदमी पार्टी को लंबे समय तक कवर करने वाले पत्रकार विक्रांत यादव का कहना है, संदीप पाठक ने शुरू में आम आदमी पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी के लिए 2017 और 2022 के पंजाब चुनावों की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई।कई राजनीतिक सर्वे कराए। 2022 का चुनाव जिताने में भी उनका रोल अहम रहा। लेकिन पिछले एक डेढ़-साल से पार्टी और संदीप के रिश्ते में दूरियां आ गई थीं।₹आख़िर चुनावी रणनीति में इतनी अहम भूमिका में रहे संदीप पाठक और पार्टी की दूरियों की वजह क्या थी?विक्रांत यादव कहते हैं, "संदीप और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व के बीच दूरियों की असली वजह थी दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार। कहा गया कि चुनाव से पहले करवाए जाने वाले पार्टी के सर्वे ठीक नहीं हुए। इसके लिए संदीप को ज़िम्मेदार ठहराया गया और आख़िरकार पार्टी की करारी हार के लिए भी उन्हें कटघरे में खड़ा किया गया। तभी से संदीप और पार्टी का कनेक्ट कम होता गया।"विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि इसके बाद भी संदीप पाठक पूरी तरह पार्टी से दूर नहीं हुए थे। पार्टी को उनकी विशेषज्ञता का एहसास था।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के बीजेपी में जाने का अंदेशा तो पार्टी नेतृत्व को था। अशोक मित्तल जैसे नेताओं पर तो बीजेपी आईटी और ईडी रेड का डर दिखाकर दबाव बना रही थी। लेकिन आम आदमी पार्टी को अंदाज़ा नहीं था कि संदीप भी बीजेपी की राह पकड़ेंगे।राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के बीजेपी में जाने की ख़बर मिलने के बावजूद पार्टी ने उन्हें मनाने की कोशिश नहीं की।लेकिन आम आदमी पार्टी की ओर से संजय सिंह ने गुरुवार को संदीप पाठक से बात कर उन्हें मनाने की कोशिश की थी।

लवजेहाद और धर्मांतरण का संगठित सिंडिकेट सक्रिय

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के तीन अलग-अलग शहरों में धर्मांतरण और लव जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं। ना सि क , अमरावती और सूरत से पुलिस एक्शन मोड में है। इन मामलों में पुलिस कार्रवाई कर रही है। धर्मांतरण और लव जिहाद मामलों में पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। इनके नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास हो रहा है। क्या विदेशी कनेक्शन भी है? इसको भी जांच हो रही है।

महाराष्ट्र के अमरावती जिले से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, 180 नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और उनके अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद अब इस पर सियासत भी गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक सुनियोजित 'साजिश' बताया है। भाजपा नेताओं ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसआईटी जांच की मांग की है।

अमरावती पुलिस ने मोहम्मद अयाज नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अयाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, खासकर वॉट्सएप और स्नैपचैट के जरिए नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसाया। जांच में पता चला है कि आरोपी ने कम से कम 180 लड़कियों का यौन शोषण किया और उनके 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है, जिसमें भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री मिली है। आरोपी फिलहाल सात दिनों की पुलिस हिरासत में है।अमरावती के अलावा नागपुर और परतवाड़ा जैसी जगहों की लड़कियों को भी निशाना बनाया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की अपील की है। वहीं, भाजपा विधायक देवयानी फरांदे ने कहा कि आईटी कंपनियों में महिलाओं के साथ अत्याचार और उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की खबरें आ रही हैं, जो चिंताजनक है।

उधर महाराष्ट्र के नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नासिक यूनिट में सामने आए यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण के मामले ने उद्योग जगत को झकझोर कर रख दिया है। मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को सत्र न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। वहीं, नासिक पुलिस ने उसकी धरपकड़ के लिए जाल बिछा दिया है। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में निदा खान की भूमिका बेहद संदेहास्पद है। उस पर कर्मचारियों के जबरन धर्मांतरण में शामिल होने का गंभीर आरोप है। दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, आरोपी दानिश शेख ने पीड़िता का परिचय तौसीफ और निदा से कराया था। आरोप है कि ये लोग हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों, विशेषकर शिवलिंग, भगवान कृष्ण और द्रौपदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे, जिससे पीड़िता को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर धर्मांतरण के लिए उकसाया जा सके।फरार निदा खान ने अपनी दो महीने की गर्भावस्था का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से सुरक्षा मांगी थी। हालांकि, सोमवार को कोर्ट ने उसे कोई राहत नहीं दी और अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अदालत का कोई स्टे ऑर्डर नहीं है, इसलिए उसे तलाशने के लिए तीन टीमें अलग-अलग ठिकानों पर भेजी गई। जांच में सामने आया है कि इस शोषण का शिकार होने वाली अधिकांश युवतियां मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं, जिनकी उम्र 21 से 30 वर्ष के बीच है और वेतन लगभग 20,000 रुपये प्रतिमाह है। दूसरी ओर, टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि कंपनी ने उत्पीड़न के आरोपों में शामिल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। हालांकि, कंपनी का यह भी कहना है कि उन्हें आंतरिक चैनलों के माध्यम से ऐसी कोई शिकायत पहले प्राप्त नहीं हुई थी। फिलहाल, नासिक पुलिस की एसआईटी कुल नौ एफआईआर की जांच कर रही है, जिसमें छेड़छाड़, मानसिक प्रताड़ना और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

गुजरात में सूरत के इच्छापोर इलाके में एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है।'लव जिहाद' जैसे इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्लिम युवक है और उसकी मदद करने वालों में तीन मुस्लिम और एक हिंदू युवक शामिल है। सोशल मीडिया के जरिए नाबालिक हिंदू युवती को फंसाया गया था और फिर होटल में ले जाकर मुख्य आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया था। इच्छापोर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इच्छापुर गांव में रहने वाले एक श्रमिक परिवार की कक्षा 12 में पढ़ने वाली नाबालिग बेटी को आरोपी मोहम्मद साजिद उर्फ अहद मोहम्मद जावेद पठान ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर अपने प्रेम जाल में फंसाया था। प्रेम का नाटक कर वह उसे बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया। यहा उसने उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को हुई, तो वे तुरंत इच्छापोर पुलिस स्टेशन पहुंचे और मामला दर्ज कराया।उधर आरोपी पुलिस द्वारा पकड़े जाने की भनक लगते ही अपने पैतृक स्थान बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पहचान छिपाने के लिए मुख्य आरोपी मोहम्मद साजिद ने अपने मित्र अभय कुमार शर्मा की मदद ली थी।अभय ने मोबाइल एडिटिंग ऐप के जरिए साजिद के आधार कार्ड में नाम बदलकर 'अभिषेक गुप्ता' (एक हिंदू नाम) कर दिया था ताकि होटल में कोई दिक्कत न हो। इसी फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर उसने होटल में कमरा बुक किया और लड़की के साथ बलात्कार किया था। यहां बता दें कि लव जिहाद वाली शादियों पर रोक लगाने की तैयारी शुरू हो गई। अपनी पहचान छिपाकर या माता-पिता को अंधेरे में रखकर शादी करना आसान नहीं होगा। इसकी इनिशिएटिव गुजरात से हुई है। राज्य सरकार ने इसके खिलाफ विधान सभा में कानून लाने की तैयारी की रही है।

वहीं हाल के दिनों में कई शहरों से जिम ट्रेनरों द्वारा महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाकर शोषण, ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली के मामले सामने आए हैं। ये घटनाएं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। बीते दिनों सूरत के पाल इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया। सिटीलाइट स्थित 'पूजा L1' जिम के 42 वर्षीय ट्रेनर शब्बीर टूंकवाला पर एक 45 वर्षीय विवाहित महिला को प्रेम जाल में फंसाने, निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रुपये की फिरौती मांगने और उसके पति पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में जिम के अंदर धर्म परिवर्तन का बड़ा मामला सामने आया था। पुलिस ने अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है। केजीएन जिम, आयरन फायर और बी-फिट जिम के ट्रेनरों समेत अन्य सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

जनमत, जेब और जनादेश : 2027 में यूपी का असली इम्तिहान

सुरेश गांधी

इन दिनों सुबह की पहली चाय के साथ अख़बार खुलते ही चर्चा शुरू हो जाती है, “काम हुआ है, पर काम किसके लिए?” यही एक वाक्य आज उत्तर प्रदेश के बदलते राजनीतिक मानस को सबसे सटीक ढंग से परिभाषित करता है। काशी से लेकर प्रयागराज गोरखपुर, अयोध्या व अलीगढ़, मेरठ, सहारनपुर व श्रावस्ती तक, खेत की मेड़ से लेकर शहर की गलियों तक, 2027 का चुनाव लोगों के मन में अभी से चल रहा है, बिना पोस्टर, बिना रैली, लेकिन बेहद गहरा। यह चुनाव केवल विकास के दावों का नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पड़े असर का आकलन है - रोजगार, महंगाई, सुरक्षा और सम्मान का। और यहीं से बनती है उस जनादेश की बुनियाद, जो अगले साल तय करेगा कि उत्तर प्रदेश किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

कहा जा सकता है यूपी का चुनाव तीन परतों में बटा है, पहली परत (समर्थन) : कानून-व्यवस्था से संतुष्ट, लाभार्थी योजनाओं से जुड़ा वर्ग, दूसरी परत (संशय) : विकास दिखता है, पर रोजगार नहीं, महंगाई से परेशान। तीसरी परत (विरोध) : स्थानीय मुद्दे, राजनीतिक असंतोष। चुनाव का नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन-सी परत भारी पड़ती है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है, क्या “सुरक्षा” का मुद्दा “रोजगार” पर भारी पड़ेगा? क्या “विकास” का असर “महंगाई” को दबा पाएगा? क्या विपक्ष एकजुट हो पाएगा या बिखराव जारी रहेगा? मतलब साफ है उत्तर प्रदेश का 2027 चुनाव अब केवल नीतियों का नहीं, बल्कि अनुभव का चुनाव बन चुका है। जनता ने बदलाव देखा है लेकिन अपेक्षाएं और बढ़ी हैं। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का “मजबूत शासन” है, तो दूसरी ओर अखिलेश यादव और मायावती के जरिए विकल्प की तलाश।

लखनऊ के इंदिरानगर में एक निजी कंपनी में काम करने वाले युवक कहते हैं, “सड़कें बढ़िया हो गई हैं, सफाई भी है, लेकिन सैलरी वही है, खर्चा बढ़ गया।” मेरठ के एक किसान का जवाब अलग नहीं, “बिजली आती है, सड़क भी बनी है, लेकिन फसल का दाम और लागत का हिसाब अभी भी उलझा है।” वाराणसी में घाट किनारे बैठे बुजुर्ग कहते हैं, “डर कम हुआ है, पर दाम ज्यादा हो गए हैं।” मतलब साफ है सुरक्षा और ढांचा बेहतर महसूस हो रहा है, लेकिन जेब का दबाव बढ़ा है। यही दो ध्रुव 2027 के चुनाव का असली संतुलन तय करेंगे। योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान कानून-व्यवस्था रही है। कार्रवाई का पैमाना (सरकारी दावों के आधार पर) : माफिया संपत्ति जब्ती/ध्वस्तीकरण : हजारों करोड़ रुपये की संपत्तियां, पुलिस कार्रवाई/एनकाउंटर : 10,000 से अधिक घटनाएं (2017 के बाद), गैंगस्टर एक्ट/एनएसए : बड़े पैमाने पर अपराधियों पर शिकंजा। शहरों में इसका असर साफ दिखता है, रात में बाजार खुले, महिलाओं की आवाजाही बढ़ी। संगठित अपराध की पकड़ कमजोर। लेकिन गांवों और कस्बों में सवाल भी उठते हैं, “क्या हर जगह कार्रवाई समान है?” “क्या छोटे अपराधों में भी सख्ती उतनी ही है?” कानून-व्यवस्था अब केवल मुद्दा नहीं, बल्कि राजनीतिक ब्रांड बन चुकी है।

योगी सरकार ने विकास को बड़े पैमाने पर “दिखने वाला” बनाया है, ऐसा विकास जो फोटो में आए, सड़क पर दिखे और निवेश के आंकड़ों में चमके। इंफ्रास्ट्रक्चर (अनुमानित निवेश) : एक्सप्रेसवे (पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा): 1.5 लाख करोड़$ शहरी विकास/स्मार्ट सिटी : 40,000 करोड़ एयरपोर्ट परियोजनाएं (जेवर सहित) : 30,000 करोड़$ डिफेंस कॉरिडोर : 20,000 करोड़ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट यूपी की नई पहचान बन रहे हैं। निवेश का दावा : ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए 35 लाख करोड़ के एमओयूएस। सरकार का तर्क : “ढांचा बनेगा तो उद्योग आएंगे, उद्योग आएंगे तो रोजगार बनेगा।” जनता का सवाल : “उद्योग कब आएंगे, नौकरी कब मिलेगी?” लाभार्थी वर्ग : साइलेंट लेकिन निर्णायक। मुफ्त राशन, आवास योजना, उज्ज्वला, शौचालय, बिजली। इन योजनाओं ने ग्रामीण और गरीब वर्ग में। अखिलेश यादव की राजनीति अब 2012 जैसी नहीं रही। इस बार फोकस साफ है - बेरोजगारी, किसान, महंगाई, सामाजिक न्याय। सपा कार्यकाल (2012 से 2017) की विरासत : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो, डायल 100 सेवा। सपा इस बात को स्थापित करना चाहती है कि “विकास हमने भी किया, लेकिन हमारा फोकस आम आदमी पर था।” लेकिन सड़कों पर गुंडागर्दी, बेडरुम में घूसकर हत्या, रंगदारी, फिरौती, सरेराह महिलाओं का बलातकार, लूट, हत्या, छिनैती, बनारस में हर दुसरे दिन एक व्यापारी की हत्या आदि, वो दिन लोगों के दिमाग में सिहरन पैदा करती है। मायावती की राजनीति हमेशा शोर से दूर, लेकिन असरदार रही है। 2027 का फार्मूला : दलित $ ब्राह्मण $ मुस्लिम। बीजेपी से नाराज सवर्ण। सपा से असंतुष्ट मुस्लिम। बसपा का लक्ष्य सीट जीतने से ज्यादा “गणित बिगाड़ना” भी हो सकता है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह नियम लगभग स्थायी है, वोट जितना नहीं, वोट का बंटवारा ज्यादा मायने रखता है।

भाजपा ने समय रहते यह स्पष्ट कर दिया है कि 2027 का चुनाव योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। यह फैसला केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है।

आप के बागी सांसदों का भाजपा में विलय, अब सुप्रीम कोर्ट पर नजर

संजय सक्सेना

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का बीजेपी से जुड़ना सिर्फ एक दल-बदल की खबर नहीं है, बल्कि यह संसद के ऊपरी सदन में शक्ति-संतुलन और दलबदल कानून की व्याख्या दोनों को नई कसौटी पर रखता है। मौजूदा रिपोर्टों के अनुसार इन सांसदों के साथ जाने के बाद राज्यसभा में बीजेपी की संख्या 113 हो गई है, जबकि आप ने इस कदम को असंवैधानिक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की तैयारी की है। यह पूरा घटनाक्रम इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दलबदल विरोधी कानून में एक महत्वपूर्ण अपवाद मौजूद है। अगर किसी दल के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य किसी दूसरे दल में विलय करने पर सहमत हों, तो उसे अयोग्यता के दायरे से छूट मिल सकती है। इसी आधार पर बागी सांसद यह तर्क दे रहे हैं कि उन्होंने आवश्यक संख्या पूरी कर ली है, जबकि आप का दावा है कि यह महज राजनीतिक तोड़फोड़ नहीं, बल्कि विधि और मर्यादा का उल्लंघन है।

इस विवाद का सबसे अहम पहलू राज्यसभा के सभापति की भूमिका है। यदि सभापति ने सातों सांसदों को बीजेपी से संबद्ध/विलय मानते हुए अधिसूचना जारी कर दी है, तो यह एक औपचारिक संसदीय निष्कर्ष बन जाता है, लेकिन यह स्वतः ही अंतिम न्यायिक सत्य नहीं बनता। भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में अध्यक्ष या सभापति का निर्णय दलबदल मामलों में महत्वपूर्ण होता है, पर उस पर न्यायिक समीक्षा की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं होती, खासकर तब जब याचिकाकर्ता यह दिखा सके कि निर्णय में प्रक्रिया, अधिकार क्षेत्र या संविधान की दसवीं अनुसूची का गलत प्रयोग हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में आप के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यह होगा कि क्या यह विलय वास्तव में 2/3 बहुमत से वैध हुआ है और क्या सभापति ने उपलब्ध सामग्री के आधार पर सही निष्कर्ष निकाला। अगर कोर्ट को लगे कि संख्या-गणना, सदस्यता की स्थिति, या विलय की प्रक्रिया में गड़बड़ी है, तो वह सभापति के निर्णय पर हस्तक्षेप कर सकता है या विस्तृत सुनवाई के लिए मामला वापस भेज सकता है। लेकिन अगर कोर्ट पाए कि संबंधित सांसदों ने संवैधानिक शर्तें पूरी कर ली हैं, तो आप की चुनौती कमजोर पड़ सकती है और राजनीतिक क्षति बनी रह सकती है। इस तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट आम तौर पर सीधे राजनीतिक निर्णय नहीं देता, बल्कि यह देखता है कि क्या प्रक्रिया कानून सम्मत थी, क्या प्राकृतिक न्याय का पालन हुआ, और क्या निर्णय मनमाना या दुर्भावनापूर्ण था। यानी अदालत यह नहीं तय करेगी कि कौन-सा दल नैतिक रूप से सही है, बल्कि यह देखेगी कि संवैधानिक ढांचा टूटा या नहीं। अगर आप यह दिखाने में सफल हो जाती है कि “विलय” का दावा केवल बचाव का तरीका था और वास्तविक दो-तिहाई समर्थन वैधानिक रूप से सिद्ध नहीं हुआ, तो फैसले पर रोक या पुनः विचार कर सकते हैं।

आप के पास अभी कई विकल्प मौजूद हैं। पहला, वह सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकती है और सभापति के निर्णय पर अंतरिम रोक या स्थिति-यथास्थिति की मांग कर सकती है। दूसरा, वह दसवीं अनुसूची, नियम-प्रक्रिया और दस्तावेज़ी साक्ष्यों के आधार पर यह चुनौती दे सकती है कि सांसदों ने वैध रूप से पार्टी नहीं छोड़ी, या विलय की प्रक्रिया अधूरी रही। तीसरा, वह राजनीतिक और सार्वजनिक स्तर पर इस मुद्दे को “लोकतांत्रिक चोरी” के रूप में स्थापित कर दबाव बना सकती है, ताकि अदालत के बाहर भी नैरेटिव उसके पक्ष में रहे। इसके अलावा आप सभापति के सामने पुनर्विचार या पूरक आपत्ति का रास्ता अपना सकती है, अगर नियमों में इसकी गुंजाइश हो। वह यह भी तर्क रख सकती है कि राज्यसभा जैसी संवैधानिक संस्था में ऐसे मामलों में अधिक पारदर्शी सुनवाई होनी चाहिए, क्योंकि अध्यक्ष/सभापति का निर्णय ही बाद में न्यायिक समीक्षा का आधार बनता है। यदि सांसदों ने अभी केवल समर्थन-पत्र दिया है, लेकिन औपचारिक पार्टी विलय की सभी प्रक्रियाएं पूरी नहीं हुई हैं, तो आप इसी तकनीकी बिंदु पर हमला कर सकती है।

तुम भटके हुए राही हो

डॉ. सुरेश कुमार

वह दोपहर किसी सड़ी हुई कढ़ी जैसी चिपचिपी थी। कार के भीतर का तापमान और मेरी पत्नी सुजाता के तेवर, दोनों ही चालीस डिग्री के पार थे। सामने डैशबोर्ड पर रखा मोबाइल फोन किसी देवता की तरह चमक रहा था, जिसमें एक निर्जीव स्त्री की आवाज़ हमें स्वर्ग का रास्ता दिखा रही थी। अगले सौ मीटर पर बाएं मुड़ें, उस आवाज़ में वह भरोसा था जो अक्सर धोखेबाज वकीलों की बातों में होता है। मैंने स्टीयरिंग घुमाया, पर सामने सड़क नहीं, एक गहरा नाला था जो शहर की सारी गंदगी समेटे इतिहास की तरह बह रहा था। सुजाता ने ठंडी आह भरी, मैंने कहा था न, वह दाहिने कह रही है, तुम हमेशा औरतों को गलत समझते हो। मैंने मोबाइल की स्क्रीन की तरफ देखा, वह नीली रेखा अब किसी घायल सांप की तरह छटपटा रही थी। मुझे लगा जैसे वह नक्शा नहीं, मेरा चरित्र प्रमाण पत्र है, जिसे एक उपग्रह अंतरिक्ष से बैठकर लिख रहा है। री-रूटिंग... फोन से आवाज़ आई। यह शब्द सुनते ही सुजाता का चेहरा ऐसा हो गया जैसे मैंने उसकी शादी का गहना गिरवी रख दिया हो। देखो, यह मशीन भी मान रही है कि तुम भटक गए हो। इसे दोष मत दो, यह तो विज्ञान है। तुम्हारी बुद्धि ही पत्थर की हो गई है। गाड़ी अब एक ऐसी संकरी गली में थी जहाँ धूप भी घुसने से पहले दो बार सोचती होगी। बगल की दुकान पर बैठे एक बूढ़े ने हमें ऐसे देखा जैसे हम किसी दूसरे ग्रह से आए शरणार्थी हों। मैंने चीखकर कहा, यह बाएं बोल रही है, पर यहाँ तो दीवार है! सुजाता ने मोबाइल छीन लिया और उसे अपनी छाती से ऐसे लगा लिया जैसे वह उसका सर्वस्व हो। बेचारी को डराओ मत, वह सही कह रही है, तुमने ही इसे ठीक से पकड़ा नहीं होगा। देखो, वह रो रही है! वास्तव में, स्क्रीन पर पसीने की एक बूंद गिरी थी, जो सुजाता के विलाप का हिस्सा लग रही थी।

कार अब एक सुनसान श्मशान घाट के गेट पर खड़ी थी। जीपीएस की वह स्त्री अब फुसफुसा रही थी, आप गंतव्य पर पहुँच चुके हैं। चारों तरफ खामोशी थी, सिवाय इंजन की गड़गड़ाहट और सुजाता की सिसकियों के। देखा? पहुँच गए न? अब खुश हो? अपनी ज़िद के चक्कर में तुमने इसे भी पागल कर दिया। उसने फोन को डैशबोर्ड पर पटक दिया। मुझे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। हम यहाँ क्यों आए? हमें तो अपनी बेटी की शादी के रिसेप्शन में जाना था, जो शहर के सबसे बड़े होटल में था। मैंने खिड़की से बाहर देखा, वहाँ कोई लाइट नहीं थी, कोई संगीत नहीं था। बस कुछ टूटी हुई कब्रें थीं और उन पर जमी धूल। सुजाता ने ज़ोर-ज़ोर से रोना शुरू कर दिया, तुमने इस बेचारी मशीन को इतना प्रताड़ित किया कि इसने हार मान ली। तुमने इसे गलत साबित करने के लिए पूरा रास्ता ही बदल दिया! मैंने कांपते हाथों से फोन उठाया। स्क्रीन धुंधली थी। तभी मेरी नज़र पीछे वाली सीट पर पड़ी। वहाँ एक सफेद लिफाफा रखा था। वह शादी का कार्ड नहीं था। वह मेमोरी लॉस और अल्जाइमर की मेडिकल रिपोर्ट थी, जिस पर मेरा नाम बड़े अक्षरों में लिखा था। अचानक बिजली की तरह एक कौंध गई। होटल? शादी? वह तो पिछले साल हो चुकी थी। तभी मेरी नज़र बगल वाली सीट पर पड़ी-वह खाली थी।

मथुरा में बाल कृष्ण के दर्शन के लिए कैलाश से आए थे भूतेश्वर महादेव

श्रीकृष्ण व देवाधिदेव महादेव के बीच प्रगाढ़ प्रेम को दर्शाते देश-विदेश में कई देवालय हैं। इन मंदिरों में भक्ति के साथ शक्ति के अद्भुत मिलन के साथ ही भक्ति का बेहद सरल स्वरूप भी देखने को मिलता है। ऐसा ही दिव्य मंदिर उत्तर प्रदेश के श्रीकृष्ण नगरी मथुरा में है, जहां महादेव शहर के कोतवाल या रक्षक के रूप में विराजमान हैं। उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग मंदिर के बारे में जानकारी देने के साथ ही वहां के महत्व से भी अवगत कराता है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा केवल कृष्ण भक्ति का केंद्र नहीं है, बल्कि महादेव की अनन्य भक्ति का भी पावन साक्षी है। यहां स्थित प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर सदियों पुरानी आस्था और अटूट विश्वास का प्रतीक है। पर्यटन विभाग इस शिवालय को मथुरा की यात्रा का अनिवार्य हिस्सा बताता है।

मथुरा के क्षेत्रपाल के रूप में विराजमान शिवजी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव मथुरा के क्षेत्रपाल (रक्षक) के रूप में विराजमान हैं। कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण बाल स्वरूप में अवतरित हुए तो महादेव स्वयं कैलाश पर्वत से मथुरा पधारे थे। वे कृष्ण के बाल लीला के दर्शन करना चाहते थे। इसी कारण मथुरा की कोई भी यात्रा भूतेश्वर महादेव के दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है। मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग स्थापित है, जिसे केदारनाथ का उपलिंग भी माना जाता है। मथुरा की जन्मभूमि से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित यह मंदिर शहर को बुरी शक्तियों से बचाने वाला माना जाता है।

हजारों वर्षों से मौजूद भूतेश्वर महादेव मंदिर शिवालय के बारे में प्रचलित मान्यता है कि भूतेश्वर महादेव यहां रहकर मथुरा और उसके निवासियों की रक्षा करते हैं, इसलिए इनका नाम भूतेश्वर या भूतों के स्वामी पड़ा। मंदिर की एक और रोचक कथा मथुरा की स्थापना से जुड़ी है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, श्री राम के छोटे भाई शत्रुघ्न ने मधु नामक राक्षस का वध किया और उसके बाद मथुरा शहर की स्थापना की। इसी ऐतिहासिक और पावन भूमि पर भूतेश्वर महादेव मंदिर हजारों वर्षों से मौजूद है। यह मथुरा का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है।

श्रीकृष्ण व देवाधिदेव महादेव के बीच प्रगाढ़ प्रेम को दर्शाते देश-विदेश में कई देवालय हैं। इन मंदिरों में भक्ति के साथ शक्ति के अद्भुत मिलन के साथ ही भक्ति का बेहद सरल स्वरूप भी देखने को मिलता है। ऐसा ही दिव्य मंदिर उत्तर प्रदेश के श्रीकृष्ण नगरी मथुरा में है, जहां महादेव शहर के कोतवाल या रक्षक के रूप में विराजमान हैं। उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग मंदिर के बारे में जानकारी देने के साथ ही वहां के महत्व से भी अवगत कराता है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा केवल कृष्ण भक्ति का केंद्र नहीं है, बल्कि महादेव की अनन्य भक्ति का भी पावन साक्षी है। यहां स्थित प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर सदियों पुरानी आस्था और अटूट विश्वास का प्रतीक है। पर्यटन विभाग इस शिवालय को मथुरा की यात्रा का अनिवार्य हिस्सा बताता है।

मथुरा के क्षेत्रपाल के रूप में विराजमान शिवजी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव मथुरा के क्षेत्रपाल (रक्षक) के रूप में विराजमान हैं। कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण बाल स्वरूप में अवतरित हुए तो महादेव स्वयं कैलाश पर्वत से मथुरा पधारे थे। वे कृष्ण के बाल लीला के दर्शन करना चाहते थे। इसी कारण मथुरा की कोई भी यात्रा भूतेश्वर महादेव के दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है। मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग स्थापित है, जिसे केदारनाथ का उपलिंग भी माना जाता है। मथुरा की जन्मभूमि से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित यह मंदिर शहर को बुरी शक्तियों से बचाने वाला माना जाता है।

हजारों वर्षों से मौजूद भूतेश्वर महादेव मंदिर शिवालय के बारे में प्रचलित मान्यता है कि भूतेश्वर महादेव यहां रहकर मथुरा और उसके निवासियों की रक्षा करते हैं, इसलिए इनका नाम भूतेश्वर या भूतों के स्वामी पड़ा। मंदिर की एक और रोचक कथा मथुरा की स्थापना से जुड़ी है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, श्री राम के छोटे भाई शत्रुघ्न ने मधु नामक राक्षस का वध किया और उसके बाद मथुरा शहर की स्थापना की। इसी ऐतिहासिक और पावन भूमि पर भूतेश्वर महादेव मंदिर हजारों वर्षों से मौजूद है। यह मथुरा का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है।

प्रदोष व्रत आज ही रखा जाएगा

तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और धार्मिक महत्व

वैशाख शुक्ल प्रदोष व्रत बहुत ही खास है, क्योंकि इस दिन शिव पूजा के साथ हनुमान जी की उपासना का विशेष फल मिलेगा। इसके साथ ही जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होगा, उनके लिए यह व्रत लाभकारी रहेगा। क्योंकि भौम प्रदोष व्रत की पूजा से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होगा। वैशाख शुक्ल प्रदोष व्रत 28 अप्रैल को रखा जाएगा। इस दिन अभिजीत मुहूर्त और त्रिपुष्कर योग का संयोग भी बन रहा है, जिससे इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। आइए जानते हैं तिथि और पूजा का शुभ समय...

भौम प्रदोष व्रत 2026

वैशाख शुक्ल त्रयोदशी तिथि प्रारंभः 28 अप्रैल 2026 दिन मंगलवार की शाम लगभग 7 बजकर 22 मिनट पर

वैशाख शुक्ल त्रयोदशी तिथि समाप्तः 29 अप्रैल 2026 दिन बुधवार की शाम लगभग 7 बजकर 32 मिनट पर

प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल में करना शास्त्रों में उत्तम बताया गया है।

पंचांग के अनुसार 28 अप्रैल को प्रदोष काल मिल रहा है, इसलिए भौम प्रदोष व्रत 28 अप्रैल को रखा जाएगा।

भौम प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त 2026

प्रदोष काल मुहूर्तः 28 अप्रैल की शाम 6 बजकर 22 बजे से रात 9 बजकर 04 मिनट तक

पूजा का सर्वोत्तम समयः 28 अप्रैल की शाम 07 बजे से रात 8 बजकर 30 मिनट तक

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

भगवान शिव-पार्वती का ध्यान कर व्रत का संकल्प लें।

पूरे दिन सात्विक रहें और मन को शांत बनाए रखें।

प्रदोष काल में पूजा स्थान को साफ और पवित्र करें।

शिवलिंग स्थापित कर जल, दूध, दही, शहद से अभिषेक करें।

गंगाजल से शुद्धि कर बेलपत्र, धतूरा, पुष्प अर्पित करें।

चंदन, अक्षत चढ़ाकर विधिपूर्वक पूजन की तैयारी पूरी करें।

घी का दीपक और धूप जलाकर श्रद्धा से पूजा करें।

ॐ नमः शिवाय मंत्र जपें और शिव चालीसा का पाठ करें।

अंत में आरती उतारकर भगवान को भोग लगाएं और प्रसाद बांटें।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

भौम प्रदोष व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है, जब प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़ता है, तब इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है, जो मंगल ग्रह की कृपा पाने के लिए विशेष फलदायी माना जाता है, इस व्रत को करने से जीवन की बाधाएं, ऋण, रोग और शत्रु संबंधी कष्ट कम होते हैं। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और भक्ति से शिव-पार्वती की पूजा करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

मां बाराही के दर्शन मात्र से दूर होते हैं नेत्र रोग

गोंडा के इस शक्तिपीठ में प्रतिमा की नहीं सुरंग की होती है पूजा

देश भर में मां सती के 51 शक्तिपीठ मंदिर स्थित हैं और हर मंदिर की अपनी आस्था और पौराणिक इतिहास है। ऐसा ही एक मंदिर उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में स्थित है, जहां मान्यता है कि मां के दर्शन करने के बाद पानी नेत्रों पर लगाने से आंखों के रोगों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि मंदिर पूर्वांचल यूपी में आस्था और विश्वास का बड़ा केंद्र है। हम बात कर रहे हैं मां बाराही मंदिर की। मां का मंदिर हजारों साल पुराना है और आस्था भी उतनी ही मजबूत। इस मंदिर में पूजा-अर्चना करने से ना केवल रोगों से मुक्ति मिलती है बल्कि माता अपने भक्तों की कई इच्छाएं पूरी भी करती हैं। आइए जानते हैं माता सती के इस शक्तिशाली शक्तिपीठ के बारे में...

मां बाराही देवी का मंदिर

मंदिर में मां बाराही देवी की प्रतिमा बड़े विशाल पत्थर के रूप में विराजमान है। पत्थर के नीचे एक छोटी सी जगह है, जहां निरंतर मां की ज्योति जलती रहती है। गर्भगृह में मां दुर्गा की अष्टभुजी प्रतिमा भी मौजूद है। मां बाराही देवी का श्रृंगार रोजाना लाल वस्त्रों और चूड़ियों से किया जाता है। यहां मां की कोई प्रतिमा मौजूद नहीं है, बल्कि सुरंग की पूजा की जाती है।

नेत्र रोग से मुक्ति दिलाती हैं माता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी स्थल पर मां सती का जबड़ा गिरा था, जिसके बाद शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई। मां बाराही देवी को उत्तरी भवानी के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक, अगर कोई आंखों के रोगों से पीड़ित है या किसी की आंखों की रोशनी चली गई है, तो माता जी के स्थान पर चढ़ाया हुआ दूध या फिर मंदिर परिसर में मौजूद वट वृक्ष का नीर आंखों में डालने से नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है। भक्त इसे मां की विशेष कृपा मानते हैं।

संतान सुख के लिए मां बाराही के दर्शन

इसके साथ ही अगर कोई संतान सुख से वंचित है, तब भी मां के दर्शन मात्र से ही महिला की सूनी गोद भर जाती है। स्थानीय किवदंती के अनुसार, मां ने उस महिला की भी गोद भरी थी, जिसके पास बच्चेदानी नहीं थी। इसी किवदंती की वजह से महिलाएं संतान सुख पाने के लिए भी मां बाराही के दर्शन के लिए आती हैं। मनोकामना पूर्ति के बाद मंदिर में विशेष अनुष्ठान भी कराती हैं।

मंदिर में भक्तों की हमेशा रहती है भीठ

चैत्र और शारदीय नवरात्र में मां के मंदिर में विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं और भक्तों की भारी भीड़ भी दर्शन के लिए पहुंचती है। इसके साथ ही सोमवार और शुक्रवार को मंदिर में खासकर काफी भक्तजन आते हैं, क्योंकि ये दोनों ही मां बाराही को समर्पित माने जाते हैं। मां बाराही शक्तिपीठ को 51 शक्तिपीठों में से 34वां शक्तिपीठ माना जाता है। यहां पूजा अर्चना करने से ऊपरी बाधाओं और बुरी शक्तियों से मुक्ति मिलती है। साथ ही भक्तों की हर इच्छा भी पूरी होती है।

भीम ने की शिवलिंग की स्थापना तो अर्जुन ने बाण चलाकर बनाया झरना

दक्षिण भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जिस पर श्रद्धालुओं की बेहद आस्था होती है। हरे-भरे पश्चिमी घाटों में स्थित मंदिर भक्तों के साथ-साथ पर्यटन के आकर्षण का भी बड़ा केंद्र हैं। आज हम ऐसे मंदिर की जानकारी लेकर आए हैं, जिसका इतिहास महाभारत के पांडवों से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के शिमोगा जिले के सागर में स्थित भीमेश्वर मंदिर प्रकृति और आस्था का अनूठा संगम है। प्रकृति की गोद में विराजमान भगवान शिव यहां आए हर भक्त की मनोकामना पूरी करते हैं और जिंदगी में आई हर परेशानी से मुक्ति भी दिलाते हैं। आइए जानते हैं भीमेश्वर मंदिर के बारे में खास बातें...

शांत वातावरण के लिए विश्व में प्रसिद्ध

भीमेश्वर मंदिर कर्नाटक के सबसे पुराने मंदिरों में शामिल है, लेकिन जंगलों में होने की वजह से मंदिर का रखरखाव ठीक से नहीं हो पाता है। पौराणिक कथा की मानें तो मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है। जब पांडवों को अज्ञातवास मिला तो उन्होंने इस स्थान पर भी शरण ली थी।

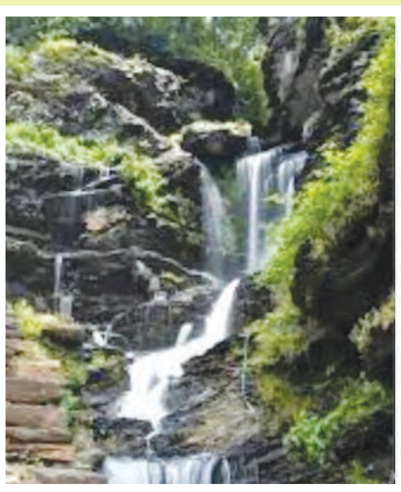

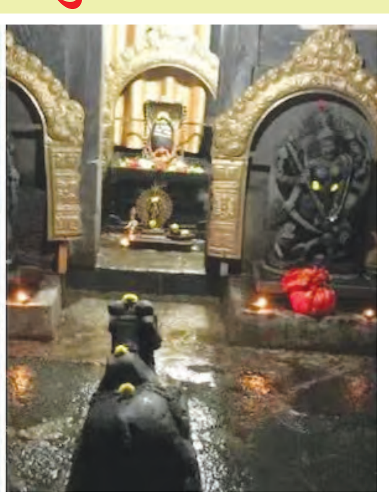

यह मंदिर अपनी शानदार वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

पांडवों ने किया था समय व्यतीत

मान्यता है कि महाभारत काल में पांडवों ने वनवास के दौरान कुछ समय यहां व्यतीत किया था। मंदिर की स्थापना महाबली भीम ने की थी और शिवलिंग भी वही लेकर आए थे। भगवान शिव को ठंडी जलधारा अर्पित करने के लिए अर्जुन ने बाण चलाकर भीमेश्वर झरने का निर्माण किया था। मंदिर के निकट भीमेश्वर झरना भगवान शिव को आज तक ठंडी जलधारा अर्पित कर रहा है। यही कारण है कि मंदिर का नाम भीम पर रखा गया है।

काले पत्थर से मंदिर का निर्माण

मंदिर का निर्माण काले पत्थर से किया गया है। मंदिर के भीतर कई मजबूत स्तंभ बनाए गए हैं, जिस पर महाभारत काल की प्रतिमाएं बनी हैं। मंदिर का निर्माण चालुक्य राजा भद्देगा ने कराया था। मंदिर के भीतर शिवलिंग, भगवान गणेश, नंदी महाराज और भगवान विष्णु की प्रतिमाएं मौजूद हैं। मंदिर में आज भी पूजा-अर्चना होती है और सावन और शिवरात्रि के मौके पर मंदिर में बड़े आयोजन भी किए जाते हैं।

इस तरह पहुंचें भीमेश्वर मंदिर

स्थानीय लोगों के बीच मंदिर को लेकर बहुत मान्यता है। जंगलों के बीच होने की वजह से मंदिर तक ट्रैकिंग करके जाना पड़ता है क्योंकि वाहन का मंदिर तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल है। निकटतम रेलवे स्टेशन थलागुप्पा से मंदिर 53 किलोमीटर दूर है। वहीं, मंदिर शिमोगा से 138 किमी और बेंगलुरु से 462 किमी दूर है। मुख्य सड़क से मंदिर तक पहुंचने के लिए दो किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है।

वास्तु के अनुसार, घर में कलह और पैसों की कमी को दूर करने के लिए करें पीली सरसों के ये उपाय

अक्सर हर किसी के जीवन में कोई न कोई परेशानी चल ही रही होती है। कोई पैसों की तंगी से जुझ रहा होता है तो कोई व्यापार या रिश्तो में समस्याओं का सामना कर रहा होता है या फिर कोई सेहत से परेशान रहता है। ऐसे में हर कोई अपने जीवन में चमत्कार की इच्छा रखता है कि काश ये सारी परेशानियों से राहत मिल सकें। लेकिन हर किसी के जीवन में चमत्कार हो ये जरुरी नहीं। कई बार परिस्थितियों से बाहर आने के लिए परिश्रम और उपाय करने पड़ते हैं। इन सभी परेशानियों को वास्तु के नज़रिए से देखें तो इन सभी चीज़ो के पीछे वास्तु दोष भी हो सकता है।

जिसे दूर करने के लिए एक वस्तु भी काफी मानी जाती है। कहते हैं कि ज्यादातर परेशानियों के हल हमारे आसपास ही होते हैं बस जरुरत होती है उन्हें पहचान पाने की। ऐसे में एक वस्तु के बारे में बताने वाले हैं जो अक्सर हर किसी के घर में आसानी से मिल जाती है और साथ ही उससे जुड़े कुछ खास उपायों के बारे में जो वास्तु दोष को दूर में आपकी मदद कर सकते हैं।

जिस वस्तु की हम बात करने वाले हैं वह है हर किसी की रसोई में आसानी से मिलनी वाली पीली सरसों। जी हां वास्तु के अनुसार, पीली को वास्तु दोष दूर करने में बेहद ही लाभदायक माना जाता है। ऐसे में सबसे पहले उपाय की बात करें तो घर से वास्तु दोष को दूर करने के लिए एक गाय के गोबर का उपला लें और उसमें थोड़ी सी पीली सरसों डाले और जला दें। जब उपले में से धुआं निकलने लगे तो उस धूएं को पूरे घर में अच्छी तरह से हर कोने में फैला दें। माना जाता है कि सरसों और गोबर के उपले का धुआं घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर सकता है और वातावरण को साफ कर सकारात्मकता पैदा करता है जिससे वास्तु दोष भी दूर होता है।

दूसरे उपाय की बात करें तो अगर घर में किसी को बार बार नज़र लग रही हो तो ऐसे में एक मुट्ठी पीली सरसो लें और उसे नज़र लगे हुए व्यक्ति के ऊपर से सात बार उतारकर जलती आग में डाल दें। माना जाता है कि ऐसा करने से बुरी नज़र दूर होती है।

अगले उपाय के अनुसार, अगर किसी को धन से जुड़ी समस्या का बार बार सामना करना पड़ता है तो ऐसे में पीली सरसों के कुछ दाने और एक कपूर लें। फिर दोनों को एक साथ पीले रंग के कपड़े में बांध लें और गुरुवार के दिन घर के मैन गेट पर लटका दें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन से जुड़ी समस्या से राहत मिलती है।

इसके अलावा अगर पति पत्नी के जीवन में तनाव चल रहा हो तो एक मुट्ठी पीली सरसों की लें और रात को सोने से पहले इसे पति-पत्नी के कमरे के चारों कोनों में हल्का-हल्का छिड़क दें।

फिर अगले दिन सुबह उठकर इसे साफ करके घर से बाहर फेंक दें। माना जाता है कि ऐसा करने से इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और रिश्तों में मिठास आती है। एक और अन्य उपाय के अनुसार गुरुवार या शुक्रवार के दिन पीली सरसों के कुछ दाने लेकर उन्हें घी के दीपक में डालकर भगवान के सामने जलाएं। माना जाता है कि इससे भी दांपत्य जीवन में प्रेम और समझ बढ़ती है।

गौ की रक्षा इसलिए करें कि मनुष्य के जीवन की रक्षा हो

कुछ लोगों के संकल्पों ने दुनिया बदल दी है। आज की तिथि है वैशाख शुक्ल नवमी। आज अश्लेषा नक्षत्र भी है। विद्वानों का कहना है इस दिन अग्रवाल समाज के पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन ने एक यज्ञ का संकल्प लिया था, जो 17 दिन तक चला था।

18वें दिन उन्होंने शपथ ली कि पशु बलि नहीं दी जाएगी और मेरा वंश आज से क्षत्रिय के स्थान पर वैश्य धर्म स्वीकार करेगा। ये तिथि 12 मई को आएगी।

उन्होंने कहा था अब मेरा वंश वाणिज्य, कृषि और गोसेवा- इसे सेवा मानकर ही करेगा। आज तक ऐसा हो भी रहा है। 27 अप्रैल को गो-सम्मान दिवस मनाया जा रहा है। गौ को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए, इसका एक ही अर्थ है कि लोगों को समझना पड़ेगा परमात्मा की प्रतिनिधि प्रकृति होती है और प्रकृति की जीती-जागती प्रतिनिधि गो-माता हैं। गाय को बचाने से मनुष्य के जीवन में जो-जो बातें अच्छी होंगी, उनमें से एक यह होगी कि शांति उतरेगी। 27 अप्रैल को संकल्प लें- हम गौ की रक्षा इसलिए करेंगे कि मनुष्य की रक्षा हो सके।

मेरे ऊपर लगे धोखाधड़ी के आरोप गलत, खबर फैलाने वालों के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे : आशु रेड्डी

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस और बिग बॉस तेलुगु की कंटेस्टेंट रह चुकीं आशु रेड्डी के खिलाफ हाल ही में हैदराबाद में धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि एक्ट्रेस ने एक एनआरआई से 9.35 करोड़ की ठगी की है। चर्चा में आने के बाद अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर रहा है कि वो अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एक्शन लेंगीं।

आशु रेड्डी ने हाल ही में आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा, "मेरी अनुमति के बिना जो भी खबर या गलत जानकारी फैल रही है, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सम्मान रखें।"

क्या है पूरा मामला?

हाल ही में धर्मेंद्र नाम के एनआरआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने हैदराबाद में एक्ट्रेस समेत 3 के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार, धर्मेंद्र नाम के सॉफ्टवेयर इंजीनयिर एनआरआई साल 2018 में अपने परिवार से मिलने हैदराबाद आए थे। यहां एक कॉमन दोस्त ने उनकी मुलाकात एक्ट्रेस आशु रेड्डी से करवाई। आशु ने बताया था कि वो अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। जल्द ही दोनों की दोस्ती हो गई, जबकि धर्मेंद्र तलाकशुदा थे। दोनों की बात शादी तक पहुंच गई। आशु ने उनसे शादी का वादा किया और कहा कि उन्हें तलाकशुदा होने से कोई दिक्कत नहीं है। कुछ समय बाद आशु ने एजुकेशन लोन चुकाने के नाम पर धर्मेंद्र से पैसे लिए और फिर फ्लैट, गोल्ड और कार समेत कई महंगीं चीजें खरीदने के लिए पैसे लिए।

रिपोर्ट में एक पुलिसकर्मी के हवाले से लिखा गया है, एक्ट्रेस ने धर्मेंद्र से सालों तक पैसे लिए, लेकिन फिर 2020 में शादी की बात पर कुछ समय तक रुकने के लिए कहा। 2020 में दोनों परिवारों को शादी के लिए मुलाकात करनी थी, लेकिन तब एक्ट्रेस ने शादी से इनकार कर दिया। जब धर्मेंद्र ने शादी टूटने पर पैसे वापस मांगे, तो एक्ट्रेस ने रकम लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस ने 70 लाख लौटाने का वादा किया था, लेकिन वो भी नहीं लौटाए। बाद में एक्ट्रेस के परिवार ने दावा किया कि एक्ट्रेस डिप्रेशन में हैं और धर्मेंद्र से ही शादी करना चाहती हैं। शिकायतकर्ता ने रिश्ते को एक और मौका दिया, लेकिन फिर जुलाई 2025 में दोबारा शादी के वादे से मुकर गईं। शिकायत में ये भी दावा किया गया है कि जिस समय 2025 में एक्ट्रेस ने शादी का झांसा दिया था, तब भी वो किसी और के साथ रिलेशनशिप में थीं और उससे भी पैसे ले रही थीं। बता दें कि आशु रेड्डी, बिग बॉस तेलुगु 3 का हिस्सा रह चुकी हैं, जिससे उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके अलावा वो साउथ की चल मोहन रंगा (2018), फोकस (2022) जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

शादी के बिना मां बनने को सही मानती हैं नित्या मेनन बोलीं- आजकल बच्चे पैदा करने के कई तरीके हैं

कन्नड़ अभिनेत्री नित्या मेनन इन दिनों अपनी फिल्म को लेकर नहीं बल्कि अपने एक बयान को लेकर चर्चाओं में हैं। उनका ये बयान रिश्तों और बच्चों को लेकर दिया गया है। नित्या मेनन का मानना है कि बच्चे पैदा करने के लिए या मां बनने के लिए शादी करने की जरूरत नहीं है। नित्या ने कन्नड़ अभिनेत्री भावना के बिना शादी किए मां बनने के फैसले का समर्थन किया। उनका मानना है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यह अभिनेत्री की अपनी पसंद है।

शादी के बिना मां बनने के फैसले पर बवाल

अभिनेत्री भावना के शादी के बिना मां बनने के फैसले का कई लोगों ने विरोध किया और उनके बयान की आलोचना की। कई लोगों का ये भी कहना है कि क्या शादी का मतलब सिर्फ बच्चे पैदा करना होता है? इन्हीं विचारों पर आधारित 'कडालिक्का नेरामिल्ले' नाम की एक फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी। नित्या मेनन ने इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म की रिलीज़ के दौरान उन्होंने इंडिया ग्लिट्ज तमिल यूट्यूब चैनल को एक इंटरव्यू दिया था। अब इसी इंटरव्यू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शादी के बिना प्रेग्नेंट होने को सही मानती हैं नित्या

बातचीत के दौरान जब नित्या से पूछा गया कि क्या शादी से पहले प्रेग्नेंट होना सही है या गलत? इस पर नित्या ने कहा, 'शादी के बाद प्रेग्नेंट होने की तुलना में शादी से पहले प्रेग्नेंट होना बेहतर है। बिना शादी के प्रेग्नेंट होना ठीक है। अगर आप बच्चे चाहते हैं, तो शादी न करना भी ठीक है।

आजकल बच्चे पैदा करने के कई तरीके हैं। बहुत से लोग इन्हें अपना रहे हैं।' इसी दौरान जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि आपकी पसंद क्या है, शादीशुदा जीवन या संतानहीन जीवन? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वैवाहिक संबंध और संतानहीन जीवन, मेरी पसंद है। नित्या के ये बयान अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

शादी को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं नित्या

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाली नित्या मेनन अब 38 साल की हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी उन्होंने शादी नहीं की है। एक पुराने इंटरव्यू में नित्या ने शादी को लेकर कहा था कि वो शादी को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि मुझे घर पर ही शादी करने के लिए मजबूर किया गया। बचपन से ही मैं एक जीवनसाथी चाहती थी और उसके साथ एक खूबसूरत जिंदगी जीना चाहती थी। लेकिन मुझे कभी ऐसा जीवनसाथी नहीं मिला।

आखिरी बार धनुष के साथ नजर आई थीं नित्या

वर्कफ्रंट की बात करें तो नित्या आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'इडली कड़ाई' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में थे। इसके अलावा वो विजय सेतुपति के साथ 'थलाइवन थलाइवी' में भी नजर आई थीं। हाल ही उन्होंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस भी शुरू किया है।

दुबले-पतले होने के लिए धनुष का उड़ाया गया मजाक इस फिल्म ने बदली जिंदगी; फिर हुई फिटनेस की तारीफ

साउथ के बेहतरीन अभिनेता धनुष अपनी अपकमिंग फिल्म 'कारा' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में, धनुष ने अपने करियर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि करियर की शुरुआत में मजाक उड़ाए जाने के बावजूद उन्हें हमेशा खुद पर भरोसा रहा।

धनुष को दी गई बाइक की नंबर प्लेट

इवेंट में, जब धनुष को उनकी फिल्म 'पोल्लाधवन' की निशानी के तौर पर बाइक की नंबर प्लेट दी गई, तो एक्टर ने उसे वहां मौजूद दर्शकों को दिखाया और मुस्कुराए। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म एक ऐसे शख्स की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक बाइक खरीदने के बाद बेहतर हो जाती है। बाइक चोरी होने के बाद उसकी जिंदगी पूरी तरह से उलट-पुलट हो जाती है। इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी।

कौन सी फिल्म थी टर्निंग पॉइंट

धनुष ने माना कि यह फिल्म उनके करियर का एक अहम मोड़ थी। उन्होंने कहा, 'पोल्लाधवन मेरे लिए एक टर्निंग पॉइंट थी। उससे पहले, लोग मुझे बहुत दुबला-पतला कहते थे। जब मैं अचानक सिक्स-पैक के साथ सामने आया, तो लोगों ने मेरे शरीर के लिए तालियां बजाईं। सीटियां बजाई। यह मेरे लिए एक बहुत ही खास फिल्म थी।'

धनुष के मिले नेशनल अवॉर्ड

इवेंट में धनुष ने कहा 'अगर मैं 2002-2003 के आस-पास लोगों से कहता कि मुझे नेशनल अवॉर्ड मिलेगा, तो शायद सब मुझ पर हंसते। लेकिन मैंने पूरी शिद्दत से यह ठान लिया था कि एक दिन मैं नेशनल अवॉर्ड जरूर जीतूंगा। फिर वह समय आ ही गया।'

धनुष ने फिल्म 'आडुकलम' (2010) में अभिनय के लिए अपना पहला नेशनल अवॉर्ड जीता था। उन्होंने 'असुरन' (2019) के लिए एक और नेशनल अवॉर्ड जीता।

'कारा' के बारे में

फिल्म 'कारा' में, धनुष एक ऐसे डाकू का किरदार निभा रहे हैं जो दिन-दहाड़े बैंकों में डकैती डालता है। फिर अपने किए की सजा भुगतता है। फिल्म के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर काफी तारीफ मिली है। इस फिल्म में मामिता बैजू और सूरज वेंजारामूडु भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कांतारा मिमिकरी विवाद : कर्नाटक हाईकोर्ट ने रणवीर सिंह का माफीनामा कबूल किया

4 हफ्तों के अंदर चामुंडेश्वरी मंदिर जाकर माफी मांगनी होगी

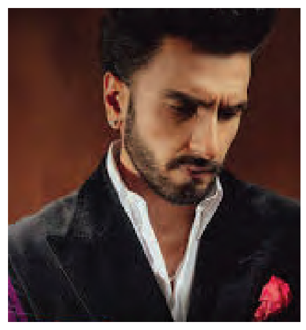

फिल्म कांतारा में दिखाए गए देवता को भूत कहने पर कानूनी पचड़े में फंसे रणवीर सिंह को कर्नाटक हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। आज हुई सुनवाई में कोर्ट ने एक्टर का माफीनामा कबूल कर लिया है, हालांकि शर्त रखी है कि एक्टर 4 हफ्तों के अंदर चामुदेश्वरी मंदिर जाकर माफी मांगें।

25 अप्रैल को रणवीर सिंह ने एफिडेविट में माफीनामा शामिल किया था। तब कोर्ट ने इस पर विचार करने के लिए समय मांगा था, जबकि शिकायत कर्ता का कहना है कि एफिडेविड को सही माफीनामा नहीं समझा जा सकता। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने मौखिक तौर पर रणवीर का माफीनामा कबूल कर केस को रद्द करने की बात कही है। वहीं दूसरी तरफ एक्टर के सामने शर्त रखी कि वो मैसूर के मंदिर जाकर माफी मांगें।

विवाद होने पर भी एक्टर ने मांगी थी माफी

दिसंबर 2025 में विवाद होने के ठीक बाद रणवीर सिंह ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, मेरा इरादा फिल्म (कांतारा) में ऋषभ की शानदार परफॉर्मेंस को उजागर करने का था। एक अभिनेता होने के नाते, मैं जानता हूं कि उस खास सीन को जिस तरह से उन्होंने निभाया, उसके लिए कितनी मेहनत लगती है और इसके लिए मैं उनका अत्यधिक सम्मान करता हू। मैंने हमेशा हमारे देश की हर संस्कृति, परंपरा और आस्था का गहरा सम्मान किया है। अगर मेरी किसी बात से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो मैं दिल से माफी चाहता हूं।

क्या है पूरा विवाद?

रणवीर सिंह बीते साल IFFI (इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया) का हिस्सा बने थे। मंच पर एक्टर ने फिल्म कांतारा में दिखाई गईं चावुंडी (चामुंडा) देवी का मजाक बनाया था।

रणवीर सिंह ने फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर ऋषभ शेट्टी से कहा, 'ऋषभ मैंने इसे (कांतारा) थिएटर में देखा था। वो एक आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस थी, खासकर जब फीमेल घोस्ट (भूत) आपके शरीर में आती है। वो परफॉर्मेंस, वो एक शॉट आउटस्टैंडिंग था।'

फिल्म फेस्टिवल से रणवीर सिंह का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वो मंच से उतरने के बाद भी ऋषभ शेट्टी के सामने चावुंडी देवी की मिमिक्री करते दिखे हैं, हालांकि ऋषभ शेट्टी लगातार इशारा कर उन्हें रोकते नजर आए हैं।

वीडियो सामने आने के बाद एक्टर की जमकर आलोचना हुई, जिसके बाद हाईकोर्ट के वकील प्रशांत मेथल ने बैंगलोर के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन में रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता ने शिकायत में लिखा है कि रणवीर सिंह ने पूजनीय गुलिगा दैव का मजाक बनाया और उन्हें अपमानजनक और मजाकिया ढंग से पेश किया, जिससे हिंदुओं और खासकर तुलु समुदाय से जुड़े लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इससे पहले 2 दिसंबर 2025 को हिंदू जनजागृति समिति ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में रणवीर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने कानूनी कार्यवाही के साथ माफी की भी मांग की थी।

रणबीर कपूर ने नहीं खिंचाई आदित्य रॉय के साथ फोटो : कहा- आदित्य ज्यादा हैंडसम है

बॉलीवुड एक्टर्स रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर हाल ही में मुंबई में एक इवेंट के दौरान साथ नजर आए। इस दौरान दोनों के बीच गजब की बॉन्डिंग देखने को मिली। पैपराजी के सामने रणबीर ने मजाकिया अंदाज में आदित्य के साथ फोटो क्लिक कराने से मना कर दिया।

मुंबई की एक सड़क पर जब दोनों एक्टर्स पैपराजी को पोज दे रहे थे, तब एक फोटोग्राफर ने उनसे साथ में फ्रेम में आने की रिक्वेस्ट की। इस पर रणबीर ने तुरंत मजाकिया अंदाज में कहा, नहीं, इसके साथ नहीं, ये बहुत हैंडसम है।₹ रणबीर की यह बात सुनकर आदित्य हंस पड़े और उन्होंने हल्के से रणबीर को धक्का मारा।

11 साल पुरानी है ऑन-स्क्रीन दोस्ती

रणबीर और आदित्य की दोस्ती काफी पुरानी है। फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में रणबीर ने 'बनी' और आदित्य ने उनके सबसे अच्छे दोस्त 'अवि' का किरदार निभाया था। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण और कल्कि केकलां भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। ऑफ-स्क्रीन भी दोनों अक्सर साथ में समय बिताते नजर आते हैं।

'रामायण' की तैयारी में जुटे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर फिलहाल नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। वे फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। करीब 4000 करोड़ के बजट में बन रही इस फिल्म में साई पल्लवी, सनी देओल और यश जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में रिलीज होने की संभावना है।

आदित्य का अगला प्रोजेक्ट 'रक्त ब्रह्मांड'

दूसरी ओर, आदित्य रॉय कपूर जल्द ही वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगे। इसे राज एंड डीके बना रहे हैं। इस सीरीज में उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु और अली फजल भी होंगे। यह एक फंतासी एक्शन सीरीज है, जिसकी कहानी एक काल्पनिक साम्राज्य के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

'इंस्पेक्टर अविनाश' बन सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

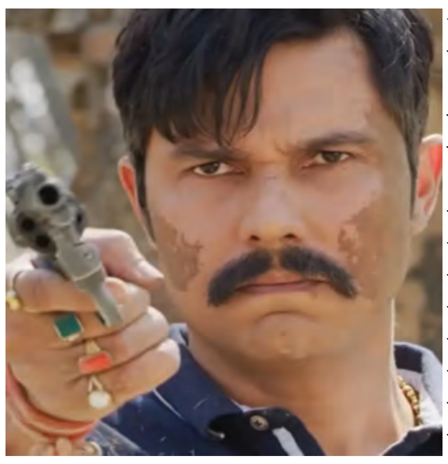

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं। जानिए सीरीज से जुड़ी पूरी जानकारी।

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलोग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं- 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।'

वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा- 'यूपी का महाकाल, इस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज?

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है।

सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। जल्द ही ये हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 'धुरंधर' पर दी सफाई : कहा- नकली और झूठी फिल्म वाले बयान को गलत तरीके से पेश किया

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने धुरंधर 2 की रिलीज के समय दिए गए अपने नकली और झूठी फिल्मों वाले बयान पर सफाई दी है। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने साफ किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और उनका निशाना कोई खास फिल्म या एक्टर नहीं था। नवाजुद्दीन ने एक इंटरव्यू में कहा कि जब वे फिल्मों की कमियों के बारे में बात करते हैं, तो वे किसी हालिया रिलीज या खास प्रोजेक्ट को टारगेट नहीं करते।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इशारा 70 और 80 के दशक से चली आ रही फिल्म मेकिंग की तरफ था। नवाज के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरती यही है कि यहां हर तरह के सिनेमा के लिए जगह है।

बड़ी फिल्मों के खर्चे और छोटे बजट का गणित

अपनी नई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' का उदाहरण देते हुए नवाज ने बजट के अंतर को समझाया। उन्होंने कहा, एक तरफ 'धुरंधर' जैसी बड़ी फिल्में हैं जो करोड़ों का बिजनेस करती हैं और जिन्हें लाखों लोग देखते हैं। दूसरी तरफ मेरी जैसी फिल्में हैं जो बहुत कम बजट में बनती हैं।₹ नवाज ने कहा कि जितने पैसे में बड़ी फिल्मों का एक दिन का खर्चा निकलता है, उतने में उनकी पूरी फिल्म तैयार हो जाती है।

क्या था पूरा मामला?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक पुराने इंटरव्यू में नवाज ने कहा था कि आजकल 'नकली और झूठी' फिल्में बन रही हैं, जिनमें केवल प्रचार का सहारा लिया जाता है। उन्होंने कहा था कि मनगढ़ंत कहानियां गढ़ी जा रही हैं और एक खास नैरेटिव सेट किया जा रहा है। चूंकि यह बयान फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज और चर्चा के समय आया था, इसलिए लोगों ने इसे सीधे रणवीर सिंह और डायरेक्टर आदित्य धर से जोड़कर देखना शुरू कर दिया था।

रणवीर सिंह का समर्थन किया

सोशल मीडिया पर अक्सर रणवीर सिंह की 'मेथड एक्टिंग' का मजाक बनाया जाता है, लेकिन नवाज इसके समर्थन में खड़े दिखे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में गहराई में न जाने को 'कूल' मान लिया जाता है, जो गलत है। नवाज ने जोर देकर कहा कि एक्टिंग के लिए पढ़ाई, अभ्यास और गंभीरता बहुत जरूरी है। उन्होंने रणवीर जैसे एक्टर्स की तारीफ की जो किरदार में पूरी तरह डूब जाते हैं।

महिला आयोग की सुनवाई में पहुंचे संजय दत्त

'सरके चुनर' विवाद पर मांगी माफी; बोले- 'गाने का मतलब पता नहीं था'

फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' काफी विवादों में रहा है। इसके सीन्स और लिरिक्स पर लोगों ने विरोध जताया, जिसके बाद यूट्यूब से इसे हटा लिया गया। मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संजय दत्त को समन जारी किया था। एक्टर आज सोमवार को 'सरके चुनर' गाने को लेकर हुए विवाद से जुड़ी सुनवाई में शामिल होने के लिए दिल्ली के जसोला स्थित राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) पहुंचे। यहां उन्होंने माफी मांगी।

अश्लीलता को लेकर जारी हुआ था समन

अभिनेता संजय दत्त को 'सरके चुनर तेरी सरके' गाने में कथित अश्लीलता और फूहड़पन को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने समन जारी किया था। इसके बाद अभिनेता आज राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए। उन्होंने आयोग के सामने कहा कि उन्हें गाने के आपत्तिजनक शब्दों की जानकारी नहीं थी। यह गाना किसी और भाषा में रिकॉर्ड किया गया था।

क्या संजय दत्त को पता था कि लिरिक्स ऐसे हैं?

संजय दत्त जब सुनवाई के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग के दफ्तर से बाहर निकले तो पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि आपको समन जारी किया गया था। क्या यह गाना करने से पहले आपको पता था कि इसके लिरिक्स ऐसे हैं? हालांकि, संजय दत्त ने किसी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और वे सीधे अपनी कार में जाकर बैठ गए।

संजय दत्त ने महिला आयोग से माफी मांगी

अभिनेता संजय दत्त के वकील हेमंत शाह ने कहा, 'संजय दत्त आज राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुए। महिलाओं और आयोग के प्रति अपने गहरे सम्मान के चलते उन्होंने कहा कि उन्हें गाने के लिरिक्स के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद, बिना किसी शर्त के उन्होंने माफी मांगी है और साथ ही अपनी मर्जी से आदिवासी समुदाय के 50 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने की पेशकश भी की है। उन्होंने बताया कि जब यह गाना रिकॉर्ड किया गया था, तब इसे किसी दूसरी भाषा में रिकॉर्ड किया गया था'।

कब रिलीज होगी साउथ फिल्म 'केडी'?

कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' का गाना 'सरके चुनर' संजय दत्त और नोरा फतेही पर फिल्माया गया। इस गाने का हिंदी वर्जन रिलीज के बाद से ही विवादों में घिर गया। सोशल मीडिया पर भी इसकी जमकर आलोचना हुई। लोगों का कहना था कि गाने के बोल बहुत अश्लील और आपत्तिजनक हैं। हंगामे के बाद इस गाने को सभी प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया गया। साउथ फिल्म 'केडी द डेविल' 30 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में ध्रुव सरजा, किच्चा सुदीप, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी और नोरा फतेही जैसे सितारे हैं।

पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के देर से दिखते संकेत

प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों की पौरुष ग्रंथि (प्रोस्टेट) में होने वाला एक कैंसर है। पौरुष ग्रंथि एक छोटी अखरोट के आकार की ग्रंथि है जो वीर्य उत्पादित करती है जिससे शुक्राणु ट्रांसपोर्ट होते हैं। प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाला सबसे आम कैंसर है। यह आम तौर पर धीरे धीरे बढ़ता और शुरुआत में पौरुष ग्रंथि तक ही सीमित रहता है जहाँ ये कोई गंभीर नुक्सान नहीं पहुंचाता। प्रोस्टेट कैंसर का निदान शुरुआत में ही हो जाये तो (जब वो पौरुष ग्रंथि तक ही सीमित होता है) ऐसे में उपचार के सफल होने की ज़्यादा सम्भावना होती है।

ज़रूरी नहीं है कि पौरुष ग्रंथि की कोई भी असामान्यता प्रोस्टेट कैंसर ही है।

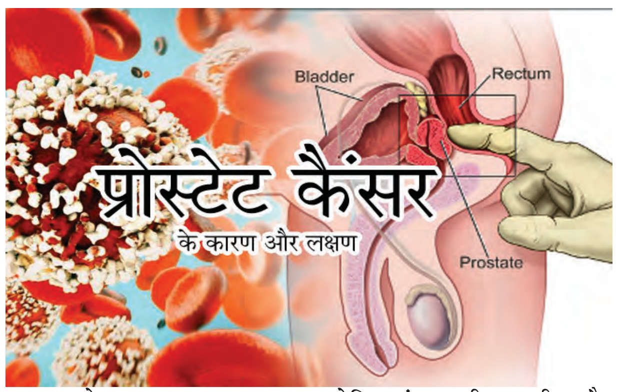

प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण

अलग अलग लोगों में कैंसर के अलग अलग लक्षण पाए जाते हैं। कुछ पुरुषों में कोई भी लक्षण नहीं मिलते। प्रोस्टेट कैंसर के कुछ लक्षण निम्न हैं:

मूत्रत्याग शुरू करने में परेशानी

मूत्र का प्रवाह बाधित होना

बार बार पेशाब आना, खासकर रात में

मूत्राशय को पूरी तरह से खाली करने में कठिनाई

मूत्रत्याग करने में दर्द या जलन महसूस होना

मूत्र या वीर्य में खून आना

पीठ, कूल्हों या श्रोणि में दर्द जो ठीक न हो

स्खलन में दर्द

कोई भी लक्षण दिखने पर अपने डॉक्टर को अवश्य दिखाएं। ध्यान दें कि यह लक्षण कैंसर के अलावा किसी और असामान्यता के कारण भी हो साकेत हैं।

प्रोस्टेट कैंसर के कारण

प्रोस्टेट कैंसर क्यों होता है?

यह स्पष्ट नहीं है कि प्रोस्टेट कैंसर किस कारण से होता है। डॉक्टर्स को इतना पता है कि प्रोस्टेट कैंसर प्रोस्टेट की कुछ कोशिकाओं में असामन्यता होने से शुरू होता है। असामन्य कोशिकाओं के डीएनए में म्यूटेशंस की वजह से सामान्य कोशिकाओं की तुलना में यह कोशिकाएं जल्दी बढ़ती और विभाजित होती हैं। इस वजह से असामन्य कोशिकाएं जीवित रहती हैं और अन्य नष्ट होती जाती हैं। ये असामान्य कोशिकाएं एक ट्यूमर बनाती हैं जो बढ़कर आसपास के ऊतकों पर हमला करता है।

कुछ असामान्य कोशिकाएं बढ़कर शरीर के अन्य अंगों में भी फ़ैल सकती हैं।

निम्न कारक प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को बढ़ाते हैं:

वृद्धावस्था - उम्र के साथ प्रोस्टेट कैंसर होने का जोखिम भी बढ़ता है।

अनुवांशिक परेशानी - अगर आपके परिवार में किसी प्रोस्टेट कैंसर या ब्रैस्ट कैंसर है या रह चुका है, तो आपको प्रोस्टेट कैंसर होने का खतरा ज़्यादा है।

मोटापा - मोटापे से ग्रस्त पुरुषों में इस बीमारी के ज़्यादा गंभीर होने की सम्भावना रहती है जिसका उपचार किया जाना मुश्किल हो जाता है।

प्रोस्टेट कैंसर से बचाव

प्रोस्टेट कैंसर से कैसे बचें?

निम्न बातों का ध्यान रखकर प्रोस्टेट कैंसर होने की सम्भावना को घटाया जा सकता है।

स्वस्थ आहार खाएं - ज़्यादा से ज़्यादा फल और सब्ज़ियां खाएं। फलों और सब्ज़ियों से कई विटामिन और खनिज मिलते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। वसा-युक्त भोजन का सेवन न करें। आप प्रोस्टेट कैंसर से आहार के माध्यम से बच सकते हैं या नहीं यह पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं हुआ है। लेकिन स्वस्थ आहार से सम्पूर्ण स्वास्थ्य स्थिति को बेहतर करने में मदद मिलती है।

व्यायाम करें - व्यायाम से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। ऐसा पाया गया है कि जो पुरुष व्यायाम नहीं करते उनका पीएसए लेवल ज़्यादा होता है जबकि जो पुरुष व्यायाम करते हैं उनमें इसका कम जोखिम रहता है।

स्वस्थ वज़न बनाये रखें - जिन पुरुषों का वज़न ज़्यादा होता है उनमें किसी भी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। कोशिश करें कि आपका वज़न स्वस्थ बना रहे।

भीषण गर्मी ने बिगाड़े हालात तो किडनी की बीमारियों को लेकर अलर्ट

देश के कई हिस्सों में पारा 40 से भी पार जा रहा है, जिसे देखते हुए दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इस तपती गर्मी में सेहत को लेकर खास सावधानी बरतते रहने की सलाह दे रहे है।

सड़कें तप रही हैं, दोपहर होते ही लू की लपटें चलनी शुरू हो जाती हैं। लू और गर्मी न सिर्फ लोगों के लिए कामकाज में मुश्किलें बढ़ाती जा रही है साथ ही इसका सेहत पर भी गंभीर असर पड़ने का खतरा रहता है। तापमान जैसे-जैसे 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचता है, ऐसे में शरीर की सामान्य तापमान नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। ये हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देता है।

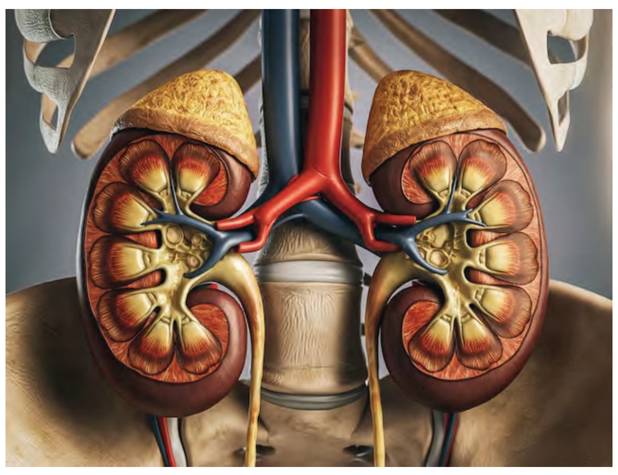

डॉक्टर कहते हैं, बढ़ती गर्मी लू लगने का खतरा तो बढ़ा ही रही है साथ ही ये स्थिति किडनी के लिए भी काफी खतरनाक हो सकती है। आइए जानते हैं किन लोगों को इन दिनों किडनी की सेहत को लेकर विशेष अलर्ट हो जाना चाहिए?

कुछ लोगों में गर्मी के प्रकोप के कारण किडनी की समस्याओं यहां तक कि किडनी फेलियर तक का खतरा हो सकता है।

गर्मी बिगाड़ सकती है किडनी की सेहत

बढ़ते तापमान में लू लगने का सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है जो दिन के समय घर से बाहर काम करते हैं। निर्माण कार्य करने वाले मजदूर, डिलीवरी करने वाले लोग, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, किसान और सफाई कर्मचारियों में लू और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं का खतरा अधिक होता है।

किन्हें ज्यादा जोखिम

लगातार गर्मी के संपर्क में रहने से पसीना ज्यादा आता है, जिसके कारण शरीर से काफी मात्रा में तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकल जाते हैं। अगर शरीर में पानी की इस कमी को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेकर पूरा न किया जाए, तो डिहाइड्रेशन की समस्या पैदा हो जाती है। डिहाइड्रेशन के कारण किडनी समेत शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त संचार घट सकता है।

लंबे समय तक गर्मी के संपर्क और डिहाइड्रेशन के कारण, किडनी में पथरी और मूत्र संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। डायबिटीज या हाई बीपी के शिकार हैं या फिर किडनी की बीमारियों की फैमिली हिस्ट्री रही है उन्हें किडनी की समस्याओं का जोखिम ज्यादा होता है।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या उपाय करें?

गर्मी के कारण किडनी को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शरीर में पानी की कमी न होने देना सबसे जरूरी है। बाहर काम करते हैं तो प्यास न लगने पर भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। नियमित अंतराल पर छायादार या ठंडी जगहों पर आराम करें ताकि शरीर का तापमान कंट्रोल रहे। हल्के, कॉटन वाले और हवादार कपड़े पहनने चाहिए। गर्मी के सीधे संपर्क से बचने के लिए छाता, टोपी और सनस्क्रीन जैसी चीजें बहुत जरूरी हैं।

गर्मियों में लहसुन के सेवन का सही तरीका

गर्मियों में लहसुन को अपनी डाइट में से पूरी तरह से हटाने की बजाय इसके सेवन के तरीके में बदलाव करें। इससे गर्मियों में भी लहसुन के गुणों का लाभ उठाया जा सकता है।

लहसुन की मात्रा सीमित रखें- दिन में लहसुन के सिर्फ एक या दो छोटे टुकड़े ही खाएं, खासकर कच्चा लहसुन ज्यादा मात्रा में न खाएं।

पका हुआ लहसुन कच्चे से बेहतर- लहसुन को पकाने से इसका स्वाद हल्का हो जाता है और यह पचने में भी आसान होता है। दाल, सब्जी और करी जैसी रेसिपी में लहसुन का उपयोग किया जा सकता है।

ठंडी चीजों के साथ मिलाकर खाएं- गर्मियों में लहसुन को ठंडी चीजों के साथ मिलाकर खाने से डाइट बैलेंस हो जाती है। उदाहरण के लिए- लौकी की सब्जी में लहसुन पकाकर खाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। **खाली पेट सेवन न करें-** गर्मियों में सुबह खाली पेट लहसुन खाने से शरीर में गर्मी पैदा हो सकती है इसलिए इसे भोजन के साथ खाएं। **पर्याप्त पानी पिएं-** गर्मियों में अगर लहसुन का सेवन कर रहे हैं तो शरीर में पानी की कमी न होने दें। ऐसा करके इसकी गर्मी को संतुलित किया जा सकता है, साथ ही डिहाइड्रेशन की स्थिति से भी बचा जा सकता है।

शरीर की प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दें- गर्मियों में लहसुन के सेवन से यदि एसिडिटी, जलन या स्किन पर फोड़े जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसका सेवन सीमित कर दें या इस मौसम के लिए बंद कर दें।

बढ़ती गर्मी कहीं आपको भी न कर दे बीमार स्वस्थ रहने के लिए क्या खाएं और क्या नहीं?

कई दिनों से पारा लगातार 40 या उसके आसपास बना हुआ है। इस तरह की गर्मी हमारी सेहत के लिए बड़ी मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट में हमने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए डॉक्टर किडनी की बीमारियों को लेकर अलर्ट कर रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों थोड़ी सी लापरवाही लू लगने का कारण बन सकती है।

तापमान बढ़ने के साथ शरीर का प्राकृतिक संतुलन प्रभावित होने लगता है। शरीर गर्मियों से खुद की रक्षा के लिए अधिक पसीना निकलता है, जिससे पानी और जरूरी मिनरल्स तेजी से कम होने लगते हैं। यही कारण है कि गर्मियों में डिहाइड्रेशन, हीटस्ट्रोक, लो ब्लड प्रेशर, थकान-चक्कर आने जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं।

गर्मी का ये मौसम पेट संबंधी समस्याओं जैसे संक्रमण, फूड पॉइजनिंग के खतरे को भी बढ़ा देता है। खान-पान को लेकर असावधानी से ये जोखिम काफी ज्यादा बढ़ जाता है। आइए जान लेते हैं कि इस मौसम में क्या चीजें खानी चाहिए और क्या नहीं?

गर्मियों में खान-पान को रखें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि गर्मियों में खानपान को लेकर सावधानी बहुत जरूरी है। तला-भुना, मसालेदार, बहुत ज्यादा मीठा, कोल्ड ड्रिंक्स और जंक फूड्स आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अक्सर लोग शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स पीते रहते हैं, पर असल में ये शरीर को राहत देने के बजाय शुगर लेवल और वजन बढ़ाने का कारण बन सकता हैं।

हाई-फैट और प्रोसेस्ड फूड पाचन प्रक्रिया को धीमा करते हैं, जिससे एसिडिटी, अपच महसूस होती है।

ज्यादा नमक वाला भोजन शरीर से पानी की कमी बढ़ा सकता है।

मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, दही का सेवन करें, ये शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

गर्मियों में कैसा होना चाहिए खानपान?

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार गर्मियों में खूब पानी पाते रहना और पानी से भरपूर फलों-सब्जियों का सेवन जरूरी है।

तरबूज में लगभग 90 प्रतिशत पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

खीरा, ककड़ी, खरबूजा और संतरे भी आपको हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं।

दही, छाछ और नारियल पानी प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स का अच्छा स्रोत हैं। ये शरीर में पानी की कमी पूरी करने में सहायक हैं।

घर का बना हल्का भोजन पाचन को ठीक रखने का सबसे बेहतर विकल्प हैं।

अंकुरित अनाज, मौसमी फल और हल्का प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देते हैं और आपको सेहतमंद रखते हैं।

गर्मियों में क्या नहीं खाना चाहिए

गर्मियों में बहुत ज्यादा तला-भुना, मसालेदार और तेल वाली चीजें कम खानी चाहिए। ऐसे भोजन पाचन पर नकारात्मक असर डालते हैं।

ज्यादा कैफीन वाली चीजें जैसे चाय, कॉफी और एनर्जी ड्रिंक्स मूत्रवर्धक होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकते हैं।

बहुत ज्यादा ठंडी चीजें गले और पाचन की गड़बड़ी बढ़ा सकती हैं।

पैकेज्ड जूस, सोडा और मीठे पेय पदार्थों की जगह सादा पानी, छाछ और नारियल पानी बेहतर विकल्प हैं।

गर्मियों में बासी खाना, खुले में रखी चीजें बिल्कुल न खाएं। इससे फूड पॉइजनिंग का खतरा हो सकता है।

आयुर्वेदिक में आंव व पेट दर्द का उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है मेरे पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर मैंने लिपिड प्रोफाइल कराई थी उसमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर काफी बढ़ा हुआ(535mg/dl) था। कृपा करें ऐसे उपाय बताएं कि मैं इसे कंट्रोल कर सकूं।

- वेद प्रकाश शर्मा , सिकंदराबाद

उत्तर : सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति के खून में ट्राइग्लिसराइड्स 150 मिलीग्राम/ डेसी लीटर से कम रहना चाहिए । आपका ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर निश्चित रूप से सामान्य से अधिक हैं । खानपान में सावधानियां बरतने से आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

पहले आप भोजन की मात्रा कम करें। जिन खाद्य पदार्थों में अधिक कैलोरी मिलती है उसको पूरा बंद करें। तले पदार्थ, मिठाईयां, फास्ट फूड ,जंक फूड , आ लू टिक्की, पिज़्ज़ा, ब ग ´ र , पकोड़े, समोसे, छोले भटूरे, कचौड़ी, पूरी, मठरी, दूध के पदार्थ, घी , मलाई आदि को बंद करें । फल, हरी सब्जियां, सलाद, लहसुन, अलसी के बीजों की बनी हुई सूखी चटनी, छिलकेदार दालें , चोकर युक्त आटे की रोटी या फुल्के, इसबगोल आदि का प्रयोग करें। नित्य कसरत करें। प्रातः काल पहले तेज पैदल चलें। एरोबिक्स करें। नृत्य करें । तैरे, जो भी व्यायाम आप कर सकते हैं, अवश्य करें । भोजन के पहले और बाद में गुनगुना पानी पिया करें । ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु, शुद्ध गुग्गुलु के संग ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट और त्रिफलारिष्ट के10-10 मिलीलीटर दवा को गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में हल्का बनाता है और चर्बी का क्षय होता है। सर्दियों में सरसों के तेल की मालिश की जाती है जो चर्बी को नियंत्रण में रखती है। उपरोक्त दवाओं के संग कसरत करने से पूरा पूरा लाभ मिलता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- रघुनाथ राव,करीमनगर

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : क्या आयुर्वेद में शिशुओं के लिए अच्छे टॉनिक है जो उनके शरीर का समुचित विकास कर सके?

-श्रीमती साधना वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : आयुर्वेद का एक अंग कौमारभृत्य शिशुओं की उचित देखभाल एवं उनकी चिकित्सा को ही समर्पित है। आयुर्वेद का प्राचीन ग्रंथ काश्यप संहिता पेडियाट्रिक्स यानी कौमारभृत्य को समर्पित ग्रंथ है। शिशुओं की दवा सुपाच्य, सरल और मीठी होना आवश्यक है। प्राचीन काल से ही गुडूची, सौंफ, भृंगराज, पिप्पली,कालमेघ ,भूमिआमलकी, अश्वगंधा, एला, पुनर्नवा आदि का प्रयोग शिशु चिकित्सा में होते रहा है। ऊंझा अरविंदासव शैशवावस्था कि एक अप्रतिम टॉनिक है। ऊंझा का ₹शिशु साथी₹ बच्चों के विकास को बढ़ाने वाली अपूर्व दवा है। औरा का ₹बेबीबून₹ सैरप भी एक ऐसी ही बेहतरीन औषधी है । शिशु शरीर की मा लि श के लिए ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) एक कामयाब नुस्खा है। इससे रिकेट्स या हड्डियों का पोलापन समाप्त होता है। और शिशु शरीर का सही ढंग से विकास होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

पतंजलि ने दिखाई 'चंदन वन' की राह, इस करिश्मे से योगी भी हैरान, पहाड़ से पलायन रोकने की है 'मॉडल' में ताकत

*** पतंजलि के प्रयोग से उत्तर भारत में चंदन की खेती को मिली दिशा**

***बंजर जमीन पर तैयार 'चंदन वन' देख सीएम योगी भी हुए हैरान**

*** किसानों के लिए हाई-वैल्यू फसल के रूप में उभर रहा यह मॉडल**

हरिद्वार : देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। उत्तराखंड में पतंजलि की ओर से विकसित 'चंदन वन' मॉडल ने साबित किया है कि अनुकूल परिस्थितियों में उत्तर भारत में भी चंदन की सफल खेती संभव है। प्रदेश के कई जिलों में इसके सकारात्मक उदाहरण सामने आ चुके हैं।

हरिद्वार स्थित पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने करीब दो दशक पहले चंदन की खेती पर प्रयोग शुरू किए थे। उस समय उत्तर भारत में इसकी खेती लगभग न के बराबर थी। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों पर किए गए अध्ययन में सकारात्मक परिणाम मिले, जिसके बाद राज्य के कई जिलों में किसानों और निजी संस्थाओं ने इस मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया।

विशेषज्ञों के अनुसार चंदन एक अर्ध-परजीवी वृक्ष है, जिसकी वृद्धि के लिए अन्य पौधों की जड़ों से पोषण आवश्यक होता है। इसलिए इसकी खेती वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन पर निर्भर करती है।

आचार्य बालकृष्ण ने अब से कई वर्ष पहले उत्तराखंड के मणिकूट पर्वत पर चंदन की मौजूदगी से जुड़े एक समाचार को पढ़ने के बाद इसकी संभावनाओं की पड़ताल की। दरअसल, समाचार में जिक्र था कि मणिकूट पर्वत की पहाड़ियों पर कभी चंदन होता था और इसे नदी के रास्ते यूपी के कन्नौज तक भेजा जाता था। इसकी सत्यता जानने के लिए आचार्य बालकृष्ण और उनकी टीम निकली। वैज्ञानिक जांच-पड़ताल के बाद बाद यह बात सामने आई कि चंदन के पेड़ की मौजूदगी इस क्षेत्र में रही है लेकिन गिनती भर की। उन्होंने हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में चंदन के पौधे लगाने का निर्णय लिया।

पतंजलि औषधीय उद्यान में लगाए गए पौधे कुछ ही वर्षों में विकसित होकर 'चंदन वन' के रूप में बदल गए। इसके बाद पौड़ी जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह प्रयोग सफल रहा। इस पहल ने उत्तराखंड में चंदन की खेती की संभावनाओं को मजबूत आधार दिया। जिससे 'चंदन वन' यानि चंदन की खेती को हाई-वैल्यू फसल के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तराखंड का पलायन रोक सकता है 'चंदन वन'

उत्तराखंड में बढ़ते पलायन को रोकने के लिए आचार्य बालकृष्ण ने इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन विजन 2047 आईआईटी रुड़की में अपना स्पष्ट 'विजन' रखा। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में लोग पहाड़ छोड़ रहे हैं, जबकि स्थानीय संसाधनों के सही उपयोग से यहीं समृद्धि लाई जा सकती है।

उन्होंने यमकेश्वर ब्लॉक का एक अनुभव साझा किया। कुछ वर्ष पहले वे वहां की पहाड़ियों में पहुंचे, जहां बड़े हिस्से में जमीन बंजर और सूखी पड़ी थी। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के उद्देश्य से उन्होंने जलवायु के अनुरूप चंदन सहित अन्य पौधों का रोपण शुरू कराया। शुरुआती प्रयासों के बाद धीरे-धीरे यह प्रयोग सफल हुआ और कुछ ही वर्षों में वही क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया।

इसी क्रम में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक क्षेत्र यमकेश्वर पहुंचे, जहां आचार्य बालकृष्ण ने उन्हें वह इलाका दिखाया। यह वही भूमि थी, जिसे पहले अनुपयोगी और बंजर माना जाता था, लेकिन अब वहां 'चंदन वन' और घनी हरियाली विकसित हो चुकी थी। इस परिवर्तन को देखकर योगी आदित्यनाथ कुछ क्षणों के लिए ठिठक गए, रोमांचित हो उठे और अचंभित रह गए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जहां कभी कुछ उगता नहीं था, वहां आज इतनी समृद्ध हरियाली देखना अविश्वसनीय है। आचार्य बालकृष्ण ने इस उदाहरण के माध्यम से बताया कि यदि इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो न केवल बंजर भूमि को उपयोगी बनाया जा सकता है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। चंदन की खेती कम भूमि में की जा सकती है, जो 10–15 वर्षों में तैयार होकर प्रति पेड़ लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये तक का लाभ दे सकती है। उनका मानना है कि इस तरह के प्रयास पहाड़ों में स्थायी आजीविका के नए अवसर पैदा करेंगे और पलायन को प्रभावी रूप से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका की तरफ बढ़ रहे 60 बड़े कंटेनर, इतिहास में पहली बार हो रहा ऐसा

नई दिल्लीः ईरान युद्ध से कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है। इसे इतिहास के सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। इस बीच अमेरिका से तेल के एक्सपोर्ट में काफी तेजी आई है। ईरान युद्ध के बाद से अमेरिका से कच्चे तेल का निर्यात रोजाना 2.5 मिलियन बैरल बढ़ गया है। अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए यह साल सबसे प्रॉफिटेबल होने जा रहा है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। दुनिया में अमेरिकी तेल की डिमांड बढ़ रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 60 से अधिक क्रूड ऑयल कंटेनर अमेरिका की तरफ बढ़ रहे हैं। अमेरिका के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है जब इतनी बड़ी संख्या में कंटेनर तेल लेने के लिए अमेरिका आ रहे हैं। पिछले हफ्ते अमेरिका ने रोजाना 12.9 मिलियन बैरल कच्चे तेल का निर्यात किया। यूएस ऑयल प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट रेकॉर्ड 8.1 मिलियन बैरल पहुंच गया है। जनवरी 2022 से अमेरिका से एक्सपोर्ट होने वाला क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम का एक्सपोर्ट दोगुना हो चुका है।

एशिया-यूरोप में हाहाकार

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से खासकर एशियाई और यूरोपीय देशों में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। दुनिया का करीब 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है। लेकिन सप्लाई बंद होने के कारण खासकर एशिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की राशनिंग शुरू हो गई है। अस्पतालों में मेडिकल सप्लाई का संकट खड़ा हो गया है। लोग प्लास्टिक बैग्स की होर्डिंग कर रहे हैं और फैक्ट्रीज में पैकेजिंग की भारी किल्लत हो गई है। इसी तरह यूरोप में भी कुछ ही हफ्तों का जेट फ्यूल रह गया है। यूरोपियन यूनियन ने पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए लोगों को घर से काम करने की सलाह दी है।

तेल का खेल

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है इसे दुनिया के इतिहास के सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है इससे एशिया और यूरोप के कई देशों में हाहाकार मचा हुआ है अमेरिका से तेल निर्यात रोजाना 2.5 मिलियन बैरल बढ़ गया है

अमेरिकी कंपनियों की चांदी

ये देश एनर्जी के लिए वैकल्पिक स्रोतों को तलाश रहे हैं और अमेरिका की चांदी हो रही है। कच्चा तेल अभी 106 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेड कर रहा है। जानकारों का कहना है कि अगर कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल पर बना रहता है तो अमेरिका की बड़ी तेल कंपनियों को सालाना 100 अरब डॉलर का अतिरिक्त फायदा होगा। अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए इससे बेहतर प्रॉफिटेबल कंडीशंस कभी नहीं रही। सकि ईरान युद्ध से अमेरिकी कंपनियां जमकर कमाई कर रही हैं।

एपल के नए सीईओ जॉन टर्नस, हार्डवेयर इंजीनियरिंग जगत में 'मशीनों के जादूगर' कहे जाते हैं

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नब्बे का दशक था और जगह थी पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी का कैंपस। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ने वाले एक छात्र ने ऐसी मशीन बनाई, जिसकी मदद से वे लोग अपने हाथों का इस्तेमाल किए बिना खाना खा सकें, जो शारीरिक रूप से अक्षम थे। मशीन का नाम था-मैकेनिकल फीडिंग आर्म।

यह मशीन सिर की हलचल से नियंत्रित होती थी। कुछ साल बाद, जब वह एक बड़ी टेक कंपनी में बतौर जूनियर इंजीनियर शामिल हुआ, तो उसे एक कंप्यूटर मॉनिटर के पिछले हिस्से का स्क्रू डिजाइन करने का छोटा-सा काम मिला। एक बार वह इंजीनियर आधी रात के बाद भी जगा हुआ था। यह काम को आदर्श ढंग से यानी परफेक्शन के साथ निपटाने का उसका जुनून ही था, जो वह मैग्नीफाइंग ग्लास को हाथ में लेकर आधी रात को पेंच की लकीरें गिन रहा था। उसकी सादगी ऐसी कि प्रमोशन के बाद मिले आलीशान प्राइवेट केबिन के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया। उसने कहा कि वह अपने साथियों के साथ ही काम करेगा। यह वही शख्स था, जिसने एपल आईपैड की हर पीढ़ी, एयरपॉड्स की दुनिया और आईफोन के क्रांतिकारी बदलावों को अपनी देखरेख में मुकम्मल किया।उसकी इंजीनियरिंग की समझ इतनी गहरी थी कि सहकर्मी उसे 'इंजीनियरों का इंजीनियर' कहने लगे। वर्षों तक पर्दे के पीछे रहकर आईफोन और मैक जैसे उत्पादों को तराशने वाला जॉन टर्नस आज पूरी दुनिया की सुर्खियों में है। जॉन टर्नस के आज चर्चा में होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि एपल ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि टिम कुक के पद छोड़ने के बाद, एक सितंबर, 2026 से टर्नस कंपनी के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कमान संभालेंगे। टर्नस, तीन दशकों से भी ज्यादा समय में एपल के पहले ऐसे सीईओ होंगे, जो हार्डवेयर पृष्ठभूमि से आए हैं। टर्नस केवल एक हार्डवेयर विशेषज्ञ ही नहीं हैं, बल्कि उनके पास इस बात का गहरा विजन है कि सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर की सेवा कैसे करनी चाहिए।

शेयर बाजार में बढ़त; सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा, निफ्टी 24000 के पार

मुंबई,27 अप्रैल(एजेंसियां)। लगातार तीन कारोबारी सत्रों की भारी गिरावट के बाद, सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने जोरदार वापसी की है। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक संकेतों और रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा जैसे दिग्गज शेयरों में भारी खरीदारी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई। यह रिकवरी निवेशकों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जो पिछले सप्ताह बाजार की भारी गिरावट से चिंतित थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक या 0.83 प्रतिशत की छलांग लगाकर 77,303.63 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारी दिन के दौरान यह 755.83 अंक तक ऊपर जाकर 77,420.04 के उच्च स्तर को छू गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 194.75 अंक या 0.81 प्रतिशत चढ़कर 24,092.70 के स्तर पर बंद हुआ। यह तेजी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कारोबारी सत्र (शुक्रवार) को सेंसेक्स में 999.79 अंकों (1.29%) और निफ्टी में 275.10 अंकों (1.14%) की भारी गिरावट आई थी। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 और शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों का रुख भी कुल मिलाकर सकारात्मक रहा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, अमेरिका-ईरान वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद और चौथी तिमाहीके शानदार कॉर्पोरेट नतीजों ने शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ाया है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतें अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं और बाजार होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की संभावनाओं पर नजर बनाए हुए है, लेकिन बैंकिंग, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे घरेलू मांग वाले सेक्टर्स ने बाजार की रिकवरी में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, कमजोर वित्तीय नतीजों के बावजूद आईटी सेक्टर अपने आकर्षक वैल्युएशन और लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से निवेशकों को लगातार लुभा रहा है। आगे चलकर बाजार के लिए महंगाई एक बड़ा जोखिम बनी हुई है, जिसके चलते निवेशकों की पैनी नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी ब्याज दर नीति और उसके भविष्य के रुख पर टिकी होगी।लिवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और रिसर्च एनालिस्ट हरिप्रसाद के. के मुताबिक, बाजार में लौटी इस रौनक के पीछे होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अमेरिका और ईरान के बीच संभावित डी-एस्केलेशन (तनाव कम होने) की रिपोर्ट एक बड़ा कारक है।

एक डील ने दौलत में किया 15000 करोड़ का इजाफा, कौन है ये फार्मा 'किंग'?

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय फार्मा सेक्टर की सबसे बड़ी डील होने के बाद सनफार्मा के फाउंडर दिलीप सांघवी की दौलत में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है। ये इजाफा कंपनी के शेयरों में तेजी आने से हुआ है। जैसे ही डील की खबर सामने आई, उसके बाद सनफार्मा के शेयरों में तेजी आनी शुरू हो गई और आंकड़ा 7 फीसदी के पार चला गया। करीब 1 लाख करोड़ रुपए की डील से खरीदी गई अमेरिकी फॉर्मा फर्म ऑर्गेनन को देश की सबसे बड़ी फार्मा डील माना जा रहा है।

उससे पहले सन फार्मा ने रैनबक्सी को अपने नाम किया था। वो भी देश की बड़ी फार्मा डील में शुमार है। लेकिन ऑर्गेनन की डील से सनफार्मा को ग्लोबली काफी फायदा होने की उम्मीद जताई जा रही है। दिलीप सांघवी की दौलत में कितनी बढ़ोतरी देखने को मिली है और मौजूदा समय में कुल कितनी दौलत हो गई है? उससे पहले सन फार्मा ने रैनबक्सी को अपने नाम किया था। लेकिन ऑर्गेनन की डील से सनफार्मा को ग्लोबली काफी फायदा होने की उम्मीद जताई जा रही है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सनफार्मा के शेयरों में कितना इजाफा देखने को मिल रहा है। साथ ही दिलीप सांघवी की दौलत में कितनी बढ़ोतरी देखने को मिली है और मौजूदा समय में कुल कितनी दौलत हो गई है? शेयरों में इजाफे के बाद कंपनी की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन कंपनी की वैल्यूएशन 3,88,715.97 करोड़ रुपए थी। जोकि सोमवार को कारोबारी सत्र के दौरान 4,23,917.44 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसका मतलब है कि कंपनी की वैल्यूएशन में 35,201.47 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। दोपहर 3 बजे के बाद कंपनी की वैल्यूएशन 4,15,962.90 करोड़ रुपए पर देखने को मिल रहा था। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी की वैल्यूएशन में और इजाफा देखने को मिल सकता था। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर्स के आंकड़ों के अनुसार दिलीप सांघवी की नेटवर्थ में 1.6 बिलियन डॉलर यानी 15 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय
सूर्य	मेष	मे	मेष..... 05-11 बजे
चंद्र	कन्या	मे	वृष..... 06-55 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन.. 08-55 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क.... 11-08 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---- 13-20 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या--- 15-26 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---- 17-32 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक. 19-41 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु..... 21-55 बजे
			मकर.... 00-02 बजे
			कुंभ.... 01-52 बजे
			मीन.... 03-31 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय **05-55** सूर्यास्त. **18 -31**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष मंगलवार **28 April 2026**
तिथि - द्वादशी **18-52** तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी **22-36** रात्री तक उप हस्त
योग - व्याघात **21-04** रात्री तक उप हर्षण
करण - बव **06-30** तक उप बालव

विशेष: श्री विष्णु द्वादशी

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-24 से 16-59 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-55 - 07-28	अशुभ	काल	18-31 - 19-59	शुभ
उत्पात	07-28 - 09-04	अशुभ	लाभ	19-35 - 21-24	शुभ
चंचल	09-04 - 10-39	शुभ	उत्पात	21-24 - 22-49	अशुभ
लाभ	10-39 - 12-14	शुभ	शुभ	22-49 - 00-14	अशुभ
अमृत	12-14 - 13-49	शुभ	अमृत	00-14 - 01-38	शुभ
काल	13-49 - 15-24	अशुभ	चंचल	01-38 - 03-03	अशुभ
शुभ	15-24 - 16-59	शुभ	रोग	03-03 - 04-28	शुभ
रोग	16-59 - 18-31	अशुभ	काल	04-28 - 05-55	शुभ

चांदी 278 बढ़कर 2.44 लाख किलो पर पहुंची

10 ग्राम सोना 1.51 लाख का हुआ, इस साल 18 हजार महंगा हो चुका

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 27 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी 278 रुपए महंगी होकर 2,44,103 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,43,825 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 16 रुपए महंगा होकर 1,51,495 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले 23 अप्रैल को इसकी कीमत 1,51,479 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

सोना इस साल 18 हजार और चांदी 14 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है।

31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 10 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इंडिगो के शेयरों में 'टर्बुलेंस'!,यूबीएस ने घटाया टारगेट प्राइस

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। एविएशन सेक्टर में इस वक्त भारी उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया भर में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव, खासकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते विवाद का सीधा असर अब भारतीय शेयर बाजार और आम मुसाफिरों की जेब पर पड़ने लगा है। इसी उठापटक के बीच, विदेशी ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के शेयरों की रेटिंग घटा दी है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि अगर क्रूड 200 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहता है, तो एयरलाइंस के मुनाफे पर भारी दबाव पड़ेगा। इसी को देखते हुए यूबीएस ने वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए ईंधन लागत के अनुमान में क्रमशः 28% और 30% की भारी बढ़ोतरी कर दी है।

जब एयरलाइंस का खर्च बढ़ता है, तो उसका बोझ आखिर में यात्रियों की जेब पर ही पड़ता है। अप्रैल के महीने में भारतीय उड्डयन बाजार में मांग में सुस्ती (डिमांड फटीग) के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं। हवाई किराए में हुई हालिया बढ़ोतरी की वजह से यात्रियों की संख्या में मासिक और सालाना, दोनों आधार पर गिरावट दर्ज की गई है।हालांकि, राहत की बात यह रही कि भारत में अप्रैल 2026 के लिए एटीएफ की कीमतों में सिर्फ 9% की बढ़ोतरी की गई, जबकि मार्च में ग्लोबल स्तर पर इसमें 115% का बेतहाशा उछाल आया था। इसके बावजूद, ब्रोकरेज का मानना है कि फ्यूल सरचार्ज बढ़ने से रेवेन्यू पैसेंजर किलोमीटर की ग्रोथ पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। साफ शब्दों में कहें तो, महंगे टिकटों के कारण आम आदमी अपने हवाई

सफर के प्लान टाल रहा है।

शेयर का क्या है हाल?

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, बाजार में सोमवार, 27 अप्रैल को इंडिगो के शेयरों ने शुरुआती झटके के बाद अच्छी रिकवरी दिखाई और यह 1.4% चढ़कर दिन के उच्चतम स्तर 4,571 रुपये तक पहुंच गया। यूबीएस ने भी अपनी रिपोर्ट में यह साफ किया है कि मजबूत कैश रिज़र्व और बड़े नेटवर्क के कारण इंडिगो अन्य प्रतिद्वंद्वी एयरलाइंस के मुकाबले कहीं बेहतर स्थिति में है। लेकिन बढ़ते खर्च और रुपये की कमजोरी के चलते शेयर का हालिया प्रदर्शन अब थोड़ा कमजोर नजर आने लगा है। अगर शेयर के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें तो इसने अगस्त 2025 में 6,225.05 रुपये का 52-हफ्तों का उच्चतम स्तर छुआ था, जबकि मार्च 2026 में यह लुढ़ककर 3,894.80 रुपये के निचले स्तर पर आ गया था। पिछले एक साल में इस स्टॉक में 15% और पिछले तीन महीनों में 5% की गिरावट आई है, हालांकि पिछले एक महीने में इसने 10% की बढ़त भी हासिल की। अब शेयर बाजार और निवेशकों की निगाहें कल, यानी 28 अप्रैल 2026 को आने वाले इंडिगो के मार्च तिमाही के नतीजों पर टिकी हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आपको ऐसी किसी बीमारी के अस्पष्ट लक्षण महसूस हो सकते हैं जो आपको आज से पहले कभी नही हुई।रात से पहले आपको यह पता चल जाएगा कि यह क्या है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बिटकॉइन में बंपर उछाल 80,000 के करीब पहुंची कीमत, निवेशकों को क्या करना चाहिए?

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिप्टो बाजार में इन दिनों जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन, एक बार फिर अपने ऐतिहासिक स्तर की ओर कदम बढ़ा रही है। सोमवार को बिटकॉइन की कीमतों में तेजी देखी गई और यह 80,000 डॉलर के बेहद करीब पहुंच गया। अप्रैल महीने में अब तक बिटकॉइन ने 16 फीसदी की छलांग लगाई है।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 के बाद यह पहला मौका है जब बिटकॉइन में किसी एक महीने के भीतर दोहरे अंक (डबल-डिजिट) की मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान बिटकॉइन 79,488 डॉलर के उच्च स्तर तक गया, जो 31 जनवरी के बाद इसका सबसे ऊंचा स्तर है। फिलहाल यह 79,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं, दूसरी सबसे बड़ी डिजिटल करेंसी इथेरियम में भी 1.7 फीसदी की मजबूती आई है।

अचानक आई तेजी का तार अंतरराष्ट्रीय राजनीति और खाड़ी देशों के तनाव से जुड़ा है। हाल ही में एक्सियोस की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव में यह शर्त भी शामिल है कि जब तक अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक परमाणु वार्ता को टाल दिया जाए। इस प्रमुख वैश्विक व्यापारिक मार्ग के बंद होने की आशंकाओं ने कच्चे तेल और जोखिम वाले निवेश साधनों में भारी अस्थिरता पैदा कर दी है।

अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे तनाव के कारण क्रूड ऑयल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। ऐसे अनिश्चित माहौल में निवेशक अक्सर बिटकॉइन जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्तियों का रुख करते हैं, जो इस तेजी को बल दे रहा है। इस रैली को केवल भू-राजनीतिक तनाव से ही हवा नहीं मिल रही है, बल्कि बड़े बाजार खिलाड़ियों की ओर से की जा रही भारी खरीदारी भी इसका मुख्य कारण है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, 'स्ट्रेटेजी'ने इस महीने 3.9 बिलियन डॉलर मूल्य के बिटकॉइन खरीदे हैं। पिछले एक साल में यह किसी भी एक महीने में की गई उनकी सबसे बड़ी खरीदारी है।

क्रिप्टो बाजार में यह तेजी बिना सोचे-समझे नहीं आई है, बल्कि यह एक सधी हुई और संतुलित रिकवरी है। उनका कहना है कि अमेरिकी संस्थागत निवेशकों की बाजार में वापसी हुई है। माइकल सेलर की कंपनी 'स्ट्रेटेजी' जैसे बड़े खिलाड़ियों द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से बाजार में बिटकॉइन की उपलब्ध सप्लाई कम हो रही है, जिससे कीमतों को मजबूत आधार मिल रहा है।

इंफोसिस को लगा डबल झटका, 2 लाख करोड़ हुआ साफ

टॉप 10 लिस्ट से भी हुई बाहर

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस हाल के महीनों में निवेशकों के भरोसे की कड़ी परीक्षा से गुजर रही है। कभी शेयर बाजार की ब्लूचिप पहचान रखने वाली यह कंपनी अब भारत की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों की सूची से बाहर हो गई है। मार्केट कैप में तेज गिरावट, कमजोर ग्रोथ गाइडेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव ने निवेशकों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह गिरावट सिर्फ अस्थायी है या आईटी सेक्टर में कोई बड़ा स्ट्रक्चरल बदलाव शुरू हो चुका है।

कंपनी को अभी कुछ ही दिनों में दोहरा झटका लग गया। पहला तो कंपनी को करीब 2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और दूसरा वह टॉप 10 की लिस्ट से बाहर हो गई। भारतीय आईटी सेक्टर की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस इस साल शेयर बाजार में भारी दबाव का सामना कर रही है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 2 लाख करोड़ रुपये घट चुका है, जिसके चलते यह देश की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों की सूची से बाहर हो गई है। मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप लगभग 4।9 लाख करोड़ रुपये रह गया है। ताजा गिरावट की सबसे बड़ी वजह कंपनी का कमजोर आउटलुक रहा। मार्च तिमाही में कंपनी ने 46,402 करोड़ रुपये का रेवेन्यू और 8,501 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो अनुमान से बेहतर था। इसके बावजूद निवेशकों को झटका तब लगा जब कंपनी ने एफवाई27 के लिए सिर्फ 1।5% से 3।5% ग्रोथ का गाइडेंस दिया। रिजल्ट का असर शेयर पर साफ दिखा, जहां एक ही दिन में करीब 7% की गिरावट आई और सालभर में यह गिरावट 30% तक पहुंच गई।

इस बीच भारतीय जीवन बीमा निगम ने टॉप 10 में जगह बना ली, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ भी रैंकिंग में पीछे खिसक गई, जो पूरे आईटी सेक्टर में कमजोरी का संकेत है। एक्सपर्ट का मानना है कि समस्या सिर्फ साइक्लिकल नहीं बल्कि स्ट्रक्चरल है। कंपनियां अब खर्च कम करने, लागत घटाने और वेंडर कंसोलिडेशन पर फोकस कर रही हैं। ऐसे में आईटी कंपनियों के लिए पारंपरिक बड़े डील्स से कमाई का रास्ता धीमा पड़ रहा है। हालांकि, इन्फोसिस एआई और ऑटोमेशन में निवेश कर रही है।

'राजस्थान को वर्ल्ड-क्लास पर्यटन गंतव्य बनाना हमारा लक्ष्य' : डिप्टी सीएम दिया कुमारी

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में आयोजित द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार 2026 का 15वां संस्करण राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का उद्घाटन 27 अप्रैल को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक देशों के 185 से ज्यादा विदेशी टूर ऑपरेटर्स बायर्स के रूप में भाग ले रहे हैं।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य राजस्थान को एक वर्ल्ड-क्लास पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि पर्यटन को "ग्रोथ इंजन" के रूप में विकसित करते हुए सरकार निवेश, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सुमन बिल्ला ने भी भारत में पर्यटन क्षेत्र की तेजी से हो रही प्रगति और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश में पर्यटन का जीडीपी में योगदान बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है।

यह आयोजन फिक्की, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसमें होटल, रिसॉर्ट्स, स्टेट टूरिज्म बोर्ड्स और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियां भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। अगले दो दिनों में 10,000 से अधिक बीटूबी मीटिंग्स आयोजित होंगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूती मिलेगी।

उद्घाटन समारोह में 'एकम – द स्पिरिट ऑफ वननेस' थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारत की विविधता में एकता का संदेश दिया। कथक, मणिपुरी और राजस्थान के लोक नृत्यों के समन्वय ने कार्यक्रम को भव्य सांस्कृतिक पहचान दी।

अनिवार्य एफआईआर का नियम अब भी सख्ती से लागू किया जाना चाहिए : अशोक गहलोत

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलाकाता और मुंबई में हुई घटना के मामले में खबर सामने आई थी कि यहां पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में देरी हुई थी. कोलकाता मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस से भी एफआईआर में देरी होने को लेकर सवाल किया था. ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस थानों में परिवादी की प्राथमिकी अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाने के राजस्थान मॉडल को देशभर में लागू किए जाने की मांग शुक्रवार को फिर दोहराई. इसके साथ ही, गहलोत ने राजस्थान की नई भारतीय जनता पार्टी सरकार से भी मांग की है कि वह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय लागू की गई प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण की नीति को जारी रखे.

कोलकाता और मुंबई में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने में देरी किए जाने से जुड़ी खबरों को साझा करते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पुलिस की लापरवाही के ऐसे उदाहरणों को देखकर ही राजस्थान में हमारी पूर्ववर्ती सरकार ने प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य किया था और व्यवस्था की थी कि यदि थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाए तो पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्राथमिकी दर्ज होगी और थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी.'' गहलोत के अनुसार, ''इसका परिणाम यह हुआ कि थाने में पीड़ितों की सुनवाई होना सुनिश्चित हो गया और अपराधों की शिकायत दर्ज होना शुरू हुई. मीडिया और विपक्षी दलों ने दर्ज प्राथमिकी के आंकड़े बढ़ने को हमारी सरकार के खिलाफ प्रचारित किया जिसका हमें राजनीतिक नुकसान हुआ परंतु मुझे आज भी संतोष है कि इस नीति से तमाम पीड़ितों को न्याय मिलना सुनिश्चित हुआ.''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने केंद्र सरकार के सामने पत्र लिखकर, बैठकों में मांग रखी कि पूरे देश में प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण की नीति लागू की जाए जिससे पीड़ितों को न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके.''

उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने हमारी इस मांग को नहीं माना और आज भी ऐसी स्थिति अलग-अलग राज्यों से सुनने में आती रहती है.'' गहलोत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता लागू करते समय भारत सरकार ने दावा किया था कि अब प्राथमिकी में देरी नहीं होगी लेकिन सच ऐसी घटनाओं के रूप में सबके सामने है. कांग्रेस नेता ने कहा, ''मैं पुनः प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय से अपील करना चाहूंगा कि प्राथमिकी के अनिवार्य पंजीकरण के राजस्थान मॉडल को देशभर में लागू किया जाए. राजस्थान की भाजपा सरकार भी यह सुनिश्चित करे कि हमारी सरकार के समय लागू की गई इस नीति यहां जारी रखे.''

'कांग्रेस विधायक ने दी लड़ाई को गलत दिशा, लोग रखें बड़ा दिल'

बीजेपी नेता बोले- पांचना बांध पर राजनीति ठीक नहीं

गंगापुरसिटी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने पत्रकार वार्ता में महिला आरक्षण बिल, सड़क, पानी और विकास कार्यों को लेकर कांग्रेस व विधायक रामकेश मीणा पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विधायक केवल बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि जनता को मूलभूत सुविधाओं की दरकार है। गुर्जर ने चुनौती दी कि विधायक अन्य स्थानों की बात छोड़कर अपने निवास के सामने ही पक्का बड़ा नाला बनवाएं, ताकि बाजार से बारिश के पानी की निकासी सुनिश्चित हो सके।

गुर्जर ने कहा कि महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस ने हमेशा दोहरी राजनीति की है। उन्होंने बताया कि यह बिल पहली बार 1996 में पेश हुआ, लेकिन विपक्ष ने इसे पारित नहीं होने दिया। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान भी प्रयास विफल रहे। यूपीए सरकार में राज्यसभा से पारित होने के बावजूद लोकसभा में आगे नहीं बढ़ाया गया। अंततः 19 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिल पारित हुआ, लेकिन कांग्रेस ने इसके 2026 में लागू होने वाले प्रावधानों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बिल पास होता तो गांव-ढाणी की कमजोर व वंचित महिलाएं भी मुख्यधारा में अपनी बात रख पातीं।

जिलाध्यक्ष गुर्जर ने विधायक मीणा के बयानों को तथ्यों से परे बताया। उन्होंने कहा कि 2020 में जनहित याचिका के बाद पानी छोड़ा गया, लेकिन बाद में बंद कर दिया गया। 2022 में विधायक ने भी याचिका दायर की थी, जिसमें 90 प्रतिशत मुआवजे की मांग रखी गई। 2023 में मुख्यमंत्री के सलाहकार रहते हुए भी बांध से पानी नहीं खुलवा सके। उनके जल वितरण कमेटी के सदस्य रहते एसपी-कलक्टर ने क्या रिपोर्ट दीं, वह किसी सी छुपी नहीं है।

उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के साथ ही संवेदनशील मुद्दा है। विधायक रामकेश की बयानबाजी व्यक्तिगत लीडरशिप के लिए हो सकती हैं, लेकिन उनको संयम बरतना चाहिए। उन्होंने पांचना की लड़ाई को गलत दिशा देने का काम किया है। वर्तमान मामले में वे सिर्फ मीडिया में बयानबाजी कर वाहवाही लेने का काम कर रहे है, जबकि सुनवाई में उनका वकील भी नहीं पहुंचा। इस मामले में पांचना के लोगों को भी बड़ा दिल रखना चाहिए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि 2017 में वसुंधरा राजे सरकार के दौरान गंगापुरसिटी को चंबल का पानी मिला था। कांग्रेस सरकार आने के बाद परियोजना ठप हो गई। अब भाजपा सरकार ने 15 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं, जिससे पंपसेट लगाकर पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। रामकेश मीना विधायक रहते हुए अपनी सरकार में इस परियोजना के लिए राशि नहीं दिला पाए, अन्यथा अब तक जनता को इसका पूरा लाभ मिल रहा होता। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों की हालत बेहद खराब है। उनके कार्यकाल में सड़कों के नाम पर आए पैसे का कोई पता ही नहीं है कि कहां लगाया गया। अब जब सड़कों की दशा सुधर रही है तो यह बात उनको पच नहीं रही है। गुर्जर ने आरोप लगाया कि विधायक ने उनके कार्यकाल में कुशाल लेक क्षेत्र को एक रुपया तक नहीं दिलाया, जबकि भाजपा सरकार ने अब 1 करोड़ 90 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं और 4 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की योजना तैयार की जा रही है।

भीषण गर्मी में टूट गए सारे रिकॉर्ड

'आग का दरिया' बना जैसलमेर, लोग घरों में कैद

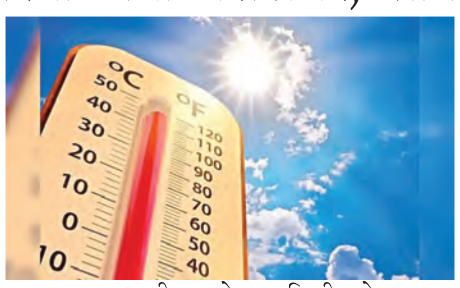

जैसलमेर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल का महीना पूरा बीता भी नहीं और गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए. जैसलमेर में पारा 46 डिग्री पार कर चुका है. जैसलमेर में इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया. पिछले कई सालों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं. सुबह 10 बजे के बाद ही सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है. ऐसा लगता है जैसे शहर में 'कर्फ्यू' लगा हो. तेज धूप और झुलसाती गर्म हवाओं ने परेशानी बढ़ा दी है.

बाजार भी सूने पड़े

हर गुजरते दिन के साथ ही तापमान बढ़ता जा रहा है. करीब 14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही लू ने हर किसी को तपाकर रख दिया है. दोपहर में बाजार पूरी तरह सूने पड़े हैं और दुकानदार भी चिंतित हैं. हालांकि, सुबह और शाम के कुछ घंटे राहत जरूर हैं, लेकिन इस बीच भी लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं.

कल से मिल सकती है राहत

हालांकि, राहत की एक हल्की उम्मीद नजर आ रही है. मौसम विभाग के अनुसार, 28 अप्रैल के बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है. इसके असर से जैसलमेर, बाड़मेर और आसपास के इलाकों में धूलभरी आंधी, हल्की बूंदाबांदी और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है. इस बदलाव से तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है, जिससे पिछले कई दिनों से जारी भीषण लू से कुछ राहत मिल सकती है.

युवक की हत्या के बाद हिंसा-आगजनी

दमकलों को घुसने नहीं दिया; बेबस देखती रही पुलिस

बांसवाड़ा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में जो कुछ हुआ, वह अचानक भड़की हिंसा नहीं थी, बल्कि लंबे समय से सुलग रही रंजिश का नतीजा था। एक बस्ती को बीच से बांटती डामर सड़क के दोनों ओर रहने वाले परिवारों में छोटी-छोटी बातों पर अक्सर झगड़े होते रहे थे। एक महीने पहले भी दोनों पक्ष आमने-सामने आए थे, पशुओं के बाड़े तक जला दिए गए थे।

खेत में काम के दौरान गोविन्द मईड़ा के साथ मारपीट भी हुई थी। दोनों पक्षों ने मोटागांव थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। उनका कहना है कि अगर समय रहते सख्त कार्रवाई होती, तो हालात यहां तक नहीं पहुंचते और गोविन्द की जान बच सकती थी।

हालात तब बिगड़े, जब ईसरवाला से बारात लौटने के बाद गोविन्द अपने घर पहुंचा और कुछ ही देर में उस पर धारदार हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने हालात अपने हाथ में ले लिए। गांव में तनाव इस कदर बढ़ गया कि पुलिस और फायर ब्रिगेड को अंदर तक घुसने नहीं दिया गया। डामर सड़क पर पत्थर और लकडियां डालकर रास्ता बंद कर दिया गया और पुलिस पर पथराव भी हुआ।

बांसवाड़ा एसपी ने मौके पर लोहारिया, घाटोल, मोटागांव, सदर, रिजर्व पुलिस लाइन से अतिरिक्त जाब्ता भेजा। घाटोल डीएसपी महेन्द्र कुमार मेघवंशी, घाटोल थानाधिकारी, लोहारिया थानाधिकारी जयपाल सिंह व मोटागांव थानाप्रभारी रमेशचन्द्र पाटीदार भी घटनास्थन पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के नेतृत्व में करीब 100 पुलिसकर्मी, एक दर्जन से अधिक वाहन और सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मध्यरात्रि तक मौके पर मौजूद रहे। घाटोल डीएसपी मेघवंशी और अन्य अधिकारी लोगों से लगातार समझाइश करते रहे, लेकिन देर रात तक आक्रोशित लोग नहीं माने और पुलिस को गांव में आगे बढ़ने से रोकते रहे।

एक गलती ने 109 सरकारी कर्मचारियों का करा दिया इस्तीफा

वेतन न आने पर हुआ खुलासा, मचा हड़कंप

डूंगरपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी सिस्टम में एक छोटी सी लापरवाही कैसे अन्य कार्मिकों पर भारी पड़ सकती है। इसका बड़ा उदाहरण बिछीवाड़ा पंचायत समिति में सामने आया है। यहां एक संस्थापन कर्मचारी की गलती से 109 सरकारी कर्मचारियों के ऑनलाइन इस्तीफे दर्ज हो गए। इसके चलते उनका वेतन भी अटक गया। बिछीवाड़ा पंचायत समिति में आईएफएमएस पोर्टल पर कर्मचारियों का डेटा अपडेट किया जा रहा था। इसी दौरान संस्थापन कर्मचारी ने गलती से रेजिनेशन (त्यागपत्र) का विकल्प चुन लिया।

इसके बाद सिस्टम ने इसे वास्तविक मानते हुए सभी 109 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त मान ली और वेतन निर्माण प्रक्रिया स्वतः बंद हो गई। स्थिति का खुलासा तब हुआ, जब अप्रैल महीने का वेतन नहीं बना।

जांच में सामने आया कि सभी प्रभावित कर्मचारियों की आईडी पोर्टल पर डिएक्टिव हो गई है। इसके बाद पंचायत समिति प्रशासन में हड़कंप मच गया और तुरंत सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई। यह गंभीर लापरवाही करीब एक सप्ताह तक पकड़ में नहीं आई। संस्थापन कर्मचारी की अंग्रेजी में कमजोरी और पर्याप्त प्रशिक्षण की कमी भी सामने आई है। वहीं, पूरे कार्य की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी विकास अधिकारी की होती है। लेकिन समय रहते त्रुटि नहीं पकड़ी जा सकी।

20 उम्मीदवार मैदान में, 12 साल बाद फिर भिड़ेंगे अभिषेक और अनिल

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में चुनावी तपिश अब 'यूथ' के पाले में पहुंच गई है। राजस्थान यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों का बिगुल बज चुका है और इस बार मुकाबला केवल डिजिटल ही नहीं, बल्कि काफी दिलचस्प और पेचीदा भी है। प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी के लिए 20 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, लेकिन सबकी निगाहें चुनावी मैदान के दो पुराने प्रतिद्वंद्वियों पर टिकी हैं।

अभिषेक चौधरी बनाम अनिल चौपड़ा

यूथ कांग्रेस के इस रण में सबसे रोचक मुकाबला अभिषेक चौधरी और अनिल चौपड़ा के बीच माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि यह दोनों चेहरे 12 साल बाद फिर से आमने-सामने हैं। साल 2014 में राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में ये दोनों आमने-सामने थे, जहां अनिल चौपड़ा ने जीत दर्ज की थी। अब एक दशक बाद अभिषेक चौधरी अपना पुराना हिसाब चुकता करने की तैयारी में हैं, तो वहीं अनिल अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के लिए पसीना बहा रहे हैं।

कैसे होगी ऑनलाइन वोटिंग?

यूथ कांग्रेस ने इस बार चुनाव को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने का दावा किया है। वोटिंग की प्रक्रिया इस प्रकार है-

सदस्यता अनिवार्यः सबसे पहले मतदाता को यूथ कांग्रेस के आधिकारिक ऐप पर जाकर सदस्यता लेनी होगी।

निर्धारित शुल्कः सदस्यता के लिए 75 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है।

वोटिंग का अधिकारः सफल सदस्यता और वेरिफिकेशन के बाद ही मतदाता को वोट डालने का अधिकार मिलता है।

पदों का चयनः मतदाता एक साथ प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, ब्लॉक और विधानसभा अध्यक्ष के लिए वोट डाल सकता है।

चुनाव की शुरुआत ही विवादों से हुई है। 75 रुपए में वोट खरीदने के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे 'पैसों से वोट खरीदने की संस्कृति' करार दिया। इसके अलावा, कई उम्मीदवारों पर बड़े नेताओं के 'डमी' होने या खास खेमे का वरदहस्त प्राप्त होने के आरोप लग रहे हैं, जिससे संगठन के भीतर ही विरोध के स्वर गूंज रहे हैं। चुनाव जीतने का मतलब यह नहीं कि आप सीधे अध्यक्ष बन गए। प्रक्रिया के अनुसार, वोटिंग के बाद जो टॉप-3 उम्मीदवार होंगे, उन्हें दिल्ली बुलाया जाएगा। वहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व की ओर से उनका इंटरव्यू लिया जाएगा। वोटों की शुद्धता की जांच की जाएगी और फर्जी पाए जाने पर वोट काटे भी जा सकते हैं। पिछले चुनाव में इसी प्रक्रिया के तहत अभिमन्यु पूनिया को अध्यक्ष और अन्य दो को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। फिलहाल, सोशल मीडिया पर प्रचार का युद्ध चरम पर है। अब देखना यह है कि 20 उम्मीदवारों की इस भीड़ में दिल्ली के दरबार तक कौन अपनी जगह बना पाता है।

पति ने पत्नी को कुएं में दिया धक्का

कम पानी होने से बची जान, आरोपी फरार

झालावाड़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के झितापुरा गांव में चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक पति ने अपनी पत्नी को कुएं में धक्का दे दिया। गनीमत रही कि कुएं में पानी कम था, जिससे महिला की जान बच गई। घटना के बाद से आरोपी पति फरार बताया जा रहा है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पीड़ित महिला कंचन बाई (40) ने बताया कि उसका पति राय सिंह उसे खेत पर प्याज की फसल में पानी देने के बहाने लेकर गया था। दोनों कुएं के पास खड़े होकर बात कर रहे थे। इसी दौरान पति ने उसे कुएं में पानी देखने के लिए कहा और जैसे ही वह झुककर पानी देखने लगी, पीछे से धक्का दे दिया। कुएं में गिरने के बाद महिला पत्थर पकड़कर खड़ी रही। बताया जा रहा है कि कुआं करीब 60 फीट गहरा है, लेकिन उसमें लगभग चार फीट पानी ही था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद आरोपी पति ने महिला के भाई को फोन कर बताया कि उसकी बहन कहीं गायब हो गई है। सूचना मिलने पर महिला का भाई रात करीब 10 बजे गांव पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से तलाश शुरू की। बाद में महिला के कुएं में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद उसे सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। महिला को तुरंत झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने आंख के पास मामूली चोट बताई है। फिलहाल महिला का इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़िता का पर्चा बयान दर्ज कर लिया है और आरोपी पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। परिजनों का कहना है कि पति-पत्नी की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी और उनका एक 10 साल की बेटी है। घटना से पहले घर में किसी तरह का विवाद भी सामने नहीं आया था। ऐसे में अचानक इस तरह की घटना ने सभी को हैरान कर दिया है।

मंदिर में चोरी का खुलासा; 15 हजार की इनामी महिला सरगना गिरफ्तार

लंबे समय से चल रही थी फरार

हनुमानगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के पल्लू थाना क्षेत्र में मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मां ब्रह्माणी माता मंदिर में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने गिरोह की सरगना महिला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान काली उर्फ संतरो, निवासी पड़तल, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) के रूप में हुई है। वह लंबे समय से फरार चल रही थी और उस पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 की रात पल्लू स्थित मां ब्रह्माणी माता मंदिर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर प्रवेश किया और मंदिर से कीमती सामान चोरी कर लिया। चोर करीब आठ किलोग्राम चांदी की मूर्तियां, काली माता का मुकुट, छत्र और अन्य आभूषण लेकर फरार हो गए थे। घटना के बाद मंदिर के पुजारी की रिपोर्ट पर पल्लू थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, जिनमें राजस्थान और हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों के लोग शामिल हैं। एक बाल अपचारी को भी डिटेन कर बाल सुधार गृह भेजा गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार महिला काली उर्फ संतरो ही पूरे गिरोह का संचालन कर रही थी और मंदिरों में चोरी की घटनाओं की मुख्य साजिशकर्ता थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। फिलहाल आरोपी महिला से पूछताछ जारी है।

ड्रग्स माफिया पर बड़ी कार्रवाई

अवैध एमडी फैक्ट्री का भंडाफोड़

मुठभेड़ के बाद 100 किलो ड्रग्स जब्त

जोधपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एनटीएफ) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़ी अवैध ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। शनिवार देर रात बालेसर क्षेत्र के लूणावपुरा गांव के पास एक सुनसान खेत में संचालित एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री का खुलासा हुआ। इस दौरान पुलिस और तस्करों के बीच मुठभेड़ भी हुई, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया, जबकि कई अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई पूरी तरह गोपनीय योजना के तहत की गई थी। एनटीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ग्रामीणों का भेष बनाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए मौके पर पहुंची, ताकि आरोपियों को भनक न लग सके। तड़के करीब 3:30 बजे टीम ने खेत में बने एक मकान पर दबिश दी, जहां अत्याधुनिक मशीनों और रासायनिक उपकरणों की मदद से अवैध रूप से ड्रग्स तैयार की जा रही थी। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, वहां मौजूद तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। वहीं भागने के प्रयास में एक अन्य आरोपी गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने मौके से आधा दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है। साथ ही हथियार, रसायन और ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में करीब 100 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद होने की बात सामने आई है।

रोज की मारपीट से तंग मां ने उजाड़ा अपना ही सुहाग, 4 बच्चों के शराबी पिता की बेरहमी से हत्या

जैसलमेर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेर के लूणा खुर्द गांव में 12 साल पुराने दांपत्य जीवन का खूनी अंत हो गया। शराबी पति हनुमानराम की रोज-रोज की मारपीट से तंग आकर पत्नी अमका ने रात में सोते समय उसके सिर पर सरिए से वार कर जान ले ली।

जैसलमेरः सरहदी जिले जैसलमेर में जिले के सांकड़ा थाना इलाके के लूणा खुर्द गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां शनिवार रात एक पत्नी ने शादी के 12 साल बाद शराबी पति की हत्या कर दी। हत्या के आरोप में महिला को हिरासत में ले लिया गया है। इस घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह वारदात घरेलू हिंसा के चलते हुई है। मृतक हनुमानराम रात को अपने घर के बरामदे में सो रहा था, तभी उसकी पत्नी देर रात लोहे का सरिया लेकर आई और उसे गहरी नींद में सोता पाकर उसके सिर पर जोरदार हमला कर दिया। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हनुमानराम की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी और वह चार बच्चों का पिता था। बीते लंबे समय से वो शराब पीकर पत्नी को परेशान कर रहा था।

सांकड़ा थाना प्रभारी राणसिंह सोढ़ा ने इस संबंध में बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे और पोकरण सीओ भवानी सिंह भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया।

जर्मनी में रोजगार के अवसरों पर फोकस, कौशल व भाषा प्रशिक्षण जरूरी : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि तेलंगाना के युवाओं को जर्मनी में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास और जर्मन भाषा प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जर्मनी में सफल नियुक्तियों से राज्य के शिक्षित युवाओं में उत्साह बढ़ेगा और अधिक युवा विदेश में रोजगार के अवसरों की ओर प्रेरित होंगे। मंत्री ने क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई और उच्च योग्य भाषा प्रशिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जर्मन भाषा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है और भाषा कौशल को सुदृढ़ करने वाले कार्यक्रमों को और मजबूत किया जाना चाहिए।

डॉ. विवेक ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेश रोजगार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जर्मनी में कुशल और शिक्षित युवाओं के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं और कंपनी को इन अवसरों का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि यह कंपनी विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य की आधिकारिक और विश्वसनीय संस्था है। अधिकारियों ने बैठक में खाड़ी देशों में अर्धकुशल श्रमिकों की नियुक्ति के प्रयासों की जानकारी भी दी।

मंत्री ने विदेश में कार्यरत श्रमिकों से नियमित प्रतिक्रिया लेने और व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक देश की अपनी संस्कृति होती है, इसलिए युवाओं को वहां की सांस्कृतिक जानकारी भी दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से लक्ष्य आधारित योजनाएं तैयार करने को कहा, जिसमें युवाओं के प्रशिक्षण और नियुक्ति की स्पष्ट रूपरेखा हो। साथ ही कंपनी की कार्यक्षमता और कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सहायक प्राध्यापक रुक्साना को अंतरराष्ट्रीय संस्था में वरिष्ठ सदस्य का दर्जा

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वासवी अभियांत्रिकी महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक शेख रुक्साना को अभियांत्रिकी अनुसंधान और नवाचार में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा वरिष्ठ सदस्य का दर्जा प्रदान किया गया है।

एक दशक से अधिक के शैक्षणिक और अनुसंधान अनुभव के साथ रुक्साना ने ग्राफ न्यूरल नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियां और बुद्धिमान साइबर-भौतिक अनुप्रयोगों जैसे उन्नत क्षेत्रों में कार्य किया है। हाल ही में उन्होंने विद्युत वाहन बैटरी आयु पूर्वानुमान से संबंधित एक पेटेंट भी विकसित किया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने पेटेंट शोध को अमेरिका के मिशिगन में आयोजित एक प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

केसीआर हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शत्रु नहीं : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

बीआरएस निष्प्राण इकाई, भविष्य नहीं

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस अब एक निष्प्राण इकाई बन चुकी है और उसका कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, शत्रु नहीं। सोमवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने तेलंगाना की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन का अस्तित्व उसके उद्देश्य पर निर्भर करता है और उद्देश्य पूरा होने के बाद उसकी आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

इसी प्रकार बीआरएस की प्रासंगिकता भी समाप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी शव को कितना भी सजा दिया जाए, वह जीवित नहीं हो सकता। बीआरएस की स्थिति भी ऐसी ही हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान लोगों ने बहुत कुछ सहन किया, लेकिन अब वैसी स्थिति नहीं है। सत्ता में एक दशक रहने के बाद बीआरएस नेतृत्व में अहंकार आ गया और वह जनता से कट गया।

उन्होंने कहा कि इसी अहंकार के कारण वर्ष 2023 के चुनाव में बीआरएस को हार का सामना करना पड़ा और बाद के चुनावों में भी उसे पूरी तरह नकार दिया गया। जनता और केसीआर परिवार के बीच संबंध टूट चुके हैं और वर्तमान में किए जा रहे प्रयास केवल परिवारिक हितों तक सीमित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारिवारिक मतभेदों के आधार पर नए राजनीतिक दलों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक ही स्रोत से निकली चीज का स्वरूप नहीं बदलता। केसीआर के स्वास्थ्य को लेकर उन्होंने कहा कि उनके मन में कोई नकारात्मक भावना नहीं है और वे उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं, ताकि राजनीतिक संवाद सुचारु रूप से चलता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के काम कर रही है और राज्य के सभी वर्गों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित किया जा रहा है।

कालेश्वरम परियोजना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने आयोग की रिपोर्ट को गलत नहीं ठहराया, बल्कि केवल तकनीकी त्रुटियों की ओर संकेत करते हुए उस पर कार्रवाई रोकने को कहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जोगीपेट में विदेशी डिटेंशन केंद्र संचालित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने विदेशी नागरिकों के लिए बनाए गए डिटेंशन केंद्र को जोगीपेट, जिला संगारेड्डी में स्थानांतरित कर पूर्ण रूप से संचालित कर दिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना सरकार के निर्देशों के अनुरूप की गई है। पुलिस के अनुसार यह निरूद्ध केंद्र अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों, बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या (म्यांमार) घुसपैठियों, वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद ठहरे व्यक्तियों, कानून से टकराव में आए लोगों, मानव तस्करों और मादक पदार्थ तस्करों को रखने तथा उनकी वापसी (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया के लिए स्थापित किया गया है। वर्ष 2018 में बशीरबाग स्थित ओल्ड सीसीएस भवन में इसकी स्थापना के बाद अब तक कुल 196 विदेशी नागरिकों को यहां रखा गया है। वर्तमान में 9 पुरुष और 3 महिला निरूद्ध हैं, जो सूडान, नाइजीरिया, युगांडा और कैमरून के नागरिक हैं और उनकी वापसी की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस ने बताया कि विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से आवश्यक अनुमति एवं यात्रा दस्तावेज प्राप्त कर पूरी की जाती है। इसके तहत हवाई मार्ग या अंतरराष्ट्रीय सीमा के निर्धारित बिंदुओं से सुरक्षा के साथ उन्हें भेजा जाता है। वर्ष 2018 से अब तक कुल 184 निरूद्ध व्यक्तियों को उनके देशों में भेजा जा चुका है। तेलंगाना सरकार ने जोगीपेट उप-जेल में अस्थायी ट्रांजिट/निरूद्ध केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी थी, जहां सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस केंद्र के स्थानांतरण और संचालन की पूरी प्रक्रिया पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के पर्यवेक्षण में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) एम. श्रीनिवास द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। वर्तमान में जोगीपेट स्थित यह ट्रांजिट/निरूद्ध केंद्र पूरी तरह क्रियाशील है। साथ ही, सरकार द्वारा चेर्लापल्ली कारागार में स्थायी ट्रांजिट होम स्थापित करने को भी मंजूरी दे दी गई है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने, आव्रजन कानूनों का सख्ती से पालन कराने और विदेशी नागरिकों के साथ मानवीय व्यवहार बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब विदेशियों को जमा करना पड़ेगा फॉर्म

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत विदेशी नागरिकों से संबंधित जानकारी दर्ज करना अब अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय ने आम जनता और संबंधित संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। जारी निर्देशों के अनुसार, सभी होटल, हॉस्टल, गेस्ट हाउस, मकान मालिक या कोई भी ऐसा परिसर जहां विदेशी नागरिकों को ठहराया जाता है, तथा अस्पताल या अन्य चिकित्सा संस्थान जहां मरीजों और उनके परिजनों के लिए रात्रि विश्राम की सुविधा उपलब्ध है, उन्हें विदेशी नागरिकों का विवरण फॉर्म-III (पूर्व में फॉर्म-सी) में दर्ज कर निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण अधिकारी को 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराना होगा। साथ ही इस रिकॉर्ड को कम से कम एक वर्ष तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार, सभी शैक्षणिक संस्थानों (स्कूल, कॉलेज या अन्य संस्थान) जहां विदेशी नागरिकों को प्रवेश दिया जाता है, उन्हें फॉर्म-II (पूर्व में फॉर्म-ए) में विवरण भरकर 24 घंटे के भीतर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण अधिकारी को भेजना होगा और इसका रिकॉर्ड भी न्यूनतम एक वर्ष तक सुरक्षित रखना होगा। पुलिस आयुक्तालय ने बताया कि शहर के विभिन्न जोनों के डीसीपी (लॉ एंड ऑर्डर) को निर्देश दिए गए हैं कि वे जागरूकता अभियान चलाकर होटल, हॉस्टल, गेस्ट हाउस, मकान मालिक, अस्पताल और अन्य संबंधित संस्थानों को फॉर्म-III जमा करने के नियमों के बारे में जागरूक करें। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को फॉर्म-II जमा करने के प्रति संवेदनशील बनाया जाए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी संबंधित संस्थान (चाहे वे आवास, किराये/लीज पर कमरे या भवन उपलब्ध कराते हों या विदेशी नागरिकों को प्रवेश देते हों) उन्हें इस कानून का सख्ती से पालन करना होगा। नियमों की अनदेखी करने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने सभी से अपील की है कि वे आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 का पालन सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी प्रकार की कानूनी परेशानी से बचा जा सके।

पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होंगे

डीजीपी का विदाई समारोह आयोजित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी के 30 अप्रैल को होने वाले रिटायरमेंट के मद्देनज़र, टीएनजी यूनियन डीजीपी कार्यालय इकाई ने सोमवार को एक विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यालय के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी के साथ अपने अनुभवों को याद किया।

उन्होंने डीजीपी को न केवल एक मृदुभाषी, सौम्य, मिलनसार और शांत अधिकारी बताया, जो अपने कर्तव्यों का पालन पूरी शांति से करते थे, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में भी याद किया जो परिस्थितियों की मांग के अनुसार कठिन निर्णय लेने में भी सक्षम थे। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि, चाहे वे किसी भी पद पर रहे हों, उन्होंने हमेशा अपनी अधिकार सीमा के भीतर रहकर लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि अतीत में डीजीपी कार्यालय में सात वर्षों से अधिक समय तक काम करने के कारण, उन्हें विभिन्न प्रशासनिक मामलों की गहरी समझ थी। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि अतिरिक्त डीजीपी (कार्मिक) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें कर्मचारियों पर लागू होने वाले सेवा नियमों और विनियमों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त हुई थी। उन्होंने कहा कि, उस अनुभव का लाभ उठाते हुए और सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों के व्यापक सहयोग से, उन्होंने एक "व्यावसायिक नियम मार्गदर्शिका" तैयार की है, जो सभी के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने हाल ही में सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों को सलाह दी कि वे अपने कर्तव्यों का पालन केवल औपचारिकता के तौर पर न करें, बल्कि इस तरह से काम करें जिससे पुलिस विभाग प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पुलिस कर्मियों के लिए ज़मीनी स्तर पर कुशलतापूर्वक काम करने हेतु, डीजीपी, पुलिस आयुक्तों और एसपी के कार्यालयों में कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों को पूरी लगन और परिश्रम के साथ काम करना होगा। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने कहा कि डीजीपी कार्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें केवल सात महीनों के अंतराल में दो अलग-अलग डीजीपी को विदाई देनी पड़ी।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने जानकारी दी है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी, जिसका कार्यक्रम जल्द घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग को विधि के अनुसार मतदाता सूची तैयार करने और उसमें संशोधन करने का अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक चुनाव से पूर्व या आवश्यकता अनुसार मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जाता है, ताकि इसकी शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे। वर्तमान में बार-बार हो रहे स्थान परिवर्तन के कारण कई मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो गए हैं तथा मृत मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हट पाए हैं। इन कमियों को दूर करने के उद्देश्य से यह विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

राज्य में बूथ स्तर अधिकारियों तथा संबंधित पंजीकरण अधिकारियों द्वारा वर्तमान मतदाता सूची का मिलान वर्ष 2002 में हुए विशेष पुनरीक्षण के अभिलेखों से किया जा रहा है। मतदाताओं को अपने या अपने परिजनों के विवरण गणना प्रपत्र में दर्ज करने होंगे। मतदाता अपने विवरण मुख्य निर्वाचन अधिकारी, तेलंगाना की आधिकारिक वेबसाइट अथवा मतदाता सेवा पोर्टल पर उपलब्ध खोज सुविधा के माध्यम से देख सकते हैं।

इसके अतिरिक्त मतदान केंद्रवार मतदाता सूची भी उपलब्ध है, जिसमें नाम खोजा जा सकता है। यदि किसी मतदाता का नाम वर्ष 2002 की सूची में नहीं मिलता है, तो वह अपने माता-पिता या दादा-दादी के विवरण प्राप्त कर संबंधित प्रपत्र में दर्ज कर सकता है। वर्ष 2002 की सूची की मुद्रित प्रति संबंधित बूथ स्तर अधिकारी के पास उपलब्ध है, जो इसमें सहायता करेंगे। गणना चरण के दौरान मतदाताओं से किसी भी दस्तावेज की मांग नहीं की जाएगी। हालांकि जिन मतदाताओं का मिलान वर्ष 2002 की सूची से नहीं हो पाएगा, उन्हें सूचना देकर अपनी पात्रता सिद्ध करने के लिए आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

आयोग द्वारा सुझाए गए प्रमाणों में सरकारी कर्मचारी अथवा पेंशनभोगी पहचान पत्र, एक जुलाई 1987 से पूर्व जारी प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर, भूमि या आवास आवंटन प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने या अपने परिजनों के विवरण का सत्यापन कर उन्हें वर्ष 2002 के अभिलेखों से जोड़ें। इसके लिए अपने मतदान केंद्र के बूथ स्तर अधिकारी अथवा संबंधित पंजीकरण अधिकारी से संपर्क करें, ताकि पुनरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

केसीआर को केवल फार्म हाउस से शासन चलाने की आदत : रेड्डी

बीआरएस पर भुवनगिरि सांसद का तीखा हमला

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीआरएस पार्टी और उसके नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीआरएस अब राजनीतिक रूप से समाप्त हो चुकी है और उसे अपने वर्धापन दिवस मनाने के बजाय वर्धंतियां मनाने की स्थिति में पहुंच गई है। सांसद ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें केवल फार्म हाउस से शासन चलाने की आदत है और राज्य व देश में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि उनकी पुत्री के बयानों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई, क्या यह मौन सहमति मानी जाए? किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि शासन के दौरान केवल स्वार्थ देखा गया और अब आरोपों पर स्पष्टीकरण देने के बजाय अन्य मुद्दों पर ध्यान भटकाया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ सांसदों के चुनाव को लेकर भी पूर्व मुख्यमंत्री की भूमिका रही है।

सांसद ने कहा कि संसद में कांग्रेस सांसदों ने अपने मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया है, लेकिन इसके बावजूद गलत बयानबाजी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता के मुद्दों को आगे लाए, न कि भ्रामक बयान दे। उन्होंने बीआरएस नेतृत्व से मांग की कि हालिया आरोपों पर स्पष्ट जवाब दिया जाए और अनावश्यक बयानबाजी से बचा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के हित में शासन करने के लिए आगे बढ़ रही है और इसी दिशा में कार्य कर रही है।

डीजी जेल ने वारंगल की सुविधाओं का किया निरीक्षण

नए बुनियादी ढांचे का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जेल महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने सोमवार को वारंगल जिले का आधिकारिक दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने महत्वपूर्ण सुविधाओं का उद्घाटन किया और गहन निरीक्षण किए, जिससे पुनर्वास, कल्याण और जेल प्रबंधन के आधुनिकीकरण के प्रति विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

जेल महानिदेशक ने खानपुर, नरसामपेट में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 32वें 'माई नेशन' फिलिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य सुधरे हुए और रिहा हुए कैदियों को व्यवस्थित और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना है, जिससे समाज में उनका पुनःएकीकरण सुगम हो सके।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की पहल न केवल आर्थिक गतिविधि का प्रतीक है, बल्कि आशा, गरिमा और दूसरा मौका देने का भी प्रतीक है। उन्होंने समावेशी और सामाजिक रूप से जिम्मेदार पहलों को आगे बढ़ाने में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की बहुमूल्य साझेदारी की सराहना की। इसके बाद सौम्या मिश्रा ने नरसामपेट स्थित विशेष महिला कारागार (एसपीडब्ल्यू) का दौरा किया, जहां उन्होंने संस्था का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, कैदियों के कल्याण, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता की स्थिति सहित महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की।

महानिदेशक ने महिला कैदियों से भी बातचीत की, उनके हालचाल पूछे और उन्हें पुनर्वास और कौशल विकास कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही मानवीय और सुधार-उन्मुख सुधारात्मक वातावरण के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद, वह वारंगल (ममनूर) स्थित केंद्रीय जेल गईं, जहां उन्होंने नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया। नई सुविधा से प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होने और जेल के समग्र बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने संस्था के कामकाज की समीक्षा की और सुरक्षा, आधुनिकीकरण और कल्याणकारी उपायों में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दौरा तेलंगाना के कारागार विभाग के उस प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसमें हिरासत संबंधी जिम्मेदारियों और सुधारात्मक एवं पुनर्वास प्रयासों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए कारागारों को सकारात्मक परिवर्तन और अवसरों के केंद्रों में परिवर्तित किया जा रहा है।

गौसनगर सरकारी हाई स्कूल में दीक्षांत समारोह

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रयानगुट्टा स्थित गौसनगर सरकारी हाई स्कूल में रविवार को दीक्षांत समारोह बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस विभाग में कार्यरत कांस्टेबल एस.एम. रजीउल्लाह ने कहा कि यह विद्यालय उत्कृष्ट प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और चरित्र निर्माण का एक प्रेरणादायक केंद्र बन चुका है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शाहिद अली हसरत ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों का सहयोग और छात्रों की लगन का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि एक चरित्रवान और सक्षम पीढ़ी तैयार करना है।

अग्नि दुर्घटना रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के 99 दिवसीय कार्यक्रम के तहत सचिवालय में अग्निशमन विभाग और राज्य अग्नि बलों द्वारा संयुक्त रूप से अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अग्नि सुरक्षा उपायों के साथ-साथ आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्राथमिक अग्नि सुरक्षा, सुरक्षित निकासी अभ्यास और आपात प्रतिक्रिया प्रणाली के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने बताया कि अग्नि दुर्घटनाओं के संभावित कारणों, सुरक्षा उपायों और बचाव के तरीकों को प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से समझाया गया। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के संयुक्त निदेशक वेंकटनारायण, सचिवालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी देविदास तथा वन प्रभाग अधिकारी वेंकन्ना, श्रीनिवास और प्रसाद उपस्थित रहे। इस दौरान अग्निशमन दल द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन और अभ्यास कराए गए। प्रतिभागियों को अग्निशामक यंत्रों और अग्नि जल स्तंभों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी के तरीके भी बताए गए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए और केवल सीढ़ियों के माध्यम से ही बाहर निकलना चाहिए।

1.24 लाख के चोरी के फोन बरामद

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित सीईआईआर पोर्टल की मदद से तेलंगाना राज्य ने खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की रिकवरी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य में अब तक कुल 1,24,850 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जो देश में एक रिकॉर्ड माना जा रहा है। सीईआईआर पोर्टल का उद्देश्य मोबाइल चोरी और नकली उपकरणों पर रोक लगाना है। तेलंगाना में इस प्रणाली को 19 अप्रैल 2023 को लागू किया गया था। शुरूआत में देरी के बावजूद राज्य ने तेजी से काम करते हुए देश में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में अपनी जगह बनाई है। राज्य के सभी 780 पुलिस थानों में यह सिस्टम लागू किया गया है। पुलिस विभाग की सक्रियता और तकनीकी सहयोग के चलते मोबाइल ट्रेसिंग और रिकवरी की प्रक्रिया को काफी तेज किया गया है।

इस सफलता के पीछे कई अहम कदम उठाए गए। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आम जनता को जागरूक करने के लिए समाचार पत्र, टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार किया गया। राज्य स्तर पर एक विशेष टीम बनाई गई, जो तकनीकी समस्याओं का तुरंत समाधान करती है। मोबाइल ब्लॉक करने से लेकर उसे ट्रेस कर असली मालिक को वापस देने तक की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया है। पुलिस ने मोबाइल रिकवरी के मामलों को आसान, मध्यम और कठिन श्रेणियों में बांटकर काम किया, जिससे बेहतर परिणाम मिले।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं.: WAT-TRD-43-24-25DT230426
कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: वाल्टियर (WAT) मंडल के तहत 03 स्टेशनों में 5 लाइनों [गारिविडि (GVI) में L/3 एवं L/4, जग्गैयापलेम (JGPM) में L/2 एवं L/3, पारलाखेमुंडी (PLH) में L/1] के लिए 720 MTS. CSLs हासिल करने हेतु मानकीकरण के साथ यार्ड सुधार के लिए TRD कार्य।
निविदा का मूल्य: रु. 1,71,90,049.70, EMD: रु. 3,43,800.00, कार्य के समापन की अवधि: 11 महीने।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 18.05.2026 को 1500 बजे।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज के साथ सम्पूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/TRD, वाल्टियर
PR-86/R/26-27

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं.: eT-SrDME-WAT-338-2026
कार्य का नाम: OEC/विशाखापट्टणम (VSKP), CSL/विशाखापट्टणम (VSKP) डिपो एवं RMUY/VSPS डिपो के लिए एयर कम्प्रेस्ड पाइप लाइन सिस्टम।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 4,69,00,966.96, EMD: रु. 9,38,000.00.
कार्य समापन की अवधि: 18 महीने।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 19.05.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, वाल्टियर
PR-81/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रिंकू बने 50+ रन और 4+ कैच लेने वाले चौथे खिलाड़ी

शमी के सिक्स से मैच टाई; रिंकू के लगातार 4 छक्के

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 38वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को सुपर ओवर में हराया। अंगकृष रघुवंशी फील्डिंग में रुकावट डालने पर आउट दिए गए। रिंकू सिंह ने आखिरी ओवर में लगातार 4 सिक्स लगाए। उन्होंने 5 कैच भी लपके। मोहम्मद शमी ने आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर मैच टाई कराया।

लखनऊ लगातार आठवां मैच हारी

आईपीएल में होम ग्राउंड पर लगातार हार के मामले में लखनऊ सुपर जायंट्स अब टॉप लिस्ट में शामिल हो गई है। टीम को लखनऊ में लगातार 8वीं हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह इस अनचाहे रिकॉर्ड में डेक्कन चार्जर्स के बराबर पहुंच गई। इस लिस्ट में सबसे ऊपर दिल्ली है, जिन्हें अपने घरेलू मैदान पर लगातार 9 मैचों में हार मिली थी।

रिंकू सिंह ने 83 रन और 5 कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। वे ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले जैक कैलिस, रियान पराग और डेरिल मिचेल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

रिंकू ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की

कोलकाता की पारी के 19वें ओवर में रिंकू सिंह चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। ओवर की दूसरी गेंद पर शमी ने यॉर्कर डालने की कोशिश की, लेकिन वे लेंथ से चूक गए। रिंकू ने लेग साइड में पीछे हटते हुए एक्स्ट्रा कवर के पास से गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचा दिया। इसी के साथ रिंकू ने 42 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी की।

कोलकाता की पारी के आखिरी ओवर में रिंकू सिंह ने दिग्वेश राठी को 4 सिक्स लगा दिए। उन्होंने दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवी गेंद पर छक्के लगाए। दिग्वेश के इस ओवर में 2 वाइड सहित 26 रन बने।

रिंकू ने बाउंड्री लाइन पर छलांग लगाकर कैच लपका

लखनऊ की पारी के दौरान कोलकाता के रिंकू सिंह ने बाउंड्री लाइन पर गजब कैच पकड़ा। 11वें ओवर की दूसरी गेंद कैमरन ग्रीन ने फुल लेंथ डाली। ऐडन मार्करम ने लॉन्ग-ऑफ की दिशा में लॉफ्टेड शॉट खेला। वहां रिंकू सिंह मौजूद थे। उन्होंने बाउंड्री लाइन के बेहद करीब छलांग लगाकर गेंद को पकड़ा, फिर बाउंड्री रोप के बाहर जाने से पहले गेंद को हवा में फेंक दिया और फिर अंदर आकर कैच पूरा किया। मार्करम 31 रन बनाकर आउट हुए।

शमी ने छक्का लगा मैच को सुपर ओवर में पहुंचाया

एलएसजी को जीत के लिए आखिरी गेंद पर 7 रन चाहिए थे। कार्तिक त्यागी ने स्टंप पर फुल गेंद डाली, जिसपर मोहम्मद शमी ने लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया। इसी के साथ स्कोर टाई हो गया और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया।

पॉवेल और रिंकू का बेहतरीन पार्टनरशिप कैच

सुपर ओवर में नरेन की तीसरी गेंद पर रोवमन पॉवेल और रिंकू सिंह की जोड़ी ने शानदार कैच पकड़ा। ऐडन मार्करम ने लॉन्ग ऑफ पर छक्के के लिए खेला। बाउंड्री लाइन पर खड़े पॉवेल ने रनिंग करते हुए गेंद रिंकू की ओर उछाल दिया। रिंकू ने कैच कंप्लीट कर को सुपर ओवर में 1 रन पर रोक दिया।

रिंकू सिंह का विनिंग चौका

मैच में बैट और फिल्डिंग से शानदार परफॉर्मेंस करने वाले रिंकू सिंह सुपर ओवर में बैटिंग के लिए आए। उनके साथ केकेआर के लिए पॉवेल नॉन-स्ट्राइक पर उतरे। रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर ही चौका लगाकर टीम को मैच जीता दिया।

पर्पल कैप की रेस में अंशुल कंबोज का जलवा बरकरार

लखनऊ के स्टार की हुई धमाकेदार एंट्री

चेन्नई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम दोपहर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार गई. वहीं शाम के मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को केकेआर के खिलाफ हार मिली. भले ही ये दोनों ही टीमों अपना-अपना मुकाबला हार गई हो, लेकिन उनके खिलाड़ियों का दबदबा पर्पल कैप की रेस में साफ नजर आ रहा है. टॉप पर सीएसके का स्टार गेंदबाज नजर आ रहा है.

अंशुल कंबोज

चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने अब तक 8 मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 16.93 की औसत से 14 विकेट हासिल किए हैं. कंबोज हालांकि पिछले मुकाबले में विकेट नहीं ले सके थे.

ईशान मलिंगा

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा फिलहाल दूसरे नंबर पर नजर आ रहे हैं. मलिंगा ने अब तक 8 मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 18.21 की औसत से 14 विकेट हासिल किए हैं. महंगे साबित होने के कारण मलिंगा दूसरे स्थान पर हैं.

जोफ्रा आर्चर

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी तीसरे स्थान पर बने हुए हैं. आर्चर ने अब तक आईपीएल 2026 में 8 मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 17.92 की औसत से 13 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई है.

प्रिंस यादव

लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं. प्रिंस यादव ने अब तक खेले 8 मैचों में 18.62 की औसत से 13 विकेट झटके हैं. यादव रन देने में भी कंजूसी बरतते हैं.

कगिसो रबाडा

गुजरात टाइटंस के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी अब टॉप 5 में एंट्री कर चुके हैं. रबाडा ने अब तक आईपीएल 2026 में 8 मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 22.62 की औसत से 13 विकेट हासिल किए हैं.

एमएस धोनी की वापसी का इंतजार हुआ लंबा

दोबारा चोटिल हुए माही, सीएसके के कोच का बड़ा खुलासा

चेन्नई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस अपने चहेते क्रिकेटर एमएस धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. लेकिन धोनी की वापसी का इंतजार अब और लंबा होता दिखाई दे रहे हैं. गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में धोनी के खेलने की उम्मीदें थीं, लेकिन अब उनकी वापसी टल गई है. सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने खुलासा किया है कि धोनी को फिर से पिंडली में चोट लग गई है.

आईपीएल 2026 में अब तक एक भी मैच नहीं खेले हैं धोनी

दरअसल, एमएस धोनी को आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले ही पिंडली में चोट लगी थी. इस चोट के कारण माना जा रहा था कि धोनी शुरुआती दो हफ्ते बाहर रहेंगे, लेकिन अब करीब एक महीना हो चुका है और सीएसके अपने 8 मैच खेल चुकी है. फिर भी धोनी इस सीजन एक मैच में भी मैदान पर नजर नहीं आए, जबकि वो लगातार नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं.

धोनी को दोबारा लगी चोट!

क्रिकबज के मुताबिक, गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली हार के बाद सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वॉर्म-अप मैच के दौरान धोनी की पिंडल की चोट फिर से उभर आई है, जिसकी वजह से वापसी में और देरी हो रही है.

जल्द वापसी करना चाहते हैं धोनी

फ्लेमिंग ने आगे कहा कि, ₹धोनी खुद भी जल्द वापसी करना चाहते हैं, लेकिन पिंडली की चोट को लेकर रिस्क नहीं लिया जा सकता. अगर वह दौड़ते हुए फिर से चोटिल हो जाते हैं, तो उन्हें लंबे समय के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ेगा.₹

फिटनेस पर काम कर रहे हैं धोनी

अभी धोनी नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं, जहां उन्हें थ्रोडाउन खेलते हुए और स्पिनर्स के खिलाफ बैटिंग करते हुए देखा गया. हाल ही में वो फिजियो के साथ दौड़ते भी नजर आए, जिससे साफ है कि वो फिटनेस पर काम कर रहे हैं. टीम मैनेजमेंट अब बस उनके पूरी तरह फिट होने का इंतजार कर रहा है.

आखिरी बार कब खेले थे धोनी?

धोनी आईपीएल में आखिरी बार 25 मई 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आए थे. 336 दिन से फैंस उन्हें फिर से खेलते देखने का इंतजार कर रहे हैं.

सीएसके हार चुकी है 5 मैच

धोनी की गैरमौजूदगी का असर टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ा है. सीएसके ने अब तक 8 में से 5 मैच गंवाए हैं और फिलहाल 6 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है. टीम के अब सिर्फ 6 लीग मैच बचे हैं. अब चेन्नई का अगला मैच 2 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगा, जिसमें टीम हर हाल में वापसी करना चाहेगी.

एलएसजी बनाम केकेआर मैच में भयानक गड़बड़ी

संजीव गोयनका की टीम ने जीता मैच, सुपर ओवर में गंवाया

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में 26 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले मुकाबले में भयानक गड़बड़ी का मामला सामने आया है. उस मामले का सामने आया फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे देखकर कहना मुश्किल नहीं कि अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो संजीव गोयनका की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की जीत पक्की थी. उसकी सुपर ओवर में जाने की नौबत ही नहीं आती. इकाना स्टेडियम पर मुकाबला टाई होने के बाद मैच सुपर ओवर में गया, जहां केकेआर ने एलएसजी को पटकनी दे दी.

ये मिस्टेक ना होती तो जीत सकती थी एलएसजी

अब सवाल है कि सोशल मीडिया पर छाए मैच की फुटेज में कौन सा सच छिपा है, जिससे पता चलता है कि ये मुकाबला जो टाई हुआ, उसमें एलएसजी की जीत हो सकती थी? वीडियो एलएसजी की इनिंग के 12वें ओवर का है, जो कि सरासर अंपायर से हुई भयंकर भूल का नतीजा लगता है.

12वें ओवर में ऐसा क्या हुआ?

केकेआर से मिले 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 11 ओवर में 2 विकेट पर 67 रन बना लिए थे. ऐसे में 12वां ओवर केकेआर की तरफ से कार्तिक त्यागी डालने आए. स्ट्राइक पर मौजूद ऋषभ पंत ने कार्तिक त्यागी के इस ओवर की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेला. वीडियो में दिखा कि गेंद हवा में लहराते हुए बाउंड्री के पार जाकर गिरी. यानी कि गेंद छक्के के लिए गई. मगर अंपायर ने उसे चौका दिया. स्कोर बोर्ड चलाने वाले ने 4 रन ही काउंट किए. वो भी तब जब वीडियो में ग्राफिक्स के जरिए छक्के की दूरी भी 63 मीटर बताई गई. बस यही वो गलती रही, जिसने एलएसजी को जीत से महरूम कर दिया.

2 रन का नुकसान... एलएसजी ने जीता मैच, सुपर ओवर में गंवाया

अंपायर से हुई भयंकर भूल के चलते लखनऊ सुपर जायंट्स को सीधे-सीधे 2 रन का नुकसान हो गया और उसकी कीमत उन्हें मैच के आखिर में चुकानी पड़ी, जब मुकाबला टाई होकर सुपर ओवर में गया. लखनऊ की टीम को सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा. अगर इनिंग के 12वें ओवर में 2 रन का नुकसान नहीं हुआ होता, अंपायर ने सही फैसला लिया होता, तो शायद केकेआर के खिलाफ हारे मैच में बाजी एलएसजी की हुई होती.

अंगकृष रघुवंशी के ऊपर बीसीसीआई ने ठोका भारी जुर्माना

मैच के दौरान हरकत करना पड़ा भारी

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को मैदान पर गुस्सा दिखाना भारी पड़ा है. मैच में वो एक अनोखे नियम के तहत आउट हुए जिसकी सोशल मीडिया पर जोरों से चर्चा हो रही है. इसी बीच मैच के बाद अब बीसीसीआई की तरफ से उनके ऊपर गाज गिराई गई है. बोर्ड ने उनको आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है. आइए आपको भी बताते हैं कि उन्हें किस बात की सजा मिली है.

अंगकृष रघुवंशी के ऊपर बीसीसीआई की तरफ से 20 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है. लखनऊ के खिलाफ मैच में वो अंपायर के फैसले से काफी नाराज थे. ऐसे में इसकी नाराजगी जाहिर करना उनको भारी पड़ गया है. उनके खाते में इस हरकत के लिए एक डिमेरिट अंक भी डाला गया है.

तोड़ा आईपीएल का नियम

आईपीएल की तरफ से जारी की गई जानकारी के अनुसार अंगकृष रघुवंशी की इस हरकत को आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन माना गया है. इसके अनुसार मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या वस्त्र, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग का दुरुपयोग₹ से संबंधित है.

कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी के 5वें ओवर के दौरान अंगकृष रघुवंशी को 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' आउट करार दिया गया. अंपायर के इस फैसले से वो काफी नाखुश नजर आए. उन्होंने पवेलियन की तरफ जाते हुए एग्रेसिव अंदाज में अपना बल्ला बाउंड्री लाइन पर मारा और इसके बाद अपना हेलमेट फेंका.

आउट होने पर मचा बवाल

अंगकृष रघुवंशी आईपीएल के इतिहास में 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' से आउट होने वाले चौथे खिलाड़ी बने.

उनके आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर इसको लेकर जोरदार चर्चा हुई. कुछ लोगों ने अंपायर के इस फैसले को सही करार दिया तो वहीं कुछ लोगों ने इसे गलत बताया.

रघुवंशी ने मानी अपनी गलती

अंगकृष रघुवंशी ने भी इस पूरे मामले में अपनी गलती मान ली है. मैच रेफरी ने उनके ऊपर इसके लिए आरोप तय किए थे, जिसे बाद में उन्होंने स्वीकार कर लिया. रघुवंशी इस मैच में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाए. उन्होंने 8 गेंदों में महज 9 रन बनाए.

लंदन मैराथन, केन्या के सेबेस्टियन 1:59:30 टाइमिंग निकालकर चैंपियन, ऐसा करने वाले पहले रनर

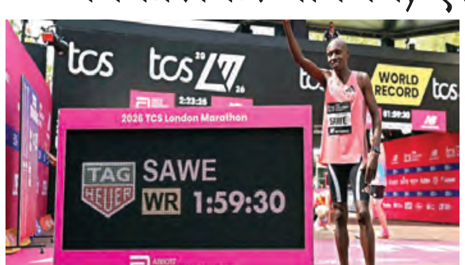

लंदन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्या के सेबेस्टियन सावे 2 घंटे से कम समय में मैराथन पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लंदन मैराथन में 1:59:30 का समय लेकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले रिकॉर्ड केल्विन किपटम के नाम था। उन्होंने 2023 शिकागो मैराथन में 2:00:35 का समय लिया था। सावे ने इसे 65 सेकेंड से सुधारा। उन्होंने एलियुड किपचोगे के 2019 के अनौपचारिक 1:59:40 रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। दूसरे स्थान पर इथियोपिया के योमिफ केजेलचा रहे, जिन्होंने 1:59:41 का समय लिया। वे भी दो घंटे से कम में दौड़ पूरी करने में सफल रहे। युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 2:00:28 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने 2:15:41 के समय के साथ महिलाओं में अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने पिछले साल लंदन में 2:15:50 में मैराथन पूरी कर रिकॉर्ड बनाया था। केन्या की हेलेन ओबिरी और जॉयसिलिन जेपकोसगेई दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

इस कामयाबी में तकनीक का भी बड़ा योगदान रहा। सावे और केजेलचा ने एडिडास के 'एडिज़ेरो एडियोस प्रो इवो 3' जूते पहनकर दौड़ लगाई। इनकी कीमत 500 डॉलर (करीब 41,700 रुपए) है और वजन 97 ग्राम है। कंपनी के अनुसार ये 30% हल्के हैं और रनिंग इकोनॉमी 1.6% तक बेहतर करते हैं।

31 साल के सबास्टियन सावे की यह चौथी मैराथन थी और उन्होंने अब तक हर मैराथन जीती है। उन्होंने करियर की शुरुआत 1500 और 5000 मीटर रेस से की थी, फिर क्रॉस कंट्री और हाफ मैराथन में आए। लंदन मैराथन में उन्होंने पहली हाफ 60:29 में और दूसरी हाफ 59:01 में पूरी की।

पीएसएल की सबसे घटिया रावलपिंडी पिंडीज टीम

10 में से 9 मैच हारी, कप्तान नहीं जड़ पाया एक भी फिफ्टी

रावलपिंडी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के 39वें मैच में रावलपिंडी पिंडीज की टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा. कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में हैदराबाद किंग्समैन ने रावलपिंडी को 108 रनों से हरा दिया. रावलपिंडी की टीम इस सीजन में 10 मैचों में सिर्फ एक मैच ही जीत सकी और अब बाहर भी हो गई है. पूरे सीजन में टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी बुरी तरह फ्लॉप रही.

अपने आखिरी मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी रावलपिंडी की टीम हैदराबाद की मजबूत बल्लेबाजी के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई. हैदराबाद ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 244 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. ग्लेन मैक्सवेल ने 37 गेंदों पर 70 रन बनाए, वहीं उस्मान खान ने 54 रन और कुशल परेरा ने नाबाद 50 रन का अहम योगदान दिया. जवाब में रावलपिंडी की पारी 17.1 ओवर में 136 रनों पर सिमट गई. टीम की ओर से उस्मान ख्वाजा ने नाबाद 66 रनों की पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर नहीं टिक सके. कप्तान मोहम्मद रिजवान भी इस मैच में 16 गेंदों पर 26 रन बना सके.

हैदराबाद की गेंदबाजी में हुनैन शाह ने कमाल का प्रदर्शन किया और 3.1 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर 4 विकेट झटके. अकीफ जावेद ने भी 3 विकेट लिए. दूसरी ओर रावलपिंडी के गेंदबाज महंगे साबित हुए और कोई भी गेंदबाज प्रभावी नहीं हो सका. जो इस मैच में जीत-हार का बड़ा अंतर बना.

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में रावलपिंडी पिंडीज की टीम के इस खराब प्रदर्शन की सबसे बड़ी वजह उनके कप्तान मोहम्मद रिजवान रहे. मोहम्मद रिजवान 10 मैचों में 20.40 के खराब औसत से सिर्फ 204 रन ही बना सके. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी सिर्फ 116.57 का रहा. चौंकाने वाली बात ये भी रही कि वह एक भी मैच में अर्धशतक नहीं जड़ सके. यानी उन्होंने पूरे सीजन टीम को खराब शुरुआत दी और टीम सिर्फ 1 जीत के साथ लीग से बाहर हो गई. इस दौरान उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में रही. उनका कोई भी दांव काम नहीं आया.

स्पैनिश फुटबॉल में बवाल!

गोलकीपर ने विरोधी खिलाड़ी के मुंह पर मारा मुक्का, मैदान में जमकर चले लात-घूंसे

खेल डेस्क, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। स्पेन की सेगुंडा डिविजन में रियल जारगोजा और एसडी ह्यूएस्का के बीच खेले गए मुकाबले में उस समय बड़ा बवाल मच गया जब गोलकीपर एस्तेबान आंद्राडा ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मार दिया। यह मैच पहले से ही रेलेगेशन की लड़ाई के कारण तनावपूर्ण था। मैच के इंजरी टाइम में आंद्राडा को दूसरे पीले कार्ड के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने ह्यूएस्का के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। लेकिन इसके बाद मामला और बिगड़ गया। रेड कार्ड मिलने के कुछ ही पलों बाद आंद्राडा ने दौड़कर जॉर्जे पुलिदो के चेहरे पर मुक्का जड़ दिया।

इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और मैदान पूरी तरह से जंग का मैदान बन गया। इस दौरान दानी जिमिनेज और दानी तासेंदे को भी रेड कार्ड दिखाया गया। अरागोनीज डर्बी के नाम से मशहूर इस मुकाबले में खिलाड़ियों का गुस्सा साफ दिखाई दिया। इस पूरे विवाद के बीच मैच का नतीजा कहीं पीछे छूट गया। ऑस्कर सिएल्वा के पेनल्टी गोल की बदौलत ह्यूएस्का ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने पॉइंट्स टेबल में जरागोजा को पीछे छोड़ दिया, हालांकि दोनों टीमें अभी भी रेलेगेशन जोन में हैं।

सीडब्ल्यूजी-एशियाड में अब कुछ महीने शेष

तैयारी की जगह खाली बैठे हैं निकहत समेत सभी भारतीय मुक्केबाज!

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के चयन की असेसमेंट (आकलन) प्रक्रिया 11 से 15 मई को एनआईएस पटियाला में होनी है, लेकिन पुरुष और महिला मुक्केबाजों का राष्ट्रीय कैंप अब तक शुरू नहीं हुआ है। यह अहम कैंप 25 अप्रैल से एनआईएस पटियाला में शुरू होना था, लेकिन अब तक इसके लिए साई की मंजूरी नहीं मिली है। कैंप शुरू नहीं होने से बॉक्सरों में रोष है। दो बार की विश्व चैंपियन और ग्लास्गो में 51 किलो में अपने राष्ट्रमंडल स्वर्ण की रक्षा के लिए बेकरार निकहत जरीन कहती हैं कि कैंप नहीं लगने से उनका बहुत नुकसान हो रहा है। वह

अपने गृह नगर हैदराबाद में हैं और यहां न कोई ट्रेनिंग सेंटर है और न ही उनके पास कोच है जिसके चलते वह खाली हैं। अगर कैंप लगता तो वह फिटनेस पर काम शुरू कर राष्ट्रमंडल-एशियाई खेलों की टीम में चयनित होने की तैयारियां शुरू कर देतीं। हांगझोउ एशियाई खेलों की पदक विजेता निकहत कहती हैं कि कैंप में जितनी देर होगी उतना उनका और अन्य बॉक्सरों का नुकसान होगा।

निकहत कहती हैं कि 11 अप्रैल को समाप्त एशियाई चैंपियनशिप के बाद सभी बॉक्सरों को 12 दिन का आराम मिला था। 25 अप्रैल से सभी को असेसमेंट की तैयारियां करनी थीं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने असेसमेंट के जरिये ही दोनों खेलों के लिए टीम चुननी है। इसमें फिटनेस टेस्ट होंगे, साथी मुक्केबाजों के साथ बाउट देखी जाएगी। संपूर्ण आकलन के बाद टीम चयनित होनी है। वह सोच रही थीं कि 24 को पटियाला पहुंच जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। निकहत कहती हैं कि कैंप में स्पारिंग पार्टनर होते हैं जिसका फायदा मिलता है।

आवास योजना में तेजी लाएं अफसर : पोंगुलेटी

मंत्री ने साप्ताहिक समीक्षा के दिए निर्देश

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार प्रतिष्ठित इंदिराम्मा आवास योजना के त्वरित और अधिक पारदर्शी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए शक्तियों का विकेंद्रीकरण कर रही है और जिला कलेक्टरों को अधिक जिम्मेदारियां सौंप रही है। उन्होंने कलेक्टरों को योजना को प्राथमिकता देने और जिला आवास अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि जन प्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर समस्याओं को रोकने के लिए प्रत्येक पूर्ववर्ती जिले के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

हैदराबाद स्थित हाउसिंग कॉर्पोरेशन के मुख्यालय में सोमवार को आवास और राजस्व मामलों पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पूर्व के निजामाबाद और आदिलाबाद जिलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, जिला कलेक्टर, अतिरिक्त कलेक्टर और आवास अधिकारी उपस्थित थे। निर्वाचन क्षेत्रवार विस्तृत चर्चा हुई और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में इंदिराम्मा आवास योजना एक सतत प्रक्रिया बनी रहेगी।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि जो लोग पहले आवेदन नहीं कर पाए थे, वे भी अब आवेदन कर सकते हैं और पात्र पाए जाने पर उन्हें मकान आवंटित किए जाएंगे। जन प्रतिनिधियों के सुझावों पर विधिवत विचार किया जाएगा और उन्हें कार्यान्वयन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्री ने कहा कि बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 3,500 घरों को मंजूरी दी गई है, और विधायकों से समय पर निर्माण सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में लाभार्थी घर बनाने में असमर्थ या अनिच्छुक हैं, उन इकाइयों को अन्य पात्र व्यक्तियों को पुनः आवंटित किया जाना चाहिए।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि तहखाने का काम पूरा होते ही लंबित भुगतान तुरंत जारी कर दिए जाएं, विशेषकर उन मामलों में जहां तकनीकी समस्याओं के कारण बिलों में देरी हुई हो। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों को गरीबों के कल्याण से संबंधित मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मंत्री ने पूर्व सरकार द्वारा निर्मित अधूरे दो शयनकक्ष वाले आवास इकाइयों को पूरा करने का निर्देश दिया, साथ ही पेयजल, बिजली और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान और निर्माण के चरण की परवाह किए बिना लाभार्थियों को तत्काल आवंटन का भी निर्देश दिया। निजामाबाद के प्रभारी मंत्री सीतक्का, आदिलाबाद के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, मंत्री जी. विवेक, सरकारी सलाहकार पी. सुदर्शन रेड्डी, पोच्चाराम श्रीनिवास रेड्डी, मोहम्मद शब्बीर अली, संबंधित जिलों के सांसद, विधायक, राजस्व सचिव डी.एस. लोकेश कुमार, आवास सचिव वी.पी. गौतम और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

अजहरुद्दीन और कोडंडाराम ने ली एमएलसी पद की शपथ

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और टीजेएस अध्यक्ष एम. कोडंडाराम ने सोमवार को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ली। विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी ने दोनों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कांग्रेस सरकार ने रविवार को राजपत्र अधिसूचना जारी कर राज्यपाल कोटे के तहत दोनों को एमएलसी के रूप में नामित किया था। इसके बाद राज्यपाल ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी, जिससे शपथ ग्रहण का मार्ग प्रशस्त हुआ। अजहरुद्दीन ने पिछले वर्ष अक्टूबर में मंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन संविधान के अनुसार उन्हें छह महीने के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना आवश्यक था, जिसकी समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त हो रही थी। शपथ ग्रहण के बाद अब उनके मंत्री पद को लेकर अनिश्चितता समाप्त हो गई है।

हैदराबाद में फ्लाईओवर निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई पर विवाद, पर्यावरण संगठनों में आक्रोश

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क और आईआईआईटी जंक्शन क्षेत्र में फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर शहर में नागरिक संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं में चिंता और आक्रोश बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, आईआईआईटी जंक्शन और खजागुडा जंक्शन से 670 से अधिक पेड़ हटाए गए हैं, जहां तीन बहु-दिशात्मक फ्लाईओवर और एक अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। इस कारण क्षेत्र का बड़ा हरित आवरण प्रभावित हुआ है। कुछ सप्ताह पहले केबीआर पार्क के पास भी इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल से बंजारा हिल्स तक बनने वाले फ्लाईओवर और अंडरपास परियोजना के लिए बड़ी संख्या में पेड़ हटाए गए थे।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि पेड़ों की कटाई के लिए आवश्यक अनुमति और प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की है कि सभी निर्माण कार्यों को तब तक रोका जाए जब तक उचित अनुमति प्रक्रिया पूरी न हो। हालांकि साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) के सूत्रों के अनुसार, वृक्ष संरक्षण समिति की रिपोर्ट के आधार पर पेड़ों की गणना और स्थानांतरण की प्रक्रिया अपनाई गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक कई पेड़ों को स्थानांतरित किया गया, जबकि कुछ को काटने की सिफारिश के बाद हटाया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने भी दावा किया है कि यह कार्रवाई समिति की मंजूरी के बाद ही की गई है। यह परियोजना हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर (एच-सीआईटीआई) के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें आईआईआईटी जंक्शन पर कई फ्लाईओवर और एक अंडरपास शामिल हैं। पर्यावरण संगठनों का कहना है कि विकास परियोजनाओं और हरियाली संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है, जबकि प्रशासन का दावा है कि यह परियोजना यातायात सुधार के लिए आवश्यक है।

तेलंगाना में भीषण गर्मी, आईएमडी ने जारी की चेतावनी

आदिलाबाद राज्य का सबसे गर्म क्षेत्र, पारा 45.3 डिग्री तक पहुंचा

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी की लहरों के चलते तेलंगाना में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई हिस्सों के लिए कार्रवाई करें की चेतावनी जारी की है। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार आदिलाबाद राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से लगभग 3.5 डिग्री अधिक है, जो उत्तरी जिलों में बढ़ती गर्मी की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। आईएमडी के अनुसार निज़ामाबाद में भी तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जबकि राजधानी हैदराबाद के हयातनगर और बेगमपेट क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मेदक और रामागुंडम में भी गर्मी का असर देखा गया, जहां अधिकतम तापमान क्रमशः 42.4 और 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं खम्मम, महबूबनगर, भद्राचलम और हकीमपेट में भी तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि नमी की कमी और शुष्क हवाओं के कारण अगले 48 घंटों में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

गर्मी के साथ बारिश की संभावना आईएमडी ने जारी किया पूर्वानुमान

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को हैदराबाद के मुख्य क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि शाम के समय छिटपुट गरज के साथ बारिश होने की आशंका जताई गई है। तेलंगाना में भी आज दोपहर तक भीषण गर्मी रहने के बाद बिजली कड़कने, तेज हवाओं और भारी बारिश की संभावना है। हैदराबाद स्थित आईएमडी के अनुसार, हैदराबाद और आसपास के जिलों विकाराबाद, संगारेड्डी, रंगारेड्डी, भोंगिर और मेडचल-मल्काजगिरि में सुबह के समय तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। वहीं रंगारेड्डी, विकाराबाद, नागरकुर्नूल, नालगोंडा, यादद्री-भुवनगिरी और संगारेड्डी में दोपहर या देर शाम तक तेज गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, तेलंगाना के 20 से अधिक जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। हालांकि शाम तक कई इलाकों में छिटपुट गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है।

हैदराबाद में ईंधन की अफवाह से हड़कंप

पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को ईंधन की कमी की अफवाहों के चलते शहर में दहशत में खरीदारी का माहौल बन गया, जिससे वाहन चालक बड़ी संख्या में पेट्रोल पंपों पर उमड़ पड़े। भीड़ बढ़ने के कारण कई पेट्रोल पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। सुबह से ही विभिन्न इलाकों में लंबी कतारें देखी गईं और स्थिति बिगड़ने के डर से कई स्थानों पर पंप प्रबंधन ने परिचालन रोक दिया। चंद्रायांगुट्टा, मलकपेट, संतोषनगर, आसिफनगर, नामपल्ली, शेखपेट और नारायणगुडा जैसे इलाकों में भारी भीड़ देखी गई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वे कई पेट्रोल पंपों पर गए लेकिन अधिकतर बंद मिले, जिसके बाद उन्हें खुले पंपों पर लंबी कतारों में लगना पड़ा।

कुछ पेट्रोल पंपों पर हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। वहीं कई स्थानों पर परिचालन जारी रखा गया। तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव विनोद विश्वनाथ ने बताया कि रविवार को आपूर्ति में अस्थायी बाधा के कारण स्थिति उत्पन्न हुई थी, लेकिन अब ईंधन की नई आपूर्ति शुरू हो गई है और शाम तक स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है।

लेखिका मधु किश्वर की पोस्ट वायरल करने वाला हैदराबाद से गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फेमस राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करने के लिए दूसरा नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुईं। लेकिन इस मामले में कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हसन मोहिउद्दीन सिद्दीकी के रूप में हुई है, जो हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया।

आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी वीडियो प्रसारित कर लोगों को गुमराह कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने एक दिन का रिमांड हासिल किया है।

पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की धाराएं 66(C), 66(), 67 तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराएं 196, 318, 336(1), 336(3), 336(4), 340, 353 और 356 के तहत मामला दर्ज है।

दरअसल, मधु किश्वर समेत अन्य लोगों पर चंडीगढ़ के सेक्टर-26 थाने में 20 अप्रैल को ही एक शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने एक वीडियो को गलत पहचान के साथ वायरल किया और उसमें अश्लील व भ्रामक शब्द जोड़कर पेश किया। इससे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि खराब करने की कोशिश की गई और समाज में भ्रम फैलाया गया।

तिरुमला में ईंधन की कोई कमी नहीं

तिरुमला, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्रद्धालुओं को स्पष्ट किया है कि तिरुमला में ईंधन की कोई कमी नहीं है। रविवार दोपहर तिरुमला में एचपी और आईओसीएल के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो जाने के कारण, संबंधित आउटलेट्स पर 'नो स्टॉक' के बोर्ड प्रदर्शित किए गए। शाम तक एक टैंकर एचपी पेट्रोल पंप पर पहुंच गया और ईंधन उपलब्ध हो गया। यह भी बताया गया है कि कल सुबह तक आईओसीएल पेट्रोल पंप पर भी एक टैंकर पहुंच जाएगा। टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी ने डीलरों को निर्देश दिया है कि वे तिरुमला के पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी न हो, इसके लिए पहले से ही एहतियाती उपाय करें।

चेंगिचेरला में घर में चोरी, लाखों का सामान गायब

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगर मेडिपल्ली के चेंगिचेरला इलाके में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की कीमती वस्तुएं चोरी कर लीं। पुलिस के अनुसार, पी. कार्तिक कुमार, जो मूल रूप से गुडूर के रहने वाले हैं, चेंगिचेरला में किराए के मकान में रह रहे थे। 25 अप्रैल को वे अपनी मां के साथ अपने पैतृक गांव चले गए थे। अगले दिन पड़ोसियों ने उन्हें फोन कर सूचना दी कि उनके घर में चोरी हो गई है। जब वे वापस लौटे तो पाया कि घर का ताला टूटा हुआ था और सामान गायब था। चोरी किए गए सामान में लगभग 5 ग्राम सोना, 20 तोला चांदी, एक टेलीविजन सेट और 20,000 रुपये नकद शामिल हैं। मेडिपल्ली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना में नए हवाई अड्डों की योजना पर प्रगति धीमी

कई परियोजनाएं अभी प्रारंभिक चरण में

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार जून तक ममनूर और आदिलाबाद हवाई अड्डों की नींव रखने को लेकर आशावादी है, लेकिन विभिन्न प्रक्रियात्मक अड़चनों के कारण देरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्यों के आवंटन और अन्य लंबित औपचारिकताओं के चलते परियोजनाओं में समय लग सकता है। भद्राद्री कोठागुडेम के पलवांचा (रामावरम), निज़ामाबाद के जाक्रानपल्ली, महबूबनगर के देवरकादरा और पेद्दापल्ली में प्रस्तावित हवाई अड्डों पर भी प्रगति धीमी है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से मुलाकात कर ममनूर हवाई अड्डे के लिए कार्य शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया था। सरकार का लक्ष्य जून में आदिलाबाद और ममनूर परियोजनाओं की नींव रखना है। हालांकि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अधिकारियों के अनुसार, ममनूर परियोजना के लिए अभी तक कार्य आदेश जारी नहीं हुए हैं, जिससे वास्तविक निर्माण कार्य में और समय लग सकता है। ममनूर हवाई अड्डे के लिए 253 एकड़ भूमि पहले ही अधिग्रहित कर एएआई को सौंपी जा चुकी है, जबकि अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के लिए और धन की आवश्यकता है।

आदिलाबाद हवाई अड्डे को 700 एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित करने की योजना है, जिसमें ए-321 और बी-737 जैसे विमानों के संचालन की सुविधा होगी। वायु सेना ने नागरिक उपयोग के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

अन्य परियोजनाओं की स्थिति भी अनिश्चित बनी हुई है- पेद्दापल्ली में वैकल्पिक भूमि का प्रस्ताव दिया गया है और व्यवहार्यता अध्ययन किया गया है। पलवांचा में स्थल को अनुपयुक्त पाए जाने के बाद नया स्थान खोजा जा रहा है। जाक्रानपल्ली में भूमि अधिग्रहण और कई स्वीकृतियां लंबित हैं। देवरकादरा परियोजना को तकनीकी कारणों से अनुपयुक्त बताया गया है। कुल मिलाकर, राज्य में हवाई अड्डा विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के बावजूद अधिकांश परियोजनाएं अभी प्रारंभिक या मंजूरी स्तर पर ही अटकी हुई हैं।

महिला की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंदननगर पुलिस थाना क्षेत्र में सोमवार को एक महिला की हत्या कर दी गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता नरसम्मा की अज्ञात व्यक्ति ने दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। नरसम्मा मूल रूप से संगारेड्डी जिले के इंद्रेशम की रहने वाली थीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या का कारण विवाहेतर संबंध हो सकता है। चंदननगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है।

ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर में आग

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अंबरपेट के 6 नंबर सर्कल स्थित एक ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, यह आग महिंद्रा के सर्विस सेंटर में लगी और तेजी से फैल गई, जिससे पास स्थित रेनॉल्ट शोरूम सहित आसपास के कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी इसकी चपेट में आ गए। आग लगने के बाद आसमान में घने धुएं का गुबार छा गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची और कई दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। फिलहाल दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि संपत्ति के नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और जांच जारी है।

जगतियाल नगरपालिका में सतर्कता विभाग की छापेमारी

जगतियाल, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल नगरपालिका में सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को छापेमारी कर जांच शुरू की। शिकायतों के आधार पर राजस्व विभाग में आठ विशेष टीमें विभिन्न मामलों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों द्वारा भवन मूल्यांकन और कर निर्धारण में अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की जा रही है। जांच टीमों ने कई भवनों का भौतिक निरीक्षण कर वास्तविक माप और दस्तावेजों का मिलान शुरू किया है। सतर्कता विभाग के अधिकारी संबंधित रिकॉर्ड और फाइलों की भी गहन जांच कर रहे हैं।

जीएम ने की समर्पण और ईमानदारी की सराहना

13 कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' पुरस्कार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने ट्रेन में सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। सोमवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक के साथ परिचालन कार्यों की समीक्षा की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने असुरक्षित स्थितियों को रोकने में उनकी लगन और सतर्कता को मान्यता देते हुए तेरह कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए।

एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में उपस्थित थे। सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। ट्रैक मेंटेनेंस कर्मियों, पॉइंट्समैन, तकनीशियनों, ट्रेन प्रबंधकों, स्टेशन मास्टरों और लोको पायलटों सहित अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को उनकी सतर्कता, समयबद्धता, पूर्णता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का मंडलवार वितरण इस प्रकार है : सिकंदराबाद मंडल- 3, विजयवाड़ा मंडल- 7, गुंटूर मंडल- 1 और गुंतकल मंडल- 2। पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए, महाप्रबंधक ने कर्तव्यों के निर्वहन में उनके समर्पण और ईमानदारी की सराहना की, और इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की मान्यता अन्य कर्मचारियों को सतर्क रहने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगी। संजय कुमार श्रीवास्तव ने भीषण गर्मी के मौसम में रेल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय उपायों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पटरियों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करें ताकि वे भीषण गर्मी का सामना कर सकें और ट्रेनों का संचालन निर्बाध रूप से जारी रह सके। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निरीक्षण करने का निर्देश दिया। नियमित सुरक्षा निरीक्षण करना, पटरियों की स्थिरता बनाए रखने के लिए गिट्टी की पुनःपूर्ति और भराई को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए आग के जोखिमों का विस्तृत विश्लेषण करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की सलाह दी, साथ ही चुनौतीपूर्ण गर्मी के महीनों के दौरान सतर्कता और तैयारी की आवश्यकता पर भी बल दिया। महाप्रबंधक ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा आवश्यकताओं से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा के सभी पहलुओं पर कर्मचारियों को जागरूक करने, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, चौराहों और क्रॉसिंग का निरीक्षण करने और कार्य पूरा होने के बाद पटरियों के पास से निर्माण सामग्री को हटाने को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया।

भारत फ्यूचर सिटी बनेगा हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का केंद्र

हैदराबाद से तीन प्रमुख शहरों को जोड़ा जाएगा

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के भविष्य की परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना सरकार हैदराबाद को हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इस संबंध में सोमवार को सचिवालय में सड़क, भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप भविष्य की पीढ़ियों के लिए मजबूत और आधुनिक परिवहन व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद दक्षिण भारत के राज्यों के लिए केंद्र बिंदु है और निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है। इसी के मद्देनजर राज्य में परिवहन ढांचे का तेजी से विकास किया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि हैदराबाद से मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरू को जोड़ने वाले हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हैदराबाद-पुणे-मुंबई कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही पूरी हो चुकी है, जबकि चेन्नई (अमरावती मार्ग से) और बेंगलुरू कॉरिडोर पर सर्वे कार्य जारी है। हैदराबाद-मुंबई कॉरिडोर की कुल लंबाई 761 किलोमीटर होगी, जिसमें 12 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इनमें 10 ऊंचे (एलिवेटेड) और 2 भूमिगत स्टेशन होंगे।

विकाराबाद के पास 4.6 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने का भी प्रस्ताव है। परियोजना पूरी होने पर बिना रुके यात्रा लगभग 2 घंटे 55 मिनट में पूरी की जा सकेगी, जबकि सभी स्टेशनों पर ठहराव के साथ लगभग 3 घंटे 21 मिनट का समय लगेगा। इस दौरान ट्रेन की गति 330 किलोमीटर प्रति घंटा तक होगी।

बैठक में भारत फ्यूचर सिटी-अमरावती-चेन्नई कॉरिडोर और भारत फ्यूचर सिटी-बेंगलुरू कॉरिडोर पर भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं में संबंधित राज्यों के साथ समन्वय किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि ये कॉरिडोर राज्य की आर्थिक प्रगति के प्रमुख मार्ग साबित होंगे और 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे। मंत्री ने केंद्र और राज्य के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इन परियोजनाओं के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। बैठक में राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल निगम लिमिटेड, महानगर विकास प्राधिकरण और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.